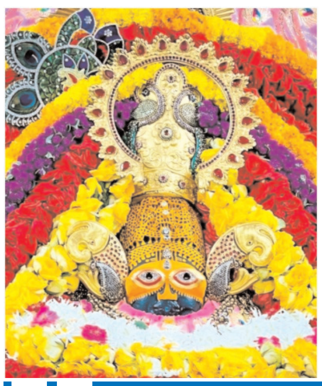

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:01। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 27 अगस्त 2026 (गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

नेपाल में बाढ़ से तबाही

नेपाल में अचानक आई बाढ़ में 100 से ज्यादा भारतीय लापता

नेपाल टूरिज्म बोर्ड ने दी जानकारी

एजेंसी
काठमांडू/नई दिल्ली । नेपाल में अचानक आई बाढ़ में कम से कम 105 भारतीय नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। नेपाल टूरिज्म बोर्ड की प्रारंभिक लिस्ट के अनुसार, बुधवार को नेपाल के रसुवा जिले की भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ में 384 लापता हैं।

इन लापता लोगों में से कम से कम 105 भारतीय हैं। नेपाल टूरिज्म बोर्ड की प्रारंभिक लिस्ट में लापता बताए जा रहे लोगों में 291 विदेशी और 93 नेपाली नागरिक हैं। नेपाल टूरिज्म बोर्ड, टूरिस्ट पुलिस और पर्यटन से जुड़े अन्य लोग ट्रैवल एजेंसियों, गाइडों, स्थानीय अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर यात्रियों का पता लगाने और उनकी स्थिति की पुष्टि करने के लिए तालमेल बिठा रहे हैं।

'अब बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को सीधे जेल या जहन्नुम मिलता है'

सीएम योगी का सपा पर हमला

एजेंसी
लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की योजना शुरू करने के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला।

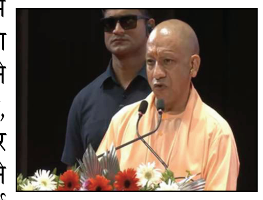

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना' के शुभारंभ कार्यक्रम में योगी ने सपा शासन के दौरान महिला सुरक्षा, पेंशन, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि एक समय प्रदेश में 'देख सपाई बिटिया घबराई' का नारा चलता था, जबकि अब सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा को व्यवस्था और तकनीक से जोड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाई तो जेल या जहन्नुम, एक जगह तय हो जाएगी। सरकार का लक्ष्य ऐसा उत्तर प्रदेश बनाना है, जहां बेटी घर से निकले, पढ़े, नौकरी करे, कारोबार करे और रात में भी पूरी सुरक्षा के साथ घर लौट सके। 2017 से पहले प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए प्रभावी व्यवस्था नहीं थी। न पर्याप्त हेल्पलाइन थी, न कमांड सेंटर और न ही सीसीटीवी का व्यापक नेटवर्क। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं में बिचौलियों और भ्रष्टाचार का प्रभाव था तथा महिलाओं को मिलने वाली सहायता भी पूरी तरह उन तक नहीं पहुंचती थी।

सुखबीर का पंजाब सरकार पर निशाना, लिखा-

केजरीवाल और सिसोदिया के लिए 'सिलेबस से बाहर' की बात

एजेंसी
चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की ओर से शिक्षा व्यवस्था को लेकर पंजाब सरकार पर निशाना साधा गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को घेरा है। सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'यह कहानी बार-बार सुनाई जानी चाहिए, जब तक कि आप पंजाब, गुरु-द्रोही भगवंत मान और हरजोत सिंह बैंस का झूठा प्रोपेगैंडा पूरी तरह से बेनकाब न हो जाए। पंजाब में जो हो रहा है, वह कोई 'क्रांति' नहीं बल्कि एक बहुत बड़ा 'शिक्षा घोटाला' है!' उन्होंने आगे लिखा, 'निश्चित रूप से अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के लिए यह 'सिलेबस से बाहर' की बात है!' बीते दिनों सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा था, 'यह सिर्फ एक विरोध या एक विभाग की बात नहीं है। पंजाब के सभी कर्मचारियों ने मिलकर 'गुरु-द्रोही' भगवंत मान और उनकी 'झूठों की कैबिनेट' की असलियत सबके सामने ला दी है!' उन्होंने निशाना साधते हुए 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा था, 'भर्ती और सर्विस से जुड़े मुद्दों को लेकर शिक्षक विरोध कर रहे हैं। पीएसपीसीएल कर्मचारी अपने 18 प्रतिशत बकाया डीए, सही पे-स्केल और ओपीएस (पुरानी पेंशन योजना) को फिर से लागू करने की मांग कर रहे हैं। एमजीएनआरईजीए कर्मी बकाया मजदूरी और नौकरी पक्की करवाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सफाई सेवक नौकरी की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। मोहल्ला क्लिनिक स्टाफ बेहतर वेतन और काम की बुनियादी स्थितियों के लिए विरोध कर रहे हैं। '

असम में फिर गुलजार हो रही हैं लाइब्रेरी, बच्चों में पढ़ने की आदत बढ़ रही है: सीएम सरमा

गुवाहाटी(एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि राज्यभर की लाइब्रेरी एक बार फिर गुलजार हो रही हैं और बच्चे किताबों, इंटरैक्टिव लर्निंग गतिविधियों तथा सामुदायिक पठन कार्यक्रमों से तेजी से जुड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि राज्य की लाइब्रेरी में नई जान आ गई है और इन पहलों से बच्चों का किताबों और पढ़ने की संस्कृति से जुड़ाव मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा, 'असम की लाइब्रेरी फिर से जीवंत हो रही हैं। बुक टॉक्स, घूमने वाले पुस्तक संग्रह (रोटेटिंग कलेक्शंस) और व्यावहारिक गतिविधियों के जरिए बच्चे नई कहानियों, नए विचारों और अलग-अलग विषयों से परिचित हो रहे हैं। 'मुख्यमंत्री के अनुसार, इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सिर्फ बच्चों द्वारा पढ़ी जाने वाली किताबों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि उनमें ऐसी आदतें विकसित करना है जो उनके समग्र विकास और सीखने में मदद करें।

'कोर्ट के आदेश का पालन करें, हमें कानून से हिसाब से चलना है', हिजाब विवाद पर बोले रामदास आठवले

मुंबई । केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने 'हिजाब' विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह मुस्लिम धर्म में उनकी पारंपरिक प्रथा है, लेकिन हम अपने संविधान और कानून के अनुसार काम करते हैं। कोर्ट के आदेश का पालन किया जाना चाहिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस फैसले पर कि हिजाब स्कूल यूनिफॉर्म का हिस्सा नहीं है, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने बात करते हुए कहा, 'मुस्लिम समुदाय के लोग यानी महिलाएं हिजाब पहनती हैं और स्कूल जाने वाली लड़कियां भी हिजाब पहनती हैं। मुझे लगता है कि यह मुस्लिम धर्म में उनकी पारंपरिक प्रथा है, लेकिन हम अपने संविधान और कानून के अनुसार काम करते हैं।' उन्होंने कहा, 'जैसा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि हिजाब पहनना जरूरी नहीं है, हिजाब नहीं पहना जाना चाहिए।

नेपाल में बाढ़ : प्रधानमंत्री मोदी की पीएम बालेंद्र से बात, मुश्किल घड़ी में हरसभंव मदद का भरोसा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह से बात कर फ्लैश फ्लड से मची तबाही पर दुख जताया है। उन्होंने इस विपत्ति में पड़ोसी राष्ट्र की हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। पीएम ने कहा, 'प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बात की और नेपाल में बाढ़ से हुई जान-माल की हानि पर संवेदना व्यक्त की। इस मुश्किल समय में भारत के लोग नेपाल में अपने भाई-बहनों के साथ खड़े हैं। भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। हमारी टीमें बचाव और राहत कार्यों के लिए मिलकर काम कर रही हैं।' इससे पहले नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी देने के लिए इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं।

'छह हफ्ते में खाली कर दें...'

हाई कोर्ट के आदेश के बाद पीएम आवास के पास बसी झुग्गियों में रहने वाले 700 परिवारों को हटना होगा

एजेंसी
नई दिल्ली। हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री आवास के नजदीक बसी हुई झुग्गी बस्तियों में रहने वाले करीब 700 परिवारों को वहां से हटने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि छह सप्ताह के भीतर झुग्गी में रहने वाले लोग वहां से हट जाएं। इन परिवारों का दिल्ली के सावदा घेवरा में पुनर्वास किया जाना है।

चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने यह आदेश झुग्गीवासियों की ओर से दायर अपीलों और केंद्र की ओर से पेश हुए वकीलों की दलीलों पर सुनवाई के बाद मंगलवार को दिया। यहां तीन कैंप में लगभग 700 परिवार रहते हैं। अदालत ने पुनर्वास की प्रक्रिया

की निगरानी के लिए दिल्ली के पूर्व जिला जज मनमोहन शर्मा की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति को झुग्गीवासियों के पुनर्वास के काम की लगातार निगरानी करनी होगी।

झुग्गीवासियों के सामान को सावदा घेवरा तक पहुंचाने का निर्देश

अदालत ने कहा कि समिति को इस बात को सुनिश्चित करना होगा कि सरकार के द्वारा झुग्गीवासियों को दी गई सभी सुविधाएं उन्हें मिलें। समिति का कार्यकाल 6 महीने का है। अदालत ने दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड को निर्देश दिया कि वह झुग्गीवासियों के घरेलू सामान को सावदा घेवरा तक पहुंचाए।

झुग्गीवासियों ने अपनी अपील में क्या कहा था?

झुग्गीवासियों ने सावदा घेवरा में पुनर्वास का विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि यह जगह जहां वे अभी रहते हैं, उससे 45 किलोमीटर दूर है। अगर उन्हें वहां भेजा जाएगा तो इससे उनकी रोजी-रोटी छिन जाएगी क्योंकि वे लोग प्रधानमंत्री आवास के आसपास के इलाकों में नौकरी करते हैं। इन लोगों ने यह भी कहा था कि सावदा घेवरा में स्कूलों सहित बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

कर्नाटक की भूतनाला झील में मिले शवों की हुई पहचान

झगड़े के बाद महिला बच्चों समेत दे दी जान, ऐसे हुआ खुलासा

एजेंसी
विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के आदर्श नगर पुलिस स्टेशन के अधिकार

क्षेत्र में आने वाली भूतानाला झील में छह लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। 24 अगस्त को विजयपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में लापता बच्चों और महिला के मामले में केस दर्ज किया गया था। तोरवी शांति नगर के रहने वाले शिकायतकर्ता मल्लिकार्जुन ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी पत्नी शोभा घर से चली गई है। बताया गया कि घर से निकलने से पहले किसी बात को लेकर उससे कहासुनी हुई थी।

शवों को भेजा गया बीएलडीई अस्पताल

शिकायतकर्ता की लापता पत्नी शोभा और पांच बच्चों के शव आदर्श नगर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाली भूतानाला झील में मिले। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की ओर से घटनास्थल का निरीक्षण किया गया, शवों को बाहर निकालकर बीएलडीई अस्पताल भेजा गया और घटना की गहन जांच चल रही है।

यूपी चुनाव से पहले सपा का बड़ा ऐलान

सरकार बनी तो महिलाओं को हर साल मिलेंगे 40 हजार रुपये

एजेंसी
लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने महिलाओं के लिए बड़ा चुनावी ऐलान किया है। पार्टी की सरकार बनने पर 'स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' शुरू करने की घोषणा की गई है।

सपा सांसद डिंपल यादव के मुताबिक, इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान किया जाएगा। पार्टी का कहना है कि योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सहायता देना है।

डिंपल यादव ने योजना की घोषणा करते हुए कहा कि महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तीकरण को ध्यान में रखते हुए यह पहल की जाएगी। हालांकि, योजना का लाभ किन महिलाओं को मिलेगा, इसके लिए पात्रता की शर्तें क्या होंगी और आवेदन की प्रक्रिया कैसी होगी, इस संबंध में विस्तृत जानकारी बाद में सामने आने की उम्मीद है।

अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी की पिछली सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर तकनीक से जोड़ने का काम किया गया था। उन्होंने कहा कि भविष्य में इंटरमीडिएट पास करने वाली बेटियों को भी लैपटॉप देने की योजना पर काम किया जाएगा। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी अपनी सरकार की प्राथमिकताएं गिनाईं। सपा प्रमुख ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा और उनकी आवाजाही को सुरक्षित बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

फ्री लैपटॉप, स्कूल फीस माफ- सपा सरकार आने पर 12वीं पास करने वाली हर छात्रा को फ्री लैपटॉप, सरकारी स्कूल में पूरी फीस माफ और प्राइवेट में आधी फीस देनी होगी। प्रति माह कम से कम दो दिन आकस्मिक अवकाश देने की व्यवस्था की जाएगी। हर तहसील में एक पीजी कॉलेज और हर जिले में एक विश्वविद्यालय बनाया जाएगा। पूरे प्रदेश में महिलाओं को फ्री बस यात्रा दी जाएगी। हर विधवा और बेसहारा महिला को पक्का सरकारी घर दिया जाएगा। हर निराश्रित महिला के सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी सरकार लेगी। बंद किए गए 26 हजार से ज्यादा स्कूल दोबारा खोले जाएंगे। महिला अपराधों से जुड़े मुकदमों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का भी वादा किया गया है।

तेलंगाना के सूर्यापेट सड़क हादसे पर उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया दुख

एजेंसी
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तेलंगाना के सूर्यापेट में हुए भीषण सड़क हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। दोनों नेताओं ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

व्यक्त करते हुए कहा कि सूर्यापेट की दुखद सड़क दुर्घटना से उन्हें गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक्स पर कहा कि सूर्यापेट में हुए हादसे की खबर से वह बेहद व्यथित हैं। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के साथ उनकी संवेदनाएं हैं और वह सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

राहुल गांधी के बयान पर बांसुरी स्वराज का तंज, कहा-

उनके पास न कोई विजन, न ही सकारात्मक एजेंडा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद बंसुरी स्वराज ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए महिला सशक्तीकरण पर उनके रुख पर सवाल उठाया। इसके साथ ही राहुल गांधी के 'पितृसत्ता को खत्म करो' वाले बयान पर टिप्पणी की। बांसुरी स्वराज ने मीडिया से कहा, '22 अगस्त को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक नया झूठा नैरेटिव इस देश में खड़ा करने का प्रयास किया है। 'पितृसत्ता को खत्म करो' के लिए मैं पूरी तरह सहमत हूं। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहती हूं कि क्या आप 'पितृसत्ता को खत्म करो' का नारा पुणे के स्टेज तक ही सीमित रखते हैं। आप अपनी कांग्रेस पार्टी में राजनीतिक पितृसत्ता को संरक्षण देते रहते हैं। राहुल गांधी के पास न कोई विजन है, न ही कोई सकारात्मक एजेंडा। इसलिए अब उनकी रिसर्च टीम जो भी पर्ची पर लिखकर दे देती है, उसी से वो देश के

मतदाताओं और युवाओं को भ्रमित करने का प्रयास करते हैं। बांसुरी ने कहा, '22 अगस्त को उन्होंने पुणे के मंच से यह बयान दिया जबकि 10 दिन पहले खुद राहुल गांधी संदीप दीक्षित के साथ एक बेहद ओछे मजाक में शामिल हुए थे। एक महिला प्रधानमंत्री का नाम लेकर मजाक किया गया, वो भी हमारे मित्र देश इटली की, जो वहां की वर्तमान प्रधानमंत्री हैं। '

देश को बांटने वाले बयान दे रहे राहुल गांधी : शेखावत

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति, सभ्यतागत चेतना, वेदों, पुराणों और उपनिषदों की कितनी जानकारी है, उनकी जानकारी के इस उथलेपन और उन्होंने मनुस्मृति पर दिए गए अपने बयान से स्वयं स्पष्ट कर दिया है। बुधवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक या सांस्कृतिक विषय पर उसके मूल संदर्भ और तत्कालीन परिस्थितियों को समझे बिना टिप्पणी करना या अपने राजनीतिक लाभ के लिए उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करना सर्वथा अनुचित और निंदनीय है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव समय की जरूरत है : शिवराज सिंह

एक राष्ट्र, एक चुनाव असवैधानिक है और कांग्रेस का जमीर इसे लागू करने की इजाजत नहीं देता है।

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक राष्ट्र, एक चुनाव असंवैधानिक है और कांग्रेस का जमीर इसे लागू करने की इजाजत नहीं देता है। केंद्रीय मंत्री ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आखिर आप किस जमीर की बात कर रहे हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव 1952 , 1957, 1962 में हुए। इसके बाद कांग्रेस ने असंवैधानिक तरीके से सरकारों को गिराने की कोशिश की। इसके बाद यह व्यवस्था बिगड़ी। 1983 में विधि आयोग ने कहा था कि एक साथ लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एक साथ होना जरूरी है। चुनाव आयोग खुद इस बात को कह रहा है। 1918 में फिर से विधि आयोग ने यह बात कही। आखिर यह सब कुछ असंवैधानिक कहां से हो गया? पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस संबंध में देश भर के चिंतकों से चर्चा की। इसके बाद वह रिपोर्ट तैयार हुई , जिसमें एक राष्ट्र एक चुनाव की रिपोर्ट को प्रतिपादित किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हो।

इसके बाद 100 दिन के अंदर बाकी के चुनाव भी संपन्न हो जाने चाहिए। इस तरह की पूरी रूपरेखा निर्धारित करके उसे धरातल पर उतारा जाना चाहिए। लगातार चुनाव होने से ना महज सरकार का खर्चा बढ़ाता है, बल्कि विकास से संबंधित कार्य भी शिथिल होते हैं।

कपड़वंज में कथित अवैध शराब के अड्डों पर सवाल, पुलिस की कार्यप्रणाली घेरे में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कपड़वंज। गुजरात में जहरीली शराब की घटनाओं के बाद सरकार ने अवैध शराब के अड्डों और भट्ठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद खेड़ा जिले के कपड़वंज थाना क्षेत्र में कथित तौर पर शराब के अड्डे संचालित होने के आरोप सामने आए हैं। टीम ने क्षेत्र में जमीनी पड़ताल कर इन गतिविधियों से जुड़े स्थानों की जानकारी जुटाने का दावा किया है। स्थानीय स्तर पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर कपड़वंज पुलिस और खेड़ा जिला स्थानीय अपराध शाखा की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। साथ ही पुलिस और शराब तस्करों के बीच कथित मिलीभगत तथा अवैध वसूली के गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं, हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। नागरिकों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर अवैध शराब कारोबार पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

शिनोर चौकड़ी के पास ईको और एक्टिवा की जोरदार टक्कर, एक व्यक्ति गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। शिनोर चौकड़ी के पास तेज रफ्तार ईको कार और एक्टिवा की जोरदार टक्कर में एक्टिवा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि एक्टिवा चालक उछलकर सड़क पर जा गिरा, जिससे उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने घायल व्यक्ति को तत्काल प्राथमिक सहायता दी और घटना की सूचना 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा को दी। कुछ ही देर में एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची। दुर्घटना के कारण शिनोर चौकड़ी के आसपास कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ और सड़क पर वाहनों की कतार लग गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था संभाली और रास्ता खुलवाया। पुलिस ने ईको कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है। साथ ही हादसे से जुड़े अन्य पहलुओं और प्रत्यक्षदर्शियों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

समता स्कूल लेन में तीन पत्ती का जुआ खेलते चार लोग गिरफ्तार, 11,150 रुपये नकद और ताश के पत्ते जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालनपुर। शहर की समता स्कूल लेन में जुआ खेलने की सूचना पर पूर्व पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि सोनबाग के पीछे समता स्कूल लेन में मयंक विनोदभाई मकवाना के घर के पीछे खुली जगह पर कुछ लोग ताश के पत्तों से तीन पत्ती का जुआ खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा, जहां चार लोग जुआ खेलते हुए पाए गए। पुलिस ने मौके से महेंद्र नटवरलाल परमार, मयंक विनोदभाई मकवाना, कालूभाई पुंजाभाई परमार और विनोदभाई पुंजाभाई सोलंकी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 11,150 रुपये नकद और ताश के पत्ते बरामद किए। जब्त सामान को कब्जे में लेकर चारों आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, शहर में अवैध रूप से जुआ खेलने और खिलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। मामले में आरोपियों से पूछताछ कर जुए के आयोजन से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इडर में 8 वर्षीय बच्चे का अपहरण कर हत्या, पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। इडर तालुका के समलापुर गांव में 8 वर्षीय बच्चे के अपहरण के बाद हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही इडर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और कुछ ही घंटों में आरोपी सावनजी अलखाजी ठाकोर को गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, बच्चा खेल रहा था, तभी आरोपी कथित तौर पर उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। इसके बाद वह बच्चे को गांव से दूर एक सुनसान स्थान पर ले गया, जहां उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद आरोपी ने पहचान छिपाने और अपराध का सबूत मिटाने के लिए बच्चे के शव को समलापुर गांव के बाहरी इलाके में स्थित एक गहरे कुएं में फेंक दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की कई टीमें सक्रिय हो गईं। पुलिस ने मानवीय सूचना तंत्र और तकनीकी निगरानी के आधार पर संभावित स्थानों पर तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके आधार पर समलापुर गांव के बाहरी क्षेत्र में गौचर की झाड़ियों के पास घेराबंदी कर आरोपी सावनजी ठाकोर को पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण और हत्या सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बच्चे के शव की बरामदगी और घटना के पीछे की वास्तविक वजह का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर घटना से जुड़े सभी पहलुओं और संभावित कारणों की जानकारी जुटा रही है।

सुपर एक्सक्लूसिव

बड़े मगरमच्छों को बचाने के लिए छोटे कर्मचारियों की दी जा रही बलि...

IKDRC में 83 करोड़ के घोटाले के आरोपों पर किरण पारिख का पलटवार

कांग्रेस-भाजपा की कथित 'सांठगांठ' और PMO फंड में 40% कमीशन के गंभीर आरोपों से गुजरात के राजनीतिक और स्वास्थ्य हलकों में मचा हड़कंप

कैग रिपोर्ट के बाद निष्पक्ष जांच की मांग तेज...

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिसीज एंड रिसर्च सेंटर (IKDRC) यानी अहमदाबाद की प्रसिद्ध किडनी अस्पताल में कथित 83 करोड़ रुपये के डायलिसिस उपकरणों के घोटाले के आरोपों ने पूरे राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता पार्थिवराज सिंह द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के जवाब में किरण पारिख ने सामने आकर अपनी चुप्पी तोड़ी है और सभी आरोपों को पूरी तरह से मनगढ़ंत और बेबुनियाद करार दिया है।

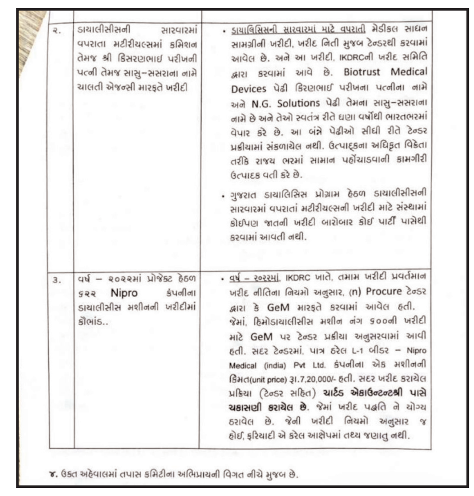

૨.	ડાયાલીસીસની સારવારમાં વપરાતા મટીરીયલ્સમાં કમિશન તેમજ શ્રી કિસરણભાઇ પરીખની પત્ની તેમજ સાસુ-સસરાના નામે ચાલતી એજન્સી મારફતે ખરીદી	• ડાયાલિસિસની સારવારમાં માટે વપરાતી મેડીકલ સાધન સામગ્રીની ખરીદી, ખરીદ નિતી મુજબ ટેન્ડરથી કરવામાં આવેલ છે. અને આ ખરીદી, IKDRCની ખરીદ સમિતિ દ્વારા કરવામાં આવે છે. Biotrust Medical Devices પેઢી કિરણભાઇ પરીખના પત્નીના નામે અને N.G. Solutions પેઢી તેમના સાસુ-સસરાના નામે છે અને તેઓ સ્વતંત્ર રીતે ઘણા વર્ષોથી ભારતભરમાં વેપાર કરે છે. આ બંન્ને પેઢીઓ સીધી રીતે ટેન્ડર પ્રક્રીયામાં સંકળાયેલ નથી. ઉત્પાદકના અધિકૃત વિક્રેતા તરીકે રાજ્ય ભરમાં સામાન પહોંચાડવાની કામગીરી ઉત્પાદક વતી કરે છે. • ગુજરાત ડાયાલિસિસ પ્રોગ્રામ હેઠળ ડાયાલીસીસની સારવારમાં વપરાતાં મટીરીયલ્સની ખરીદી માટે સંસ્થામાં કોઇપણ જાતની ખરીદી બારોબાર કોઇ પાર્ટી પાસેથી કરવામાં આવતી નથી.
૩.	વર્ષ - ૨૦૨૨માં પ્રોજેક્ટ હેઠળ ૬૨૨ Nipro કંપનીના ડાયાલીસીસ મશીનની ખરીદીમાં કૌભાંડ..	• વર્ષ - ૨૦૨૨માં, IKDRC ખાતે, તમામ ખરીદી પ્રવર્તમાન ખરીદ નીતિના નિયમો અનુસાર, (n) Procure ટેન્ડર દ્વારા કે GeM મારફતે કરવામાં આવેલ હતી. જેમાં, હિમોડાયાલીસીસ મશીન નંગ ૬૦૦ની ખરીદી માટે GeM પર ટેન્ડર પ્રક્રીયા અનુસરવામાં આવી હતી. સદર ટેન્ડરમાં, પાત્ર ઠરેલ L-1 બીડર - Nipro Medical (india) Pvt Ltd. કંપનીના એક મશીનની કિંમત(unit price) રૂ.7,20,000/- હતી. સદર ખરીદ કરાયેલ પ્રક્રિયા (ટેન્ડર સહિત) **ચાર્ટડ એકાઉન્ટન્ટશ્રી પાસે ચકાસણી કરાયેલ છે.** જેમાં ખરીદ પદ્ધતિ ને યોગ્ય ઠરાવેલ છે. જેની ખરીદી નિયમો અનુસાર જ હોઈ, ફરિયાદી એ કરેલ આક્ષેપમાં તથ્ય જણાતુ નથી.

૪. ઉક્ત અહેવાલમાં તપાસ કમિટીના અભિપ્રાયની વિગત નીચે મુજબ છે.

बायोट्रस्ट और पत्नी की कंपनी पर किरण पारिख की सफाई

अपने और अपने परिवार की कंपनी पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए किरण पारिख ने कहा, 'बायोट्रस्ट कंपनी साल 2013 से इस क्षेत्र में पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है। हमारी कंपनी हमेशा मेरिट (योग्यता) के आधार पर ही आगे आती है और कभी किसी डायरेक्ट टेंडर में हिस्सा नहीं लेती। टेंडर को मंजूरी देना टेंडर कमेटी का काम है, और मैं खुद इस कमेटी का सदस्य नहीं हूँ। आज तक बायोट्रस्ट या मुझे प्रबंधन की ओर से कोई भी कारण बताओ नोटिस, चेतावनी या आपत्ति पत्र नहीं मिला है।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरी पत्नी को पूरे देश में स्वतंत्र रूप से व्यापार करने का संवैधानिक अधिकार है। देशभर में 83 करोड़ रुपये के डायलिसिस उपकरणों की बिक्री नियमों और मेरिट के आधार पर ही की गई है। अतीत में भी ऐसी शिकायतें दर्ज कराई गई थीं, जिसके बाद IKDRC द्वारा सरकार को रिपोर्ट भेजी गई थी और स्वास्थ्य सचिव स्तर से मेरी पत्नी की कंपनी को पूरी तरह 'क्लीन चिट' दी जा चुकी है।'

राजनीतिक सांठगांठ और 40% कमीशन के आरोप से सनसनी

इस पूरे मामले में एक नया मोड़ लाते हुए किरण पारिख ने दावा किया, 'किडनी अस्पताल के असली घोटालों पर पर्दा डालने के लिए कांग्रेस और भाजपा की अंदरूनी 'सांठगांठ' हो चुकी है।' सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, अस्पताल में करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार फल-फूल रहा है। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री फंड से भी 40' तक का कमीशन लिए जाने के सनसनीखेज आरोप सामने आए हैं, जिससे गांधीनगर के प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भ्रष्टाचार मुक्त शासन के सपने को ऐसे भ्रष्ट अधिकारी धूमिल कर रहे हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या PMO (प्रधानमंत्री कार्यालय) इस पूरे प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष जांच के आदेश देगा? राज्य सरकार इस बहुचर्चित 83 करोड़ के मामले और गांधीनगर तक फैले भ्रष्टाचार के तारों पर क्या कदम उठाती है, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

मूल भ्रष्टाचार से ध्यान भटकाने की साजिश

किरण पारिख ने बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अस्पताल में चल रही अन्य अनियमितताओं और बड़े घोटालों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए छोटे और अनुबंध (कंट्रैक्ट) पर काम करने वाले कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाया जा रहा है। जिन कर्मचारियों के पास कोई प्रशासनिक अधिकार ही नहीं हैं, वे करोड़ों रुपये के डायलिसिस मशीन खरीदने का ऑर्डर कैसे दे सकते हैं? उन्होंने याद दिलाया कि अतीत में डायलिसिस सेंटर के लिए खरीदी गई मशीनों में हुई धांधली का खुलासा कैग की रिपोर्ट में भी हुआ था। वह खरीदारी तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य सचिव की मंजूरी से ही की गई थी। इसके बावजूद बड़े अधिकारियों को बचा लिया गया और बेकसूर छोटे कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया।

गुजरात में 'शराबबंदी' के नाम पर हफ्ता राज का खेल!

4 साल में 6 लट्ठाकांड, 'दादा-बेटे' की सरकार पर प्रशासनिक नाकामी के गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर। महात्मा गांधी के गुजरात में कागजों पर लागू शराबबंदी के गुलाबी दावों के पीछे अवैध, जहरीली और काली कमाई का खूनी कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। राज्य में पिछले 4 वर्षों के दौरान जहरीली शराब से हुई लट्ठाकांड (लिंचिंग) की 6 बड़ी घटनाओं ने राज्य के गृह विभाग और प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। गांधीनगर के वातानुकूलित कमरों से 'जीरो टॉलरेंस' के खोखले दावे करने वाली 'दादा-बेटे' (मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी) की सरकार पूरी तरह से बैकफुट पर नजर आ रही है। जमीनी हकीकत यह है कि अवैध शराब के अड्डों पर बुलडोजर चलाने और सख्त कार्रवाई के मुख्यमंत्री व गृह मंत्री के आदेश स्थानीय पुलिस थानों तक पहुंचते-पहुंचते दम तोड़ देते हैं।

खाकी और तस्करों की मिलीभगत से चल रहा 'हफ्ता राज'

राज्य के कोने-कोने में अवैध शराब के अड्डे और होम डिलीवरी का धंधा बिना किसी खौफ के चल रहा है। आरोप है कि यह पूरा नेटवर्क पुलिस तंत्र और शराब तस्करों की सांठगांठ से चलने वाले 'हफ्ता राज' का नतीजा है।

काले धन की गंगोत्री: सवाल उठ रहे हैं कि शराब के अड्डों से इकट्ठा होने वाली लाखों-करोड़ों रुपये की मासिक उगाही (हफ्ता) बीट जमादारों से लेकर किन बड़े अधिकारियों और राजनेताओं की जेब में जा रही है?

सिर्फ छोटे कर्मचारियों पर गाज: 4 साल में 6 बड़ी घटनाएं होने के बाद भी आज तक किसी बड़े IPS अधिकारी या जिला पुलिस प्रमुख (SP) पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई। हर बार केवल निचले स्तर के पुलिसकर्मियों को निलंबित कर मामले को दबाने का ड्रामा किया जाता है।

कानून का दोहरा रवैया: गुजरात में शराबबंदी कानून का डर सिर्फ आम और गरीब नागरिकों तक सीमित रह गया है, जबकि राजनीतिक संरक्षण प्राप्त तस्कर बेखौफ होकर अपना कारोबार चला रहे हैं।

प्रशासनिक नाकामी पर 4 कड़े कदम उठाने की मांग

राज्य की चरमराती कानून-व्यवस्था और जहरीली शराब से बार-बार बुझते घरों के चिरागों को देखते हुए सरकार व गृह विभाग से तुरंत निम्नलिखित दंडात्मक कार्रवाई की मांग की गई है:

1. भ्रष्ट अधिकारियों पर सीधी FIR सस्पेंशन का ड्रामा बंद कर जिस क्षेत्र में अवैध शराब के अड्डे पाए जाएं, वहां के लोकल PI, PSI और जिला LCB PI पर 'प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट' और क्रिमिनल नेग्लिजेंस के तहत सीधी FIR दर्ज कर जेल भेजा जाए।

2. **जिला पुलिस प्रमुख की जवाबदेही तय हो:** जिस जिले में लट्ठाकांड या शराब के अड्डे पकड़ में आएं, वहां के SP के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई कर उन्हें तत्काल प्रभाव से हटाया जाए।

3. **'पासा' और संपत्ति की जब्ती:** जहरीली शराब के धंधेबाजों और माफियाओं के खिलाफ PASA (Prevention of Anti-Social Activities Act) के तहत कार्रवाई कर उनकी अवैध संपत्तियों को कुर्क किया जाए।

4. **स्टेट मॉनिटरिंग सेल का राज्यव्यापी अभियान:** स्थानीय पुलिस की मिलीभगत को ध्वस्त करने के लिए स्स्ट को पूरी स्वतंत्रता देकर राज्यभर में अवैध शराब की भट्टियों को ध्वस्त करने का बुलडोजर अभियान चलाया जाए।

गुजरात की जनता यह सवाल उठा रही है कि यदि सरकार अपने नागरिकों को जहरीली शराब से होने वाली मौतों से नहीं बचा सकती और अपने भ्रष्ट अधिकारियों पर नकेल कसने में नाकाम है, तो उसे सत्ता में बने रहने का क्या नैतिक अधिकार है? सरकार को अब कागजी बयानबाजी छोड़कर जमीनी स्तर पर सख्त और ठोस नतीजे देने होंगे।

दांता में नई CDPO के बेहतर कामकाज के बीच आंगनवाड़ी डिस्ट्रीब्यूटर को बदलने की उठी मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दांता। दांता-हदद तालुका में नव नियुक्त बाल विकास परियोजना अधिकारी के प्रशासनिक सुधारों और बेहतर कार्यप्रणाली की स्थानीय लोगों ने सराहना की है। क्षेत्र में चर्चा है कि नई CDPO की सख्त निगरानी के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति नियमित हुई है और बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं तक पौष्टिक आहार व नाश्ता सुचारू रूप से पहुंच रहा है। प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार के बावजूद आंगनवाड़ी केंद्रों में खाद्य सामग्री के वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) को लेकर स्थानीय निवासियों में गहरा असंतोष है। ग्रामीणों का आरोप है कि डिस्ट्रीब्यूशन का कार्य एक बार फिर उसी ठेकेदार या व्यक्ति को सौंप दिया गया है, जो पूर्व में आंगनवाड़ी वितरण धांधली और विवादों में घिरा रहा है। स्थानीय लोगों ने शासन और संबंधित उच्च अधिकारियों से मांग की है कि विवादित डिस्ट्रीब्यूटर को आंगनवाड़ी वितरण प्रणाली के कार्य से तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। दांता-हदद तालुका में किसी योग्य और पारदर्शी व्यक्ति या एजेंसी को वितरण की जिम्मेदारी दी जाए। संपूर्ण मामले की निष्पक्ष जांच कराकर बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक पहुंचने वाले पौष्टिक आहार की वितरण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि यदि प्रशासन बच्चों के पोषण स्वास्थ्य को लेकर गंभीर है, तो उसे विवादित ठेकेदारों को हटाने के लिए तुरंत सख्त कदम उठाने चाहिए।

तत्काल टिकट के लिए 500 रुपये की रिश्वत लेते डीसा रेलवे स्टेशन का मुख्य बुकिंग लिपिक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डीसा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए डीसा रेलवे स्टेशन पर तैनात मुख्य बुकिंग लिपिक सुरेशकुमार रामूजी सोलंकी को 500 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने दिल्ली के लिए तत्काल टिकट आरक्षित कराने पहुंचे एक व्यक्ति से टिकट जारी करने के बदले कथित तौर पर 500 रुपये की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत देने से इनकार करने पर शिकायतकर्ता ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टोल फ्री हेल्पलाइन 1064 पर संपर्क कर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की पुष्टि के बाद ब्यूरो की टीम ने योजना बनाकर डीसा रेलवे स्टेशन पर जाल बिछाया। तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोपी को 500 रुपये दिए। इसी दौरान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने सुरेशकुमार सोलंकी को रिश्वत की रकम लेते हुए मौके पर पकड़ लिया। कार्रवाई अहमदाबाद पश्चिम क्षेत्र के अंतर्गत की गई। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ब्यूरो की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि कोई भी सरकारी कर्मचारी या अधिकारी किसी सरकारी काम के बदले रिश्वत की मांग करता है तो बिना डर के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टोल फ्री हेल्पलाइन 1064 पर शिकायत करें।

ईद-ए-मिलाद के जुलूस को गंदे सीवेज के पानी से गुजरना पड़ा

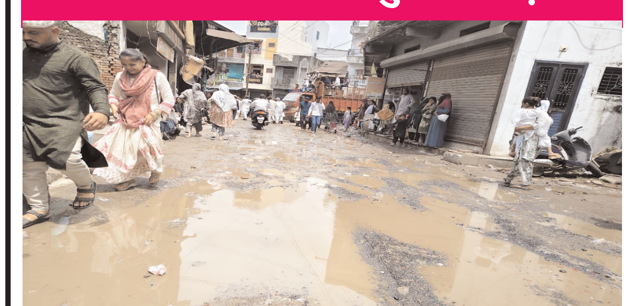

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। शहर के परबाड़ी इलाके में सीवेज के पानी के ओवरफ्लो होने की समस्या के चलते ईद-ए-मिलाद के अवसर पर निकाले गए जुलूस में शामिल लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जुलूस के मार्ग पर गंदा और बदबूदार पानी जमा होने के कारण लोगों को उसी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। त्योहार के दिन सामने आई इस स्थिति को लेकर स्थानीय निवासियों में नगर निकाय प्रशासन के प्रति नाराजगी देखने को मिली। स्थानीय लोगों का कहना है कि परबाड़ी क्षेत्र में सीवेज ओवरफ्लो की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। इस संबंध में नगर निकाय के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को कई बार जानकारी दिए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। लोगों के अनुसार, त्योहार से पहले सफाई और जल निकासी की व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारी की जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं होने से जुलूस के दौरान लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ा। निवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में सीवेज की समस्या को लेकर बार-बार शिकायतें किए जाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि जब नगर निकाय के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र की समस्या की जानकारी थी, तो त्योहार के दिन से पहले जल निकासी और सफाई की व्यवस्था क्यों नहीं सुधारी गई। इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों में प्रशासन के प्रति काफी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों के दौरान साफ-सफाई तथा बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। त्योहार के अवसर पर ही सड़क पर सीवेज का पानी जमा रहना व्यवस्था की गंभीर कमी को दर्शाता है। स्थानीय नागरिकों ने नगर निकाय में सत्ता परिवर्तन के बाद बुनियादी सुविधाओं में सुधार की उम्मीद जताई थी। उनका कहना है कि सफाई, सीवेज, सड़क और जल निकासी जैसी समस्याओं के स्थायी समाधान की अपेक्षा थी, लेकिन मौजूदा स्थिति ने उन उम्मीदों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ नागरिकों ने पिछली व्यवस्था से वर्तमान व्यवस्था की तुलना करते हुए कहा कि पहले त्योहारों और सार्वजनिक आयोजनों के दौरान सफाई व्यवस्था पर अधिक ध्यान दिया जाता था।

भरूच भाजपा की बहनों ने जिला अध्यक्ष प्रकाश मोदी को बांधा रक्षासूत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर भरूच जिला भाजपा अध्यक्ष प्रकाश मोदी के निवास पर भव्य रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला भाजपा संगठन और निर्वाचित प्रकोष्ठ से जुड़ी 80 से अधिक बहनों एवं महिला कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और प्रकाश मोदी को रक्षासूत्र बांधकर पर्व मनाया।कार्यक्रम में महिलाओं ने कुमकुम तिलक लगाकर आरती उतारी और मिठाई खिलाने के बाद राखी बांधी। उन्होंने प्रकाश मोदी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस दौरान संगठन की महिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एकता, संगठनात्मक भावना और पारिवारिक स्नेह का संदेश दिया। महिला कार्यकर्ताओं ने प्रकाश मोदी की पत्नी बीनाबेन को भी स्नेहपूर्वक राखी बांधी। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति और पारंपरिक रीति-रिवाजों की सुंदर झलक देखने को मिली। इस अवसर पर प्रकाश मोदी ने कहा कि भरूच जिला भाजपा परिवार की बहनों से मिला रक्षासूत्र उनके लिए बेहद अमूल्य है। उन्होंने बहनों के सम्मान और सुरक्षा के साथ जिले के जनकल्याण के कार्यों के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहने की बात कही और सभी बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में प्रकाश मोदी और बीनाबेन ने उपस्थित बहनों को यथाशक्ति उपहार भेंट किए और स्नेहपूर्वक भोजन कराया। पहली बार इस तरह भव्य रूप से आयोजित रक्षाबंधन समारोह संगठन के भाई-बहन के स्नेह और परिवारभाव की यादगार मिसाल बन गया।

सूरत के पास वंदे भारत ट्रेन पर पथराव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत के पास वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि जिस समय ट्रेन पर पत्थर फेंके गए, उस दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल भी ट्रेन में सफर कर रही थीं। घटना के बाद यात्रियों में भय का माहौल बन गया। पथराव के कारण ट्रेन के एक कोच की खिड़की के शीशे क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आई है। अचानक हुए हमले से ट्रेन में बैठे यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और संवेदनशील रेल मार्गों के आसपास निगरानी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस सक्रिय हो गई। ट्रैक के आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाकर पथराव करने वालों की पहचान और तलाश शुरू की गई। हालांकि, घटना के पीछे किसकी भूमिका थी और पथराव किस कारण किया गया, इसकी स्पष्ट जानकारी जांच पूरी होने के बाद सामने आएगी। वंदे भारत जैसी तेज गति की ट्रेन पर पथराव यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा माना जाता है। ऐसे में रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों से संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने तथा दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग उठ रही है।

गांधीनगर की हलचलः क्या कई मंत्रियों और विधायकों के कट सकते हैं टिकट?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजनीति में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर अंदरखाने चर्चाओं का दौर तेज होने की खबरें हैं। राजनीतिक गलियारों में 'चैतर वसावा फैक्टर' को लेकर भाजपा की रणनीति और आदिवासी क्षेत्रों में बदलते राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा हो रही है। हालांकि, टिकट में बदलाव या किसी विशेष नेता को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा सामने नहीं आई है। राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार, पार्टी आगामी चुनाव से पहले मौजूदा विधायकों और मंत्रियों के प्रदर्शन, क्षेत्र में पकड़, जनसंपर्क और चुनावी संभावनाओं का आकलन कर सकती है। कमजोर प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में नए और युवा चेहरों को मौका देने की संभावना को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी वजह से कई मौजूदा नेताओं के बीच टिकट को लेकर असमंजस की स्थिति बनने की चर्चा है। दक्षिण और मध्य गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में चैतर वसावा की सक्रियता और राजनीतिक प्रभाव को लेकर भी भाजपा के भीतर रणनीतिक मंथन की चर्चाएं हैं। नर्मदा, भरूच और आसपास के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में राजनीतिक समीकरणों को मजबूत करने के लिए पार्टी संगठनात्मक स्तर पर बदलाव कर सकती है, ऐसी अटकलें राजनीतिक गलियारों में चल रही हैं। चर्चा यह भी है कि आगामी चुनाव में पार्टी केवल वरिष्ठता के बजाय जीत की संभावना, स्थानीय स्वीकार्यता और जमीनी प्रदर्शन को टिकट का प्रमुख आधार बना सकती है। यदि ऐसा कोई बड़ा बदलाव होता है तो कुछ मौजूदा मंत्रियों और विधायकों के टिकट पर भी असर पड़ सकता है। फिलहाल इन चर्चाओं पर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में यह साफ नहीं है कि पार्टी वास्तव में कितने मौजूदा चेहरों को बदलने की तैयारी कर रही है। लेकिन गांधीनगर के राजनीतिक गलियारों में चल रही इन अटकलों ने गुजरात की सियासत में आने वाले दिनों को लेकर उत्सुकता जरूर बढ़ा दी है।

2019 में 13 रूपये किलो चीनी का दावा, आज कीमतों पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान स्मृति ईरानी के नाम से चीनी की कीमत ?13 प्रति किलो तक आने का बयान सोशल मीडिया और राजनीतिक चर्चाओं में एक बार फिर सामने आया है। इस पुराने दावे को लेकर अब महंगाई के मुद्दे पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, बयान के मूल संदर्भ और उस समय की परिस्थितियों को ध्यान में रखना भी जरूरी है। वर्तमान में चीनी की खुदरा कीमतें 13 रुपये प्रति किलो से काफी अधिक हैं। रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के बीच आम परिवारों के घरेलू बजट पर दबाव बढ़ने की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे में विपक्षी दल और सरकार के आलोचक पुराने चुनावी बयानों को आधार बनाकर महंगाई के मुद्दे पर सवाल उठा रहे हैं। महंगाई की बहस केवल चीनी तक सीमित नहीं है। खाद्य तेल, सब्जियों, रसोई गैस और अन्य घरेलू जरूरतों की कीमतों को लेकर भी उपभोक्ताओं की चिंताएं बनी हुई हैं। वहीं गन्ना किसानों के लिए उचित मूल्य, चीनी मिलों की लागत और बाजार में खुदरा कीमत के बीच संतुलन भी लंबे समय से चर्चा का विषय रहा है। अब राजनीतिक बहस का केंद्र यही है कि चुनाव के दौरान किए गए वादों और वर्षों बाद सामने आई आर्थिक वास्तविकता के बीच कितना अंतर है। जनता पुराने बयानों का हिसाब मांग रही है, जबकि राजनीतिक दल अपने-अपने आंकड़ों और दावों के साथ महंगाई को लेकर एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं।

जूनागढ़ की आश्रमशाला में 'भूतिया छात्रों' का बड़ा खेल? फर्जी दस्तावेजों से सरकारी अनुदान हड़पने के गंभीर आरोप

कागजों में सैकड़ों विद्यार्थी, हकीकत में संख्या पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

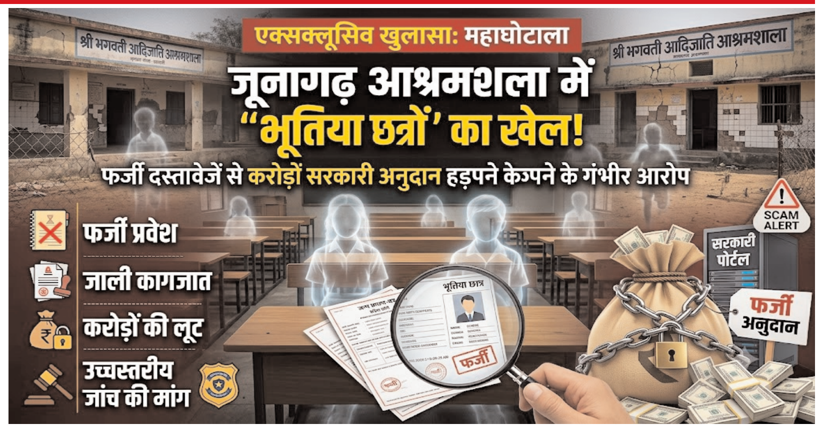

जूनागढ़। जिले के मेंदरडा तालुका के सूरजगढ़ गांव स्थित श्री भगवती आदिजाति आश्रमशाला को लेकर सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि विद्यालय के अभिलेखों और सरकारी पोर्टल पर विद्यार्थियों की संख्या वास्तविकता से कहीं अधिक दर्शाई जा रही है। यहां तक कि ऐसे विद्यार्थियों के नाम भी दर्ज होने का दावा किया जा रहा है, जिनके अस्तित्व पर ही सवाल है। मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग उठ रही है। आरोपों के मुताबिक, विद्यालय में फर्जी प्रवेश पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, जन्म एवं आयु संबंधी दस्तावेज और उपस्थिति अभिलेखों का इस्तेमाल कर विद्यार्थियों को कागजों पर नियमित रूप से अध्ययनरत दिखाया गया। आरोप यह भी है कि विद्यालय छोड़ चुके या कभी विद्यालय में पढ़े ही नहीं ऐसे बच्चों के नाम भी अभिलेखों में बनाए रखे गए। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं तो यह केवल वित्तीय अनियमितता नहीं, बल्कि सरकारी व्यवस्था और विद्यार्थियों के अधिकारों के साथ गंभीर धोखाधड़ी का मामला हो सकता है। सबसे बड़ा सवाल सरकारी अनुदान को लेकर है। आरोप है कि कागजों पर विद्यार्थियों की अधिक संख्या दिखाकर उनके भोजन, रखरखाव, पाठ्य सामग्री, वर्दी, स्वच्छता सामग्री और अन्य सुविधाओं के नाम पर मिलने वाले सरकारी धन का लाभ उठाया गया। विद्यालय प्रबंधन पर यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि वास्तविक विद्यार्थियों की संख्या और सरकारी अभिलेखों में दर्ज संख्या के बीच बड़ा अंतर है। मामले में विद्यालय प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों की भूमिका भी जांच के घेरे में आने की मांग की जा रही है। सवाल उठ रहा है कि यदि रिकॉर्ड में बड़ी संख्या में विद्यार्थी दर्ज हैं तो नियमित जांच और भौतिक सत्यापन के दौरान यह कथित अंतर सामने क्यों नहीं आया? संबंधित विभागों द्वारा विद्यालय का औचक निरीक्षण कर विद्यार्थियों की वास्तविक संख्या, प्रवेश अभिलेख, जन्म प्रमाण-पत्र, उपस्थिति पंजिका और अनुदान के खर्च का मिलान क्यों नहीं किया गया? इस पूरे मामले में संबंधित शिक्षा एवं आदिवासी विकास विभाग से भी जवाबदेही तय करने की मांग उठ रही है। हालांकि लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और जिम्मेदार लोगों की भूमिका जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। ऐसे में आवश्यक है कि निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कर विद्यालय के पिछले वर्षों के प्रवेश रिकॉर्ड, विद्यार्थियों की वास्तविक उपस्थिति, दस्तावेजों और सरकारी अनुदान का विशेष लेखा परीक्षण कराया जाए। जनता की मांग है कि यदि जांच में फर्जी विद्यार्थी, जाली दस्तावेज या सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित प्रबंधन, कर्मचारियों और दोषी अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए तथा सरकारी धन की वसूली की जाए। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि सूरजगढ़ की इस आश्रमशाला में दर्ज विद्यार्थी वास्तव में विद्यालय में पढ़ रहे हैं या फिर सरकारी कागजों में ही 'भूतिया विद्यार्थी' बनकर अनुदान का रास्ता खोल रहे हैं।

नाना चिलोडा में 'फर्जी महानगरपालिका' बनकर तीन दुकानें गिराने का आरोप

दुकानदारों में हड़कंप;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नाना चिलोडा इलाके में भारतीय पेट्रोल पंप के पास तीन व्यावसायिक दुकानों को बुलडोजर से गिराए जाने की घटना से हड़कंप मच गया। आरोप है कि कुछ लोग खुद को अहमदाबाद महानगरपालिका के अधिकारी-कर्मचारी बताकर मौके पर पहुंचे और बिना स्पष्ट प्रक्रिया के तीनों दुकानों को जमींदोज कर दिया। अचानक हुई कार्रवाई से दुकानदारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। घटना के बाद मामला तब और गंभीर हो गया, जब महानगरपालिका की ओर से जांच में कथित तौर पर स्पष्ट किया गया कि उसके किसी विभाग या अधिकारी ने नाना चिलोडा में ऐसी कोई तोड़फोड़ कार्रवाई नहीं की। महानगरपालिका के इस रुख के बाद सवाल खड़ा हो गया कि आखिर किन लोगों ने सरकारी अधिकारियों का रूप धारण कर दुकानों पर बुलडोजर चलाया। दुकानदारों का आरोप है कि पूरी कार्रवाई सुनियोजित तरीके से की गई और इसके पीछे जमीन से जुड़े विवाद या कथित भू-माफिया की भूमिका हो सकती है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। घटना ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि इतनी बड़ी कार्रवाई दिनदहाड़े कैसे हुई और स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिली। अब पुलिस से मांग की जा रही है कि मौके पर मौजूद लोगों की पहचान, बुलडोजर के इस्तेमाल, कथित फर्जी पहचान और दुकानों को गिराने के पीछे के कारणों की गहन जांच की जाए। साथ ही दुकानदारों को हुए आर्थिक नुकसान और उनकी संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच हो। तीन दुकानों को गिराने की इस घटना ने अहमदाबाद में सरकारी विभागों के नाम के कथित दुरुपयोग और निजी विवादों में बलपूर्वक कार्रवाई को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। अब निगाहें पुलिस जांच पर हैं कि इस कार्रवाई के पीछे कौन लोग थे और उन्होंने किसके कहने पर महानगरपालिका के नाम का इस्तेमाल किया।

छोटा उदेपुर नगर पालिका चुनाव में नाम को लेकर विवाद, उम्मीदवार का फॉर्म मंजूर होने पर उठे सवाल

राज्य चुनाव आयोग ने कलेक्टर से मांगी रिपोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर। नगर पालिका अध्यक्ष और सदस्यों की सदस्यता रद्द किए जाने के बाद छोटा उदेपुर की राजनीति में एक नया विवाद सामने आया है। नगर पालिका चुनाव के दौरान वार्ड नंबर 7 से एक उम्मीदवार के नाम को लेकर चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। शिकायत में आरोप है कि संपत्ति के सात-बारा अभिलेख में उम्मीदवार का नाम 'कोली मांगीबेन जंगलियाभाई' दर्ज है, जबकि नामांकन फॉर्म 'बरिया मीनाबेन भूपतभाई' के नाम से भरा गया था।शिकायतकर्ता नीरूबेन राठवा की ओर से राज्य चुनाव आयोग के समक्ष यह मामला उठाया गया। शिकायत के अनुसार, 16 फरवरी 2025 को हुए नगर पालिका चुनाव में नाम संबंधी कथित अंतर के बावजूद उम्मीदवार का नामांकन फॉर्म स्वीकार कर लिया गया। अब सवाल उठ रहा है कि नामांकन की जांच के दौरान संबंधित निर्वाचन अधिकारी ने दस्तावेजों में मौजूद इस कथित अंतर पर ध्यान क्यों नहीं दिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य चुनाव आयोग ने छोटा उदेपुर के जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर को पत्र भेजकर पूरे मामले में स्पष्टीकरण मांगा है। आयोग की ओर से यह भी कहा गया है कि यदि नामांकन पत्र नियमों के विपरीत तरीके से स्वीकार किया गया था तो नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाए। अब प्रशासन की रिपोर्ट के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि दस्तावेजों में नाम का अंतर किस कारण था। क्या नाम परिवर्तन से संबंधित कोई राजपत्र अधिसूचना जारी हुई थी या नाम में बदलाव का कोई वैध दस्तावेज मौजूद था, इसकी भी जांच होगी। जाति प्रमाण-पत्र से जुड़े विवाद के बाद अब नामांकन प्रक्रिया पर उठे सवालों ने छोटा उदेपुर की राजनीति को और गरमा दिया है। फिलहाल सभी की नजर कलेक्टर की रिपोर्ट और राज्य चुनाव आयोग के अगले कदम पर है।

नागदा में गूंज रहा नवकार महामंत्र, चौथी नवकार कलश यात्रा श्रद्धा के साथ निकली

36 दिवसीय धार्मिक आयोजन में सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना; साध्वी मंडल के सान्निध्य में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लिया धर्मलाभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। शहर में 23 अगस्त से नवकार महामंत्र की आराधना का पावन आयोजन जारी है। साध्वी श्री अईमव्रता श्रीजी आदि ठाणा-4 के पावन सान्निध्य और श्रीसंघ की उपस्थिति में साध्वी श्री गुरुमया सागरानंद सूरिजी समुदायवर्ती परम पूज्य साध्वी श्री चिद्व्रता श्रीजी को समर्पित 36 दिवसीय नवकार कलश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार, 26 अगस्त को नवकार कलश यात्रा की चौथी यात्रा श्रद्धा और भक्ति के साथ निकाली गई। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने सहभागिता की और नवकार महामंत्र का जाप कर धर्मलाभ प्राप्त किया। साध्वी मंडल के पावन सान्निध्य में पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। मीडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा ने बताया कि 36 दिवसीय यात्रा के दौरान प्रतिदिन नवकार महामंत्र से अभिमंत्रित कलश को अलग-अलग लाभार्थी परिवारों के निवास पर ले जाया जाएगा। वहां नवकार महामंत्र का जाप और आराधना की जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य नगर में सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना के साथ श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक साधना से जोड़ना है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को साध्वी भगवंतों की पगलियों का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। आयोजन के लाभार्थी अभय, रचना, विभोर, शेफाली, युवीष एवं सम्भव तथा चोपड़ा परिवार, 88 मनोहर वाटिका, नागदा जंक्शन हैं। आयोजक श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ एवं चातुर्मास समिति ने श्रद्धालुओं से आगामी नवकार कलश यात्राओं और नवकार महामंत्र जाप में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का अनुरोध किया है।

एक पेटी शराब छोड़ने के बदले 3.50 लाख रुपये मांगने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नरोदा पुलिस थाने में तैनात कांस्टेबल जनक देसाई पर एक पेटी शराब छोड़ने के बदले 3.50 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप सामने आया है। आरोप है कि करीब 6 हजार रुपये मूल्य की शराब की पेटी जब्त किए जाने के बाद उसे छोड़ने के लिए कांस्टेबल ने कथित तौर पर बड़ी रकम की मांग की। मामले से जुड़ी एक कथित बातचीत की ध्वनि रिकॉर्डिंग भी सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने की बात सामने आई है। घटना के बाद पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली और शराबबंदी कानून के क्रियान्वयन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि 6 हजार रुपये के कथित शराब के माल को छोड़ने के लिए इतनी बड़ी रकम मांगी गई, तो यह गंभीर जांच का विषय है। हालांकि, कथित ध्वनि रिकॉर्डिंग और रिश्वत मांगने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी है और वरिष्ठ अधिकारियों से निष्पक्ष जांच तथा दोष सिद्ध होने पर कड़ी कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई की मांग की जा रही है। अब निगाहें अहमदाबाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों पर हैं कि वे मामले की जांच किस स्तर पर करते हैं और आरोप सही पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

आकर्षक तस्वीरों से फंसाकर क्यूआर कोड से कर रहे भुगतान की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सामाजिक माध्यमों पर आकर्षक तस्वीरों और 'रेंट ए बॉयफ्रेंड' जैसी सेवाओं के नाम पर लोगों को फंसाकर साइबर ठगी करने का नया तरीका सामने आया है। साइबर ठग कथित तौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार तस्वीरों या फर्जी प्रोफाइल का इस्तेमाल कर युवतियों, विधवाओं और अकेले रहने वाली महिलाओं को निशाना बना रहे हैं। इसके बाद पंजीकरण, सत्यापन, सुरक्षा राशि और सदस्यता शुल्क के नाम पर उनसे ऑनलाइन भुगतान कराया जाता है। ठगी का तरीका बेहद सुनियोजित बताया जा रहा है। पीड़ित द्वारा संपर्क करने के बाद ठग पहले कम राशि की मांग करते हैं और भुगतान के लिए क्यूआर कोड भेजते हैं। राशि भेजने के बाद सुरक्षा शुल्क, सत्यापन शुल्क या अन्य कारण बताकर लगातार अतिरिक्त पैसे मांगे जाते हैं। कई मामलों में पैसे देने से इनकार करने पर कथित ठग निजी बातचीत, तस्वीरों, कॉल रिकॉर्डिंग या भुगतान से जुड़े विवरण का इस्तेमाल कर बदनाम करने की धमकी देते हैं। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, सामाजिक माध्यमों पर दिखने वाली आकर्षक तस्वीरों और अनजान सेवाओं पर बिना जांच भरोसा नहीं करना चाहिए। किसी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए क्यूआर कोड को स्कैन कर भुगतान करने से बचें और अपनी निजी जानकारी, तस्वीरें, बैंक संबंधी विवरण या गोपनीय जानकारी साझा न करें। यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी या ऑनलाइन ब्लैकमेल का शिकार होता है तो घबराने के बजाय तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करनी चाहिए। समय पर शिकायत करने से धन की रोकथाम और जांच में मदद मिल सकती है।

मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस का विशेष प्रशिक्षण, 300 पुलिसकर्मियों ने लिया हिस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर को नशामुक्त बनाने और मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए अहमदाबाद पुलिस की ओर से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत की मौजूदगी में हुए कार्यक्रम में शहर के विभिन्न थानों से करीब 300 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में कानूनी कार्रवाई, छापेमारी की प्रक्रिया, सबूत जुटाने और उन्हें अदालत में प्रभावी तरीके से पेश करने की जानकारी दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों ने कानूनी प्रावधानों और कार्रवाई के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर भी मार्गदर्शन दिया। पुलिस आयुक्त ने नशे के कारोबार के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने और तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर जोर दिया। अधिकारियों का मानना है कि इस प्रशिक्षण से मादक पदार्थ विरोधी पुलिस टीमों की कार्यक्षमता बढ़ेगी और नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई और प्रभावी होगी।

5 सितंबर को देशव्यापी युवा महामोर्चे का ऐलान, सरकार से वादे पूरे करने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी में युवा संगठनों और छात्र समूहों ने 5 सितंबर 2026 को देशव्यापी शांतिपूर्ण विरोध मार्च और महामोर्चा निकालने का ऐलान किया है। संगठन के नेताओं का आरोप है कि 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों और उनकी रोजगार, शिक्षा तथा भविष्य से जुड़ी मांगों पर सरकार ने अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं की है। आंदोलन में देशभर से बड़ी संख्या में छात्र और युवा शामिल होने की बात कही गई है। आयोजकों ने इसे शांतिपूर्ण रखने का दावा करते हुए सरकार से युवाओं की मांगों पर जल्द निर्णय लेने की अपील की है। प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर राजधानी में राजनीतिक हलचल बढ़ने की संभावना है। अब सरकार की ओर से इन मांगों पर क्या कदम उठाया जाता है, इस पर सभी की नजर है।

शिक्षित राष्ट्र के बिना विश्व गुरु की अवधारणा बेमानी

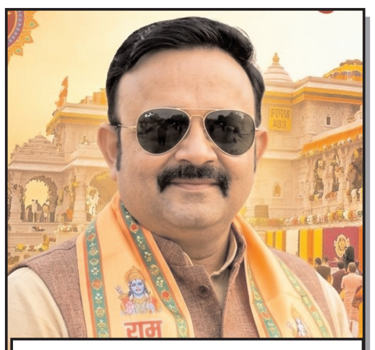

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

देश में बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा,शिक्षण संस्थाओं की कमी व दुर्दशा तथा परीक्षा व्यवस्था में होने वाली धांधलियों व पेपर लीक जैसे मुद्दों ने देश के युवाओं को आंदोलन करने पर मजबूर कर दिया है। इससे घबराई सरकार कहीं स्कूल की वीडिओ ग्राफी करने पर रोक लगा रही है तो कहीं शिक्षण संस्थाओं की हक़ीकत को उजागर करने वालों पर सत्ता समर्थित गुंडों द्वारा हमला किया जा रहा है। और कहीं सोशल मीडिया पर सरकारी स्कूल की अव्यवस्थाएं दिखाने पर लोगों को जेल भेजा जा रहा है। परन्तु इस बीच कुछ जगहों से सकारात्मक खबरें भी आनी शुरू हुई हैं।

हमारे देश में पिछले एक दशक से भारत को विश्वगुरु बनाने का ढोल पीटा जा रहा है। इसी विमर्श के समानांतर इस समय देश में शिक्षा को लेकर भी बड़ी बहस छिड़ी हुई है। अतः इसी सन्दर्भ में यह सवाल भी जरूरी हो गया है कि क्या शिक्षा के बिना या शिक्षित हुये बिना भी भारत विश्वगुरु बन सकता है ? नीति आयोग और शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि पिछले एक दशक में देशभर में लगभग 94,000 सरकारी स्कूल या तो पूरी तरह बंद किये जा चुके हैं या उनका अन्य स्कूलों में विलय कर दिया गया है। यूडीआईएसई अर्थात यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफोर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन के हालिया आंकड़े व नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, एक साल के भीतर देश भर में 4,791 स्कूल बंद हुए हैं। इसकी वजह से शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी निजी स्कूलों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। परिणामस्वरूप शिक्षा गरीबों की पहुँच से दूर हो चुकी है। और जो स्कूल चल भी रहे हैं उनमें से अधिकांश की हालत किसी से छुपी नहीं है। यहाँ अक्टूबर 2022 की गुजरात की उस घटना का जिक्र भी प्रासंगिक है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीनगर के अडालज में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस के शुभारंभ के दौरान अस्थाई रूप से बनाये गये एक मॉडल क्लासरूम में बच्चों के साथ बैठे नजर आये थे। सरकार के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य गुजरात के सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब और डिजिटल बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना बताया गया था। उस समय विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि प्रधानमंत्री जिस क्लासरूम में बैठे थे, वह एक अस्थायी या कृत्रिम क्लासरूम था। संबंधित तस्वीरों का हवाला देते हुए दीवारों और खिड़कियों के पेंटिंग के स्टिकर होने का दावा किया गया था और इसे फोटो शूट करार दिया था। परन्तु अधिकारियों ने इसके जवाब में यह कहा था कि यह आगामी डिजिटल स्मार्ट स्कूलों का एक मॉडल प्रस्तुतीकरण था जो यह प्रदर्शित करने के लिए था कि भविष्य के क्लास रूम कैसे नजर आयेंगे। तो सवाल यह है कि गत चार वर्षों में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत अब तक उन मॉडल क्लासरूम की तरह देश में कितने आधुनिक क्लासरूम व आधुनिक स्कूल बनाये गये?

दूसरी ओर इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार के दौरान अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने 25 फरवरी 2020 को नई दिल्ली के मोतीबाग स्थित सर्वोदय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया था। दिल्ली के सरकारी स्कूलों और यहाँ की शिक्षा व्यवस्था को देखने के लिए कई अन्य विदेशी मेहमान और प्रतिनिधिमंडल भी आ चुके हैं। समय-समय पर विभिन्न देशों के शिक्षाविद, राजनयिक और प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के सरकारी स्कूलों की बुनियादी संरचना, कक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण करने दिल्ली आते रहे हैं। क्या इसी तरह के आधुनिक सरकारी स्कूल पूरे देश में संचालित नहीं हो सकते? क्या वजह है कि देश के अधिकांश राज्यों में अनेकानेक सरकारी स्कूल भवन जर्जर हैं ? कहीं स्कूल में भैंसों के तबेले हैं तो कहीं पेड़ के नीचे व खुले आसमान तले क्लास लगाई जा रही है। कहीं क्लासरूम नहीं। कहीं अध्यापक नहीं तो कहीं बिजली व पीने का पानी नहीं तो कहीं शौचालय नहीं। कहीं बच्चे रोज नदी पार कर स्कूल आते जाते हैं तो कहीं कीचड़ और दलदल भरी गड्ढेदार सड़कों से गुजर कर स्कूल आना जाना होता है। यदि देश की सरकारें शिक्षा के प्रति गंभीर होतीं और उनका भारत को विश्वगुरु बनाने का ढिंढोरा महज ढोल पीटना न होता तो आज सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले को महाराष्ट्र में शिक्षा पर घटते बजट और सरकारी मराठी माध्यम के स्कूलों के बंद होने पर गहरी चिंता जताते हुये यह न कहना पड़ता कि नासिक कुंभ मेले के लिए लगभग रू.32,000 करोड़ का भारी-भरकम बजट तय किया गया है। अगर इस राशि का मात्र 0.1% यानी लगभग रू.32 करोड़ भी शिक्षा पर खर्च किया जाता, तो राज्य के 100 से 125 बंद हो रहे मराठी स्कूलों को बचाया जा सकता था। आखिर जस्टिस प्रसन्ना को क्यों कहना पड़ा कि देश में छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन शिक्षा का बजट बढ़ने के बजाय घट रहा है, जो पिछले कई वर्षों से 13% के आंकड़े को भी नहीं छू सका है । उन्होंने गढ़चिरौली की एक घटना का उदाहरण भी दिया जहां जरूरी सुविधाओं की कमी के कारण फर्श पर सोने की वजह से तीन छात्राओं की सांप के काटने से मौत हो गई थी। जस्टिस प्रसन्ना ने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं 10वीं कक्षा तक की पढ़ाई जिला परिषद के मराठी मीडियम स्कूल से की थी, जिसने उनके करियर में कभी बाधा नहीं डाली बल्कि उनके दृष्टिकोण को और व्यापक बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि प्राथमिक शिक्षा और स्वास्थ्य हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है।

देश में बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा,शिक्षण संस्थाओं की कमी व दुर्दशा तथा परीक्षा व्यवस्था में होने वाली धांधलियों व पेपर लीक जैसे मुद्दों ने देश के युवाओं को आंदोलन करने पर मजबूर कर दिया है। इससे घबराई सरकार कहीं स्कूल की वीडिओ ग्राफी करने पर रोक लगा रही है तो कहीं शिक्षण संस्थाओं की हक़ीकत को उजागर करने वालों पर सत्ता समर्थित गुंडों द्वारा हमला किया जा रहा है। और कहीं सोशल मीडिया पर सरकारी स्कूल की अव्यवस्थाएं दिखाने पर लोगों को जेल भेजा जा रहा है। परन्तु इस बीच कुछ जगहों से सकारात्मक खबरें भी आनी शुरू हुई हैं। जैसेकि राजस्थान के रामपुरा के उस स्कूल का नवनिर्माण करने का फैसला किया गया है जहाँ कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकताओं के साथ सत्ता के समर्थक गुंडों ने मारपीट की थी। यह स्कूल भैंसों के तबेले में चल रहा था। स्कूल की इमारत जर्जर होने के कारण एक स्थानीय ग्रामीण ने अपनी निजी जगह दी हुई है, इसी जगह भैंसों का चारा भी रखा जाता है और बच्चे भी पढ़ते हैं। पंजाब से भी खबर है कि सरकार ने स्कूलों के अनेक नए भवन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन ग्रीनफील्ड भवनों का निर्माण मौजूदा जमीनों से परे अन्य खाली जमीनों पर नए सिरे से किया जाएगा। हरियाणा में भी शिक्षा मंत्री द्वारा सरकारी स्कूल्स का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लेने व विद्यार्थियों से संवाद करने की खबर है। Gen Z और युवा पीढ़ी के आंदोलन से ही सही परन्तु शायद अब सत्ताधीशों को यह बात समझ आने लगी है कि शिक्षित राष्ट्र के बिना विश्व गुरु की अवधारणा पूरी तरह बेमानी है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

ज़हर बांटते उद्योग

कुछ उद्यमी मुनाफे की अंधी हवस में इतने स्वार्थी हो जाते हैं कि औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले कचरे को साफ किए बिना ही जलधाराओं में बहा देते हैं। जबकि उनकी नैतिक व कानूनी जिम्मेदारी बनती है कि उनकी फैक्ट्रियों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ पर्यावरण व नदी-नालों को प्रदूषित न करें। हिमाचल प्रदेश स्थित बद्दी-नालागढ़ इलाके में कई औद्योगिक इकाइयां नदियों में जहरीले रसायन लगातार बहाती रही हैं। यह प्रदूषणकारक कचरा सिरसा नदी में बहा दिया जाता है, जो कालांतर सतलुज नदी में चला जाता है। यही वजह है कि आज सतलुज का प्रदूषित पानी जो चेतावनी दे रहा है उसे पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सरकारें भी नजरअंदाज नहीं कर सकती हैं। इसी आने वाले संकट के मद्देनजर ही बद्दी-नालागढ़ इलाके की अज्ञात औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जो मामले की गंभीरता को ही दर्शाता है। निस्संदेह, यह संकट कोई नई समस्या नहीं हैं। जो हमारे पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नियम व कानूनों को लागू करने में तंत्र की बार-बार होने वाली विफलता को ही दशार्ता है। बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र से होने वाले औद्योगिक प्रदूषण के प्रामाणिक रिकॉर्ड कई सालों से मौजूद हैं। दरअसल, यह जहरीला कचरा इस औद्योगिक क्षेत्र से गुजरने वाली सिरसा नदी में डाल दिया जाता है। सिरसा नदी इन प्रदूषक तत्वों को आगे की ओर बहा ले जाती है। कालांतर यह सतलुज नदी में जाकर मिल जाता है। इस बाबत कई बार जांच भी की गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की कार्यवाही में बिना ट्रीट किए गए रसायनयुक्त कचरे व ठीक से ट्रीट न किए गए कचरे के बारे में उल्लेख किया गया है। ट्रिब्यूनल ने नियमों का पालन न करने वाली इकाइयों तथा ट्रीटमेंट सिस्टम की खामियों की ओर इशारा किया है। दरअसल, फार्मास्युटिकल प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि पारंपरिक ढंग से ट्रीटमेंट करने वाले सिस्टम से सक्रिय फार्मास्युटिकल तत्व और एंटीबॉयोटिक के अवशेष पूरी तरह से नहीं हट पाते हैं। दरअसल, हाल के प्रकरण से एक और परेशान करने वाली विरोधीभासी बात सामने आई है। इस बाबत सूचना मिली थी कि रोपड़ हेडवर्क्स पर भारी मात्रा में जमा कचरे को नदी के बहाव की दिशा में बेफिक्री से छोड़ दिया गया। निस्संदेह, यदि यह कचरा नुकसानदायक था, तो इसे नदी में छोड़ने से समस्या महज एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित ही हुई है। कायदे से हेडवर्क्स में जमा कचरे की वैज्ञानिक तौर-तरीकों से निगरानी की जानी चाहिए थी। सही मायने में प्रदूषणकारक कचरे को ठिकाने लगाने से पहले उसके सैंपल लेकर उसकी जांच-पड़ताल की जानी जरूरी थी। निश्चित रूप से यह संकट बड़ा है और तत्काल इसका समाधान किया जाना चाहिए था। वास्तव में इस मामले को हिमाचल बनाम पंजाब के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खेल नहीं बनने दिया जाना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि दोनों सरकारें मिलकर प्रदूषण फैलाने वाले कचरे का वास्तविक स्रोत तलाशें क्योंकि अभी तक कचरे के असली स्रोत का पता नहीं चल सका है।

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

श्रीमद्भगवद्गीता श्रृंखलाः अध्याय-11 (विश्वरूप दर्शन योग)

'मैं काल हूँ!'—जब कृष्ण के विश्वरूप ने अर्जुन के अहंकार को तोड़ दिया!

जब कृष्ण केवल सारथि नहीं रहे, बल्कि सम्पूर्ण ब्रह्मांड बनकर खड़े हो गएः अहंकार के विसर्जन से दिव्य समर्पण तक की यात्रा। 'जिसे हम जीवन का अंत या सबसे बड़ी विपत्ति मान लेते हैं, वह अक्सर ईश्वर की इस विराट व्यवस्था में केवल एक छोटा-सा परिवर्तन होता है।' अध्याय 10 (विभूति योग) में हमने समझा कि इस सृष्टि में जो कुछ भी श्रेष्ठ, शक्तिशाली, सुंदर और अद्भुत है—चाहे वह विज्ञान हो, कला हो या प्रकृति की अथाह ऊर्जा—उन सब में परमात्मा की ही एक दिव्य विभूति विद्यमान है। अर्जुन यह सब सुनता है, बुद्धि से समझता भी है... लेकिन अब उसके अंतर्मन में एक ऐसी तीव्र जिज्ञासा जन्म लेती है, जो पूरी गीता का सबसे बड़ा निर्णायक मोड़ बन जाती है। अर्जुन कहता है– 'हे कृष्ण! आप जिस विराट सत्य की बात कर रहे हैं, उसे मैं केवल शब्दों से सुनना नहीं चाहता... मुझे उसकी प्रत्यक्ष अनुभूति करनी है। यदि आप मुझे इसके योग्य समझते हैं, तो कृपया मुझे अपना वह ईश्वरीय ब्रह्मांडीय रूप दिखाइए!' और यहीं से आरंभ होता है गीता का सबसे रोमांचक, गहन और विस्मित कर देने वाला अध्याय– 'विश्वरूप दर्शन योग '। साधारण आँखों से विश्वरूप क्यों नहीं दिखता? जब कृष्ण अपना विराट रूप प्रकट करने के लिए तैयार होते हैं, तब वे अर्जुन को एक गूढ़ वास्तविकता समझाते हैंः 'अर्जुन! तुम्हारी इन दोनों भौतिक आँखों की एक निश्चित सीमा है। इनसे तुम मुझे नहीं देख सकते। इसलिए मैं तुम्हें 'दिव्य चक्षु' प्रदान करता हूँ।' जैसे किसी वैज्ञानिक को अतिसूक्ष्म संरचना देखने के लिए विशेष माइक्रोस्कोप और दूर की आकाशगंगाओं को देखने के लिए शक्तिशाली टेलीस्कोप की आवश्यकता होती है—जो सामान्य नग्न आँखों से संभव नहीं—वैसे ही परम सत्य को समझने के लिए दृष्टि नहीं, बल्कि आंतरिक दृष्टिकोण बदलना पड़ता हैः साधारण आँख कहेः 'यह व्यक्ति बहुत सफल है।' – दिव्य दृष्टि देखेः 'इस सफलता के पीछे कितने वर्षों की अटूट साधना और त्याग छुपा है?' साधारण आँख कहेः 'यह व्यक्ति हार गया।' – दिव्य दृष्टि समझेः 'यह पराजय उसे कौन-सी नई क्षमता और गहराई सिखाने आई है?' साधारण आँख पूछेः 'मेरे साथ ही ऐसा क्यों हुआ?' – दिव्य दृष्टि खोजेः 'इस परिस्थिति से मुझे क्या सबक लेना है?' ब्रह्मांडीय विस्फोटः सहस्र सूर्यों का एकसाथ उदय! संजय धृतराष्ट्र को इस अद्भुत दृश्य का वर्णन करते हुए कहते हैं. (यदि आकाश में एक साथ सहस्रों सूर्य उदित हो जाएँ, तो भी उनका सम्मिलित तेज उस परमात्मा के विराट स्वरूप के प्रकाश की बराबरी नहीं कर सकता!) अर्जुन देखता है कि एक ही दिव्य विग्रह में सम्पूर्ण मल्टीवर्स समाया हुआ है। अनंत आकाशगंगाएँ, अगणित सूर्य, काल के चक्र, जन्म और मृत्यु की निरंतर गति—सब कुछ एक साथ स्पंदित हो रहा है। जिस कृष्ण को वह अब तक केवल एक सारथि, मित्र या मार्गदर्शक मान रहा था, उसे बोध हुआ कि जिसके साथ वह उठता-बैठता और बातें करता था, वह तो पूरे ब्रह्मांड का मूल आधार और सर्वोच्च संचालक है!

महाकाल का सत्यः 'मैं काल हूँ, तुम केवल निमित्त बनो! '

विराट दर्शन में केवल असीम सौंदर्य ही नहीं, बल्कि समय का संहारक रूप भी प्रकट होता है। अर्जुन देखता है कि समय की अनंत धारा में बड़े-बड़े महारथी, पराक्रमी योद्धा और साम्राज्य काल के मुख में समाते जा रहे हैं। अर्जुन भयभीत होकर कांपते हुए पूछता हैः 'हे प्रभु! यह उग्र रूप धारण करने वाले आप कौन हैं?' तब श्रीकृष्ण गीता का सबसे प्रभावी संदेश देते हैंः (मैं सम्पूर्ण लोकों का विनाश करने वाला महाकाल हूँ। समय कभी किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। यह नीति-विरोधी तो समय के चक्र में पहले ही परास्त हो चुके हैं; तुम तो केवल निमित्त (माध्यम) मात्र बनो!) हम अक्सर कहते हैंः 'कल करूँगा, बाद में क्षमा माँगूँगा, बाद में परिवार को समय दूँगा, बाद में मेहनत करूँगा...' लेकिन समय कभी 'बाद में' के लिए नहीं रुकता। 'जो व्यक्ति समय को साधारण मानता है, समय एक दिन उसे साधारण बनाकर छोड़ देता है; समय को हराने का कोई उपाय नहीं है, उसका सदुपयोग करना ही एकमात्र मार्ग है। 'ग प्रबंधन और नेतृत्व मेंः जब किसी संस्था का प्रमुख यह मान लेता है कि 'यह पूरी व्यवस्था केवल मेरे दम पर चल रही है,' तो वहीं से उसके पतन की नींव पड़ जाती है। श्रेष्ठ नेतृत्वकर्ता वह है जो स्वयं को मात्र एक 'संचालक माध्यम' मानकर अहंकारमुक्त भाव से कार्य करता है। कला और सृजन मेंः जब कोई लेखक या कलाकार यह सोचता है कि 'यह रचना मैंने बनाई है,' तो उसकी कला सीमित हो जाती है; लेकिन जब वह मानता है कि 'मैं तो केवल बाँसुरी हूँ और सुर परमात्मा छेड़ रहे हैं,' तब उसका सृजन कालजयी बन जाता है। कर्मक्षेत्र और लक्ष्य मेंः परिणाम की चिंता किए बिना अपना 100' प्रयास देना। सफलता मिले तो अहंकार नहीं बल्कि कृतज्ञता, और असफलता मिले तो निराशा नहीं बल्कि पुनः सीखने का संकल्प। 'विजय आपको केवल मंच तक ले जा सकती है, किंतु विनम्रता ही आपको लोगों के हृदय में स्थायी स्थान दिलाती है।' हम एक पन्ना देखकर पूरी ज़िंदगी का फैसला कर लेते हैं! अर्जुन जैसा महान धनुर्धर भी विराट रूप देखकर कांप उठा, क्योंकि पहली बार उसे अपने लघु स्वरूप का भान हुआ। जीवन में जब कोई बड़ी बाधा आती है, परीक्षा में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलता या कोई योजना विफल हो जाती है, तो हम तुरंत सोच लेते हैंः 'मेरा जीवन समाप्त हो गया।' विश्वरूप दर्शन सिखाता है—आप केवल एक पन्ना देख रहे हैं, जबकि ईश्वर पूरी पुस्तक देख रहे हैं। एक अकेली घटना कभी पूरा जीवन नहीं हो सकती। अर्जुन की विनम्रता और विराट दर्शन की कुंजी विराट दर्शन के उपरांत अर्जुन हाथ जोड़कर साष्टांग नमन करता है और क्षमा याचना करता है 'हे कृष्ण! मैंने आपको साधारण सखा मानकर प्रेम में या अनजाने में जो कुछ भी कह दिया हो, उसके लिए मुझे क्षमा करें। आप ही समस्त चराचर जगत के परम पिता और गुरु हैं।' अध्याय के अंत में श्रीकृष्ण स्पष्ट करते हैं कि यह विराट सत्य केवल बड़े-बड़े बौद्धिक वाद-विवादों या औपचारिक धार्मिक अनुष्ठानों से प्राप्त नहीं होताःभक्त्या त्वनन्यया शक्य अहमेवंविधोऽर्जुन। ज्ञातुं द्रष्टुं च तत्त्वेन प्रवेष्टुं च परन्तप॥ (हे अर्जुन! केवल अहंकाररहित, निष्कपट और अनन्य प्रेम (भक्ति) के माध्यम से ही इस परम सत्य को यथार्थ रूप से जाना, देखा और इसमें प्रवेश किया जा सकता है।)

जीवन-सूत्र एवं अंतिम संदेश

अहंकार से मुक्तिः आप कितने भी सामर्थ्यवान क्यों न हों, स्मरण रखें कि इस अनंत ब्रह्मांड के समक्ष हमारा अस्तित्व एक छोटे-से कण मात्र जैसा है। निमित्त बनकर कर्म करेंः परिणामों का अनावश्यक बोझ ईश्वर पर छोड़ दें और अपने उत्तरदायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। दृष्टिकोण विशाल रखेंः छोटी-मोटी असफलताओं से विचलित हुए बिना जीवन के विस्तृत परिप्रेक्ष्य पर विश्वास बनाए रखें। जब मनुष्य अपनी संकुचित दृष्टि के दायरे से बाहर निकलकर जीवन के विराट स्वरूप को देखता है, तब सारी शिकायतें मिट जाती हैं और अंतर्मन में कृतज्ञता का दीप जल उठता है। क्रमशः...अगले अध्याय 12 – भक्ति योग में हम जानेंगे– 'ईश्वर तक पहुँचने का सबसे सरल, सहज और मधुर मार्ग कौन-सा है? साकार रूप की भक्ति श्रेष्ठ है या निराकार की साधना? और श्रीकृष्ण को कौन-सा भक्त सबसे अधिक प्रिय है? '

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट) स्पोर्ट्स टीचर.

यूपीआई@10: भुगतान की दुनिया में भारत का नया अध्याय

सुनील कुमार महला

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआइ) द्वारा विकसित यूपीआई यानी कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस भारत की एक तत्काल डिजिटल भुगतान प्रणाली है। सरल शब्दों में कहें तो यह वह माध्यम है, जिसके माध्यम से मोबाइल फोन से एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में तुरंत पैसे भेजे और प्राप्त किए जा सकते हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत में यूपीआई को 11 अप्रैल 2016 को तत्कालीन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया(आरबीआई) गवर्नर डॉ. रघुराम राजन ने मुंबई में लॉन्च किया था। हालाँकि, आम लोगों के लिए यूपीआई सेवाएँ अगस्त 2016 से व्यापक रूप से उपलब्ध हुईं। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में यूपीआई ने अपने 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यूपीआई ने भारत के डिजिटल भुगतान को पूरी तरह बदल दिया है।सच तो यह है यूपीआई आज भारत के दैनिक डिजिटल भुगतान तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। दूसरे शब्दों में कहें तो आज यूपीआई का उपयोग हर कहीं पर दुकानों और बाजारों में सामान खरीदने, रेस्तरां व होटल के बिल चुकाने, ऑनलाइन खरीदारी, मोबाइल रिचार्ज, बिजली-पानी-गैस जैसे उपयोगिता बिलों के भुगतान, रेल-बस-विमान टिकट बुकिंग, स्कूल-कॉलेज की फीस, अस्पतालों में भुगतान तथा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को तुरंत पैसे भेजने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक डिजिटल लेन-देन में यूपीआई का व्यापक इस्तेमाल हो रहा है। यानी आज यूपीआई भारत के दैनिक जीवन में नकद भुगतान के एक आसान, तेज और सुविधाजनक डिजिटल विकल्प के रूप में स्थापित हो चुका है। बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि अन्य देशों की तुलना में भारत का यूपीआई डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में असाधारण पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2026 में यूपीआई दुनिया के लगभग 49% रियल-टाइम भुगतान लेन-देन को संभाल रहा है, यानी दुनिया में होने वाले लगभग हर दो तत्काल डिजिटल भुगतानों में एक यूपीआई के माध्यम से होता है। भारत में इसकी मात्रा भी तेजी से बढ़ी है और वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई पर करीब 24,162 करोड़ लेन-देन हुए। मई 2026 में अकेले यूपीआई ने 23,201.93 मिलियन यानी लगभग 2,320 करोड़ लेन-देन किए, जिनका कुल मूल्य करीब रू.29.90 लाख करोड़ रहा। इस तुलना में भारत की खासियत यह है कि यूपीआई केवल बड़े शहरों या बड़े कारोबार तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे दुकानदार, रेहड़ी-पटरी वाले, ग्रामीण उपभोक्ता और आम नागरिक तक इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। यूपीआई अब 11 देशों में भी उपलब्ध है और वैश्विक स्तर पर भारत की डिजिटल भुगतान व्यवस्था का एक प्रमुख उदाहरण बन चुका है। अन्य शब्दों में कहें तो वर्ष 2016 में शुरू हुई यह व्यवस्था आज देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी है। पहले जहां डिजिटल भुगतान सीमित था, वहीं अब चायवाले, सब्जीवाले, छोटे दुकानदार और आम लोग भी आसानी से यूपीआई से पैसे ले-दे रहे हैं। एक दशक में यूपीआई लेन-देन में हुई भारी वृद्धि इसकी लोकप्रियता और लोगों के भरोसे को दिखाती है।यूपीआई से बैंकिंग आसान, तेज और सुविधाजनक हुई है। लोगों को नकदी निकालने के लिए बैंक जाने या लंबी कतार में खड़े होने की जरूरत कम हुई है। आज पलभर में ही दूर बैठे व्यक्ति को तुरंत पैसे भेजे जा सकते हैं। इतना ही नहीं, नकदी कम रखने से चोरी और लूट का जोखिम भी घटा है। डिजिटल भुगतान से लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगाने में मदद मिली है।यूपीआई की सफलता के पीछे डिजिटल इंडिया अभियान और इंटरनेट कनेक्टिविटी का विस्तार भी महत्वपूर्ण रहा है। देश में मोबाइल और ब्रॉडबैंड की पहुंच बढ़ने से डिजिटल भुगतान आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। यही कारण है कि दूसरे देश भी यूपीआई जैसी भारतीय डिजिटल भुगतान व्यवस्था में रुचि दिखा रहे हैं।हालांकि, अभी कुछ चुनौतियां बाकी हैं। बैंक का सर्वर डाउन होना, अधिक ट्रैफिक के कारण भुगतान अटकना और गलती से गलत व्यक्ति को पैसे भेज देना जैसी समस्याएं लोगों के लिए परेशानी पैदा करती हैं। इन समस्याओं का स्थायी समाधान जरूरी है। कुल मिलाकर, यूपीआई केवल पैसे भेजने और लेने का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल प्रगति और आत्मनिर्भर तकनीकी क्षमता का प्रतीक बन चुका है। दस साल की इसकी यात्रा बताती है कि जब तकनीक को आम आदमी की जरूरतों से जोड़ा जाता है, तो वह समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है। सच तो यह है कि यूपीआई के दस वर्ष केवल किसी डिजिटल भुगतान प्रणाली की सफलता के दस वर्ष नहीं, बल्कि भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और डिजिटल परिवर्तन की एक उल्लेखनीय यात्रा हैं। इसने भुगतान को सरल, त्वरित और व्यापक बनाया तथा छोटे दुकानदार से लेकर बड़े कारोबारी तक को एक साझा डिजिटल मंच दिया। आज दुनिया के अनेक देश यूपीआई में रुचि ले रहे हैं और कई देशों में इसका उपयोग भी शुरू हो चुका है। यूपीआई ने साबित किया है कि भारत केवल डिजिटल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि दुनिया को बड़े पैमाने पर अपनाने योग्य डिजिटल समाधान देने वाला देश भी है। आने वाले वर्षों में इसकी सफलता का अगला पड़ाव केवल लेन-देन की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि सुरक्षित, समावेशी और वैश्विक डिजिटल भुगतान व्यवस्था को और मजबूत करना होगा।

फायर ब्रिगेड बनी विधायक जी का वाशिंग सेंटर, दमकल के पानी से चमकाई गई गाड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली से बीजेपी विधायक रामनिवास शाह के सरकारी आवास के बाहर उनकी निजी इनोवा कार को दमकल की गाड़ी से धोए जाने का वीडियो वायरल हुआ है. सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग पर उठे सवालों के बीच विधायक ने ड्राइवर को डांटने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया. मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है.

सिंगरौली (विधानसभा सीट 80) से भारतीय जनता पार्टी के विधायक रामनिवास शाह के बिलौंजी स्थित शासकीय आवास के बाहर उनकी निजी इनोवा कार को नगर निगम के दमकल (फायर ब्रिगेड) वाहन से धोते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वायरल हो रहे 23 और 12 सेकेंड के वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि फायर ब्रिगेड के तीन कर्मचारी दमकल वाहन के हाई-प्रेशर पाइप से सड़क पर खड़ी विधायक की निजी इनोवा कार की धुलाई कर रहे हैं. आपातकालीन सेवाओं के लिए इस्तेमाल होने वाली दमकल गाड़ी और कर्मचारियों को विधायक की कार धोते देख स्थानीय निवासियों ने इसका वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया की सुर्खियां बना हुआ है. आम जनता इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे टैक्सपेयर्स के पैसों और सरकारी संसाधनों का खुला दुरुपयोग बता रही है.

विधायक रामनिवास शाह की सफाई

इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी विधायक रामनिवास शाह ने कहा, 'वीडियो हमने भी देखा है. कोई भी विधायक या सांसद अपनी गाड़ी अपने हाथों से तो धोता नहीं है. ड्राइवर ने मुझे बताया कि दमकल की गाड़ी नगर निगम महापौर/अध्यक्ष के घर में पानी भरने आई थी. संयोग से मेरी गाड़ी वहां खड़ी थी, तो उसने थोड़ा सा पानी मार दिया. मैंने ड्राइवर को डांटा है कि यह सब काम नहीं करना चाहिए, बस इतनी ही बात है.' विधायक भले ही इसे मामूली बात बताकर टालने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन आपातकालीन गाड़ियों के इस तरह निजी कामों में इस्तेमाल को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा कम होने का नाम नहीं ले रहा है.

कभी कंधे पर तो कभी उफनते पानी में... सिवनी में ऐसे स्कूल जाते हैं बच्चे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के लखनादौन ब्लॉक में बारिश के बाद उफनते नाले ने ग्रामीणों की मुश्किल बढ़ा दी है. धौरीया और धाधर टोला के बीच स्कूली बच्चे तेज बहाव वाले नाले को पार कर स्कूल जाने को मजबूर हैं. मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में बारिश ने स्कूली बच्चों के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है. लखनादौन ब्लॉक की ग्राम पंचायत गुंगवारा में धौरीया और धाधर टोला के बीच उफनते नाले को पार कर बच्चे स्कूल जाने को मजबूर हैं. जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें छात्राएं एक-दूसरे का हाथ पकड़कर तेज बहाव वाले नाले को पार करती नजर आ रही हैं. वहीं छोटे बच्चों को परिजन कंधे और गोद में लेकर नाला पार करा रहे हैं. बताया जा रहा है कि शनिवार को हुई बारिश के बाद नाले का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे रास्ता खतरनाक हो गया. इसके बावजूद बच्चों को स्कूल जाने और फिर वापस घर लौटने के लिए इसी रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ा. वायरल वीडियो में बच्चों और उनके परिजनों की मजबूरी साफ दिखाई दे रही है. ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के करीब 4 महीनों तक यह रास्ता उनके लिए बड़ी परेशानी बन जाता है. नाले में पानी बढ़ने के बाद बच्चों के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य ग्रामीणों को भी जान जोखिम में डालकर इसे पार करना पड़ता है. कई बार पानी का बहाव इतना तेज हो जाता है कि गांव के लोगों का बाहर निकलना तक मुश्किल हो जाता है. ग्रामीण रामकुमार यादव ने बताया कि यह समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है. छोटे बच्चों से लेकर महिलाओं और बुजुर्गों तक को जरूरी काम से बाहर जाना पड़ता है, लेकिन नाले में बाढ़ आने के बाद रास्ता बंद हो जाता है. मामले में लखनादौन जनपद सीईओ निलेश बर्मन ने बताया कि सहायक यंत्री के नेतृत्व में जांच दल को मौके पर भेजा गया है. जांच दल की रिपोर्ट मिलने के बाद पुल निर्माण का प्रस्ताव जिला स्तर पर भेजा जाएगा. उन्होंने बताया कि यहां करीब 75 मीटर लंबे पुल की जरूरत है. इसका निर्माण ग्रामीण यांत्रिकी सेवा या किसी अन्य संबंधित विभाग के माध्यम से कराया जा सकता है. ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द से जल्द पुल निर्माण की दिशा में कदम उठाएगा, ताकि हर साल बारिश के मौसम में बच्चों और ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर उफनता नाला पार न करना पड़े.

अवैध संबंधों का विरोध बना कत्ल की वजह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छिंदवाड़ा। जिले से रिश्तों को कलंकित कर देने वाली एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जिले के वंगाव गांव में एक मां ने अपने ही 19 साल के जवान बेटे को मौत के घाट उतार दिया। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने में महिला के कथित प्रेमी ने उसका साथ दिया। पुलिस ने सनसनीखेज खुलासे के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिन्होंने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। यह पूरा मामला 17 अगस्त की सुबह तब प्रकाश में आया जब 19 वर्षीय युवक का शव उसके घर में संदिग्ध अवस्था में मिला। शुरुआत में परिजनों ने इसे सामान्य या संदिग्ध मौत बताने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने जब शव के गले पर निशान देखे तो मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि होते ही पुलिस के होश उड़ गए और मामले की सुई सीधे तौर पर घर के अंदर के लोगों की तरफ घूम गई। पुलिस जांच में सामने आया कि मृत युवक के पिता की मौत करीब 10 साल पहले हो चुकी थी। इसके बाद से महिला एक अन्य व्यक्ति के साथ रह रही थी। घर में उस शख्स की मौजूदगी को लेकर 19 वर्षीय बेटा लगातार ऐतराज जताता था और इसको लेकर आए दिन घर में विवाद व झगड़े होते रहते थे। 16 अगस्त की शाम करीब 6 बजे इसी बात को लेकर एक बार फिर तीखी बहस और झड़प हुई, जिसके बाद आरोपियों ने खौफनाक कदम उठा लिया। पुलिस पूछताछ में जो सच सामने आया, उसने सभी को सन्न कर दिया। वारदात के दिन जब विवाद बढ़ा तो आरोपी प्रेमी ने कथित तौर पर एक रस्सी से युवक का गला घोंटना शुरू कर दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस दौरान सगी मां ने खुद अपने ही जवान बेटे के दोनों हाथ कसकर पकड़ रखे थे ताकि वह विरोध न कर सके। दम घुटने से मौके पर ही युवक की मौत हो गई। छिंदवाड़ा जिले के वंगाव गांव में 17 अगस्त की सुबह युवक का शव बरामद हुआ था। पति की मौत के बाद से महिला एक अन्य व्यक्ति के साथ रह रही थी। घर में प्रेमी की मौजूदगी का विरोध करने पर बेटे से अक्सर झगड़ा होता था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने से मौत की पुष्टि होने पर पुलिस ने पर्दाफाश किया।

वर्दी पहनी, ड्यूटी पर निकला... फिर सड़क पर लेट गया! कन्नौज में PRD जवान का वीडियो वायरल, पुलिस ने कहा- नशे में था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कन्नौज। कन्नौज में एक PRD जवान का सड़क पर लेटकर हंगामा करने का वीडियो वायरल हो रहा है. पुलिस के मुताबिक, तिर्वा क्रॉसिंग पर वर्दी में मिले राम सिंह यादव नशे की हालत में थे और Breath Analyzer जांच में 565 mg/100 ml अल्कोहल पाया गया. हालांकि जवान ने शराब पीने के आरोप से इनकार करते हुए अधिकारियों पर प्रताड़ित करने और मारपीट का आरोप लगाया है. उत्तर प्रदेश के कन्नौज में ड्यूटी पर तैनात एक PRD जवान का सड़क पर लेटकर हंगामा करने का वीडियो सोशल वायरल हो रहा है. जवान वर्दी में सड़क के बीचों-बीच लेटा दिखाई दे रहा है और उसके आसपास से वाहन गुजर रहे हैं. सूचना मिलने पर पुलिस और साथी जवान मौके पर पहुंचे और उसे सड़क से हटाने की कोशिश की. इस दौरान जवान की अपने साथियों से

धक्का-मुक्की भी हुई.मामला कन्नौज के तिर्वा क्रॉसिंग जीटी रोड का है. जवान की पहचान करीब 50 वर्षीय राम सिंह यादव के रूप में हुई है, जो खालेपुरवा गांव का रहने वाला है. राम सिंह की ड्यूटी यातायात व्यवस्था संभालने के लिए लगाई गई थी. पुलिस के मुताबिक, 25 अगस्त को राम सिंह की ड्यूटी सरायमीरा बस अड्डे पर यातायात व्यवस्था में लगी थी.इसी दौरान उसके तिर्वा क्रॉसिंग पर सड़क पर लेटकर हंगामा करने की सूचना मिली. पुलिस मौके पर पहुंची तो जवान वर्दी में सड़क पर लेटा हुआ मिला. राहगीरों और मौके पर मौजूद मीडियाकर्मियों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है.पुलिस की ओर से जारी नोट के मुताबिक, मौके पर राम सिंह नशे की हालत में पाया गया. यातायात पुलिसकर्मी ने ब्रीथ एनालाइजर से जांच की, जिसमें एल्कोहॉल की मात्रा 565 mg/100 ml पाई गई. इसके बाद उसे मेडिकल के लिए भेजा गया और ब्लड सैंपल भी जांच के लिए भेजा गया है.वायरल वीडियो में राम सिंह सड़क पर लेटा दिख रहा है. साथी जवान उन्हें वहां से हटाने की कोशिश करते हैं, लेकिन इस दौरान वह उनके साथ बहस और धक्का-मुक्की करते नजर आ रहा है.इस मामले में पुलिस ने ड्यूटी के दौरान शराब पीकर लापरवाही और अनुशासनहीनता किए जाने को गंभीरता से लिया है. जिला युवा कल्याण अधिकारी कन्नौज को कार्रवाई के लिए लेटर भेजा गया है. पुलिस के मुताबिक, नियम के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है.हालांकि, राम सिंह यादव ने इन आरोपों को खारिज किया है. राम सिंह ने बातचीत में कहा कि मुझ पर शराब पीने का आरोप गलत है. सावन के दौरान वह शराब का सेवन नहीं करता. राम सिंह ने अधिकारियों पर ड्यूटी को लेकर प्रताड़ित करने और मारपीट करने का आरोप लगाया. राम सिंह का कहना है कि इसी परेशानी के चलते वह सड़क पर जाकर लेट गए थे.फिलहाल मामले में दो अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं. पुलिस के मुताबिक ब्रीथ एनालाइजर जांच में शराब की पुष्टि हुई है और मेडिकल जांच के लिए ब्लड सैंपल भेजा गया है, जबकि राम सिंह शराब पीने से इनकार कर रहे हैं. अब मेडिकल रिपोर्ट और विभागीय जांच से स्थिति और स्पष्ट होगी. फिलहाल ड्यूटी के दौरान वर्दी में सड़क पर हंगामा करने का वीडियो चर्चा में है.

प्रेमी से भरवाई पत्नी की मांगः शादी के डेढ़ महीने बाद पति ने दोनों को अर्धनग्न हालत में था पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झांसी। झांसी में शादी के महज डेढ़ महीने बाद पत्नी को प्रेमी के साथ रंगेहाथ पकड़े जाने के मामले में नया मोड़ आ गया है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे नए वीडियो में प्रेमी महिला की सात बार मांग भरता और जयमाला पहनाता नजर आ रहा है. झांसी के चिरगांव थाना क्षेत्र में शादी के डेढ़ महीने बाद एक पति ने अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया. अब इस घटना के दो नए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. वायरल वीडियो में प्रेमी से महिला की 7 बार मांग भरवाई जा रही है और दोनों एक-दूसरे को वरमाला पहना रहे हैं. दरअसल, 24 जून को मध्य प्रदेश के भांडेर की युवती से शादी करने वाले पीड़ित पति ने आरोप लगाया कि पत्नी उसे नींद की दवा देकर प्रेमी से मिलती थी और पकड़े जाने पर मारपीट भी की गई. घटना के

बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को फैमिली कोर्ट जाने की सलाह दी है. सोशल मीडिया पर सामने आए दो वीडियो में से एक में प्रेमी महिला की 7 बार मांग भरता और माला पहनाता दिखाई दे रहा है. दूसरे वीडियो में पीछे से आवाज आ रही है कि यह काम ससुराल के बजाय मायके में होना चाहिए था. वीडियो में लोग कह रहे हैं कि दोनों ने बहुत गलत किया है और सरकार से दोनों को जेल भेजने का निवेदन किया जा रहा है ताकि दोनों साथ रह सकें. पीड़ित पति ने बताया कि शादी के 2-3 हफ्ते बाद से ही पत्नी उसे चाय, दूध या खाने में मिलाकर नींद की गोली देने लगी थी ताकि वह अपने प्रेमी से बात कर सके. तबीयत बिगड़ने पर पति को शक हुआ. 19 अगस्त को मोहल्ले वालों ने प्रेमी के आने की जानकारी दी, जिसे पत्नी ने नकार दिया. इसके बाद 23 अगस्त को पति ने दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया.   पति का आरोप है कि रंगेहाथ पकड़े जाने पर प्रेमी ने उसके साथ मारपीट की और गला दबाने का प्रयास किया, जबकि पत्नी ने उसके हाथ पकड़ लिए थे. शोर सुनकर आए पड़ोसियों ने उसे बचाया, जिसके बाद पुलिस बुलाई गई. मामले में झांसी पुलिस मीडिया सेल ने 'ङ्ग' पर जानकारी दी कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था और महिला प्रेमी के साथ रहना चाहती है, इसलिए दोनों पक्षों को पारिवारिक अदालत जाने की सलाह दी गई है.

सीएम मोहन यादव ने किया पेंडिंग प्रमोशन का ऐलान...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के लाखों सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक बेहद राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य सरकार ने लंबित पड़े प्रमोशन के मामलों को निबटाने के लिए इस साल से सभी विभागों में विभागीय प्रमोशन कमेटियों की प्रक्रिया शुरू करने का बड़ा फैसला किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि अब यह प्रक्रिया अटकी नहीं रहेगी, बल्कि हर साल नियमित रूप से आयोजित की जाएगी ताकि पात्र अधिकारियों और कर्मचारियों को समय पर उनका हक मिल सके।

मंत्रालय में सम्मान समारोह के दौरान किया ऐलान

मंत्रालय में आयोजित एक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुएमुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सरकार कर्मचारियों को सभी देय वेतन, भत्ते और प्रमोशन उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने इन लाभों को कर्मचारियों का अधिकार करार देते हुए कहा कि समय पर मिलने वाले इन फायदों से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और उनके परिवारों में खुशियां आती हैं। सरकार के इस कदम से लंबे समय से प्रमोशन का इंतजार कर रहे कर्मचारियों में एक नई उम्मीद जगी है।

ग्वालियर को पंजाब-हरियाणा से आगे ले जाने का संकल्प

एक अन्य कार्यक्रम में, मुख्यमंत्री ने वर्चुअली रूप से ग्वालियर जिले के डबरा में आयोजित 'बलराम कृषि महाउत्सव' को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के किसानों का आह्वान किया कि वे पारंपरिक फसलों से आगे बढ़कर प्राकृतिक खेती और उन्नत पशुपालन को अपनाएं ताकि उनकी आय में बढ़ोतरी हो सके। सीएम ने किसानों को सलाह दी कि वे अपनी जमीन की क्षमता का आकलन कर उसके अनुसार ही फसलों और सहायक गतिविधियों का चुनाव करें। मध्य प्रदेश सरकार ने सभी विभागों में पेंडिंग प्रमोशन क्लीयर करने के लिए DPC प्रक्रिया शुरू की। सीएम मोहन यादव ने कहा कि कर्मचारियों को समय पर प्रमोशन देना सरकार की प्राथमिकता है। डबरा (ग्वालियर) में बलराम कृषि महाउत्सव के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी गई। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि ग्वालियर संभाग कृषि, शिक्षा और डिफेंस के दम पर पंजाब-हरियाणा को भी पीछे छोड़ सकता है।

कृषि के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों से मुकाबला

ग्वालियर संभाग की संभावनाओं पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, रक्षा, कृषि, फूड प्रोसेसिंग और डेयरी उत्पादन के क्षेत्र में यह क्षेत्र बेहद मजबूत है। उन्होंने विश्वास जताया कि सही दिशा में किए जा रहे प्रयासों के चलते आने वाले समय में ग्वालियर कृषि के मामले में पंजाब और हरियाणा जैसे अग्रणी राज्यों को भी कड़ी टक्कर देगा और उनसे आगे निकल जाएगा।

तूफानी स्पीड से दौड़ी हूटर बजाती स्कॉर्पियो, पोल को उड़ाया और फिर दुकान में घुस गई, CCTV में कैद पूरा कांड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

औरैया ।औरैया के दिबियापुर में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो का CCTV वीडियो सामने आया है. हूटर बजाते हुए सड़क पर दौड़ रही स्कॉर्पियो अचानक बेकाबू होकर बिजली के पोल से टकराई और फिर सामने की दुकान में जा घुसी. हादसे के वक्त सड़क पर कोई राहगीर मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया. फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर CCTV फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है.यूपी के औरैया से एक ऐसा CCTV वीडियो सामने आया है, जो हैरान कर देने वाला है. वीडियो में एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में हूटर बजाते हुए सड़क पर आती दिखाई देती है. फिर अचानक गाड़ी बेकाबू होती है. सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से टकराती है. पोल धड़ाम से जमीन पर गिरता है और स्कॉर्पियो सीधे सामने की दुकान के शटर में जा घुसती है. गनीमत रही कि जिस वक्त ये पूरा तमाशा हुआ, सड़क पर कोई राहगीर या दुकान के सामने कोई व्यक्ति चपेट में नहीं आया.मामला औरैया के दिबियापुर थाना क्षेत्र की कंचौसी चौकी के तहत रेलवे स्टेशन रोड का है. हादसा इंटर कॉलेज के पास हुआ. बाहर लगे CCTV कैमरे

में पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई. वीडियो शुरू होता है तो एक सफेद स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में आती दिखाई देती है. गाड़ी का हूटर बज रहा है. कुछ ही पल बाद वाहन अचानक बेकाबू हो जाता है और सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराता है. टक्कर इतनी जोरदार होती है कि पोल जमीन पर गिर जाता है. लेकिन गाड़ी वहीं नहीं रुकती. पोल से टकराने के बाद स्कॉर्पियो सीधे सामने मौजूद दुकान के शटर की तरफ जाती है और उसमें जा घुसती है. यानी कुछ सेकेंड में गाड़ी ने पहले सड़क पर दौड़ लगाई, फिर पोल गिराया और आखिर में दुकान के शटर को भी नहीं छोड़ा. छ्वष्टञ्जङ्क में स्कॉर्पियो के अंदर दो लोग दिखाई दे रहे हैं. हादसा होते ही एक युवक गाड़ी से नीचे उतरता है और उसे पीछे करने की कोशिश करता है. इसके बाद चालक भी बाहर आता है और वाहन की हालत देखने लगता है. स्थानीय स्तर पर दावा है कि स्कॉर्पियो चला रहा व्यक्ति नाबालिग था. पुलिस की ओर से दर्ज शिकायत में भी नाबालिग द्वारा वाहन चलाए जाने की बात कही गई है. हालांकि चालक की उम्र और हादसे के वक्त गाड़ी कौन चला रहा था, इसकी पुष्टि पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही होगी. वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की. कंचौसी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक सौरभ सिंह ने दिबियापुर थाने में इस मामले में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने ई-चालान एप के जरिए वाहन की जानकारी निकाली. यह वाहन रामकुमार निवासी कंचौसी बाजार दिबियापुर औरैया के नाम दर्ज है. अब पुलिस ये पता लगाने में जुटी है कि हादसे के वक्त गाड़ी कौन चला रहा था और उसमें सवार दूसरे व्यक्ति की पहचान क्या है. दिबियापुर थाना प्रभारी सत्य प्रकाश ने बताया कि स्कॉर्पियो बेकाबू होकर दुकान में घुसी थी. CCTV फुटेज के आधार पर वाहन और उसमें सवार लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है. पुलिस के मुताबिक, गाड़ी में एक नाबालिग समेत दो लोगों के सवार होने की जानकारी सामने आई है. फिलहाल मामले की जांच चल रही है

राजगढ़ में बड़ली माता मंदिर तोड़े जाने पर बवाल, 15 गांवों के चंदे से बन रहे खाटू श्याम मंदिर पर चला प्रशासन का बुलडोजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजगढ़। जिले में आस्था और प्रशासनिक कार्रवाई के बीच टकराव का बड़ा मामला सामने आया है। ब्यावरा तहसील के लखनवास क्षेत्र में बड़ली माता मंदिर पहाड़ी पर बन रहे खाटू श्याम मंदिर को प्रशासन ने जेसीबी चलाकर जमींदोज कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान 100 से अधिक पुलिसकर्मी और प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद रहा, जिसने करीब 2 हजार वर्ग फीट में चल रहे निर्माण को पूरी तरह हटा दिया। घटना के बाद से ग्रामीण और प्रशासन आमने-सामने आ गए हैं।

15 गांवों के चंदे से खड़ा हो रहा था आस्था का केंद्र

ग्रामीणों का दावा है कि यह मंदिर किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि आसपास के लगभग 15 गांवों के लोगों की आस्था का केंद्र था। सभी ने आपस में चंदा इकट्ठा कर खाटू श्याम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू कराया था। जब तक ग्रामीण कुछ समझ पाते या विरोध दर्ज कराते, तब तक प्रशासनिक बुलडोजर ने पूरी मेहनत पर पानी फेर दिया। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि प्रशासन ने कार्रवाई से पहले न तो कोई नोटिस दिया और न ही उन्हें अपना पक्ष रखने का कोई मौका दिया। खाटू श्याम जी मंदिर में भक्तों के लिए खाटू श्याम जी मंदिर के दर्शन का समयः सर्दियों में (अक्टूबर से मार्च तक) - सुबह 5:30 से शाम 9:00 बजे तक, रात्रि में 6:30 से 9:00 बजे तक। गर्मियों में (अप्रैल से सितंबर तक) - सुबह 4:30 से शाम 10:00 बजे तक, रात्रि में 5:30 से 10:00 बजे तक। इस पूरे मामले में ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन पर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पहाड़ी पर क्रेशर मशीन स्थापित करने और अवैध खनन के लिए रास्ता साफ करने की नीयत से यह कार्रवाई की गई है। उनका कहना है कि इलाके में लंबे समय से अवैध खनन और ब्लास्टिंग की शिकायतें की जा रही थीं, जिस पर प्रशासन आंखें मूंदकर बैठा रहा, लेकिन जब ग्रामीणों ने अपनी आस्था से मंदिर बनवाया तो तुरंत हथौड़ा चला दिया गया। राजगढ़ की ब्यावरा तहसील के लखनवास में बड़ली माता पहाड़ी पर हुई कार्रवाई। 100 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में 2 हजार वर्ग फीट में चल रहा निर्माण हटाया गया। 15 गांवों के ग्रामीणों ने आपसी चंदे से खाटू श्याम मंदिर का निर्माण शुरू कराया था। ग्रामीणों ने क्रेशर और अवैध खनन के लिए मंदिर गिराने का गंभीर आरोप लगाया है।

'धर्म नहीं बदलूंगी, चाहे कुछ भी हो' बागपत की आशमा बनी पूजा तो मुस्लिम पड़ोसियों ने ढाया जुल्म! FIR दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत।बागपत में धर्म परिवर्तन कर आयशा से पूजा बनी महिला ने पड़ोसियों पर घर का मंदिर तोड़ने, मूर्तियां खंडित करने और जबरन धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप लगाया है. पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.बागपत में आशमा से पूजा बनी महिला के आरोपों से हड़कंप मच गया है. आरोप है कि हिंदू धर्म अपनाने पर पड़ोसी मुस्लिम परिवार ने उसके घर में बना मंदिर तोड़ दिया. देवी -देवताओं की मूर्तियां खंडित करने और दीवार पर बनी गाय का चित्र मिटाने का भी आरोप है. महिला के मुताबिक, छोटी बेटी पर उर्दू पढ़ने का दबाव बनाया जाता है. यहां तक कि उनके होली -दीवाली मनाने पर भी एतराज जताया जाता है. पूजा का आरोप है कि उस पर दोबारा मुस्लिम धर्म अपनाने का दबाव है. अब महिला ने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मदद और सुरक्षा की गुहार लगाई है.दरअसल, मामला बागपत शहर के ईदगाह मोहल्ले का बताया जा रहा है. यहां रहने वाली महिला ने अपना नाम पूजा बताते हुए कहा कि शादी से पहले उसका नाम आयशा था. महिला के अनुसार, वह मूल रूप से गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र की रहने वाली है. वर्ष 2001 में उसने मुरादाबाद में धर्म परिवर्तन के बाद मदनपाल नाम के हिंदू युवक से प्रेम विवाह किया था. शादी के बाद वह हिंदू धर्म में ही रह रही है.पूजा ने बताया कि शादी के बाद उसकी तीन बेटियां हुईं. पति की मौत हो चुकी है और अब वह बागपत में रहकर अपनी बेटियों के साथ जीवन बिता रही है. उसका कहना है कि उसने अपनी बड़ी बेटी की शादी हिंदू परिवार में की है, जबकि दूसरी बेटी का रिश्ता भी हिंदू परिवार में तय किया है. महिला का दावा है कि वह हिंदू धर्म अपनाने के बाद खुश है और आगे भी इसी धर्म में रहना चाहती है.पूजा का आरोप है कि उसने अपने घर में पूजा-पाठ के लिए छोटा सा मंदिर बना रखा था. घर की दीवार पर गाय का चित्र भी बनाया गया था. महिला के मुताबिक सुलेमान व उसके बेटे नूर मुहम्मद सहित कुछ लोगों ने उसके घर में घुसकर हंगामा किया और मंदिर को तोड़ दिया. आरोप है कि मंदिर में रखी मूर्तियों को खंडित कर दिया गया. दीवार पर बने गाय के चित्र को भी मिटा दिया गया. उसका कहना है कि उस परिवार का बेटा मुफ़्ती है. मुस्लिम से हिंदू बनने पर उसके परिवार को लेकर आपत्ति जताई जा रही है. उस पर मुस्लिम धर्म मे वापसी का दबाव बनाया जा रहा है।

लखनऊ से बेंगलुरु जा रही IndiGo 6E231 फ्लाइट में बम की धमकी

सुरक्षित उतरा विमान; जांच शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ से बेंगलुरु जा रही IndiGo फ्लाइट 6श्व231 में लैंडिंग से पहले बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। लखनऊ से बेंगलुरु जा रही IndiGo की फ्लाइट 6E231 में बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। बुधवार को फ्लाइट के बेंगलुरु एयरपोर्ट पर पहुंचने से ठीक पहले क्रू को धमकी की जानकारी मिलने की बात सामने आई। विमान ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी।मिली जानकारी के मुताबिक, धमकी की सूचना विमान की अंतिम लैंडिंग प्रक्रिया के दौरान सामने आई। इसके बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था को अलर्ट किया गया और विमान की जांच की जा रही है।फ्लाइट 6E231 ने बुधवार सुबह लखनऊ से उड़ान भरी थी और बेंगलुरु पहुंची। उपलब्ध फ्लाइट-स्टेटस रिकॉर्ड के मुताबिक विमान ने

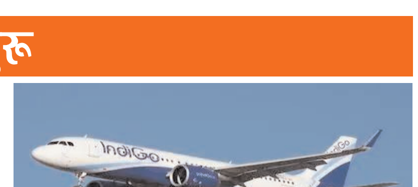

बेंगलुरु में सुरक्षित लैंडिंग की। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। विमान की तलाशी और धमकी की सत्यता की जांच की जा रही है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (गुरुवार)
27 अगस्त 2026

फर्जी यूपीआई भुगतान दिखाकर दुकानदारों को बनाता था निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने फर्जी यूपीआई भुगतान के स्क्रीनशॉट दिखाकर दुकानदारों से ठगी करने के आरोप में 22 वर्षीय निखिल यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले छोटी खरीदारी करता और भुगतान होने का नकली या डिजिटल रूप से बदला हुआ स्क्रीनशॉट दिखाकर दुकानदार को विश्वास दिलाता था कि रकम भेज दी गई है। जब दुकानदार के खाते में पैसा नहीं पहुंचता था तो आरोपी समस्या दूर करने के बहाने उसके मोबाइल तक पहुंच बनाने की कोशिश करता था। पुलिस के मुताबिक, मोबाइल हाथ लगने के बाद आरोपी उसमें मौजूद बैंकिंग या यूपीआई संबंधी जानकारी का इस्तेमाल कर बिना अनुमति रकम दूसरे खातों में भेज देता था। कई मामलों में वह मोबाइल का पासवर्ड या यूपीआई पिन देखने अथवा हासिल करने की कोशिश करता था। इसके बाद रकम ऐसे बैंक खातों में भेजी जाती थी, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर ठगी की रकम को आगे पहुंचाने के लिए किया जाता था। कुछ मामलों में धनराशि एटीएम के जरिए भी निकाली जाती थी। मामले की जांच सदर बाजार के कपड़ा कारोबारी विष्णु कुमार गोयल की 29 मार्च को दर्ज शिकायत के बाद शुरू हुई। पुलिस के अनुसार निखिल यादव ने गोयल से कपड़े खरीदे और भुगतान का फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाया। बाद में जब दुकानदार को पता चला कि उसके खाते में रकम नहीं आई है, तो आरोपी ने उसके मोबाइल तक पहुंच बनाई और बैंक खाते से करीब एक लाख रुपये स्थानांतरित कर लिए। इस मामले में साइबर नॉर्थ पुलिस थाने में ई-एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। बैंकिंग और यूपीआई लेन-देन के साथ दूरसंचार रिकॉर्ड के तकनीकी विश्लेषण के दौरान पुलिस को मलका गंज निवासी 27 वर्षीय शाहीन के बैंक खाते का पता चला। पुलिस के अनुसार इस खाते का इस्तेमाल कथित तौर पर ठगी की रकम आगे पहुंचाने के लिए किया गया था। शाहीन से पूछताछ के बाद बुराड़ी निवासी 25 वर्षीय तरुण तक पुलिस पहुंची। पुलिस के मुताबिक तरुण ने बताया कि उसे प्राप्त रकम उसने नकद रूप में निखिल यादव को दे दी थी। इसके बाद पुलिस ने यादव को गिरफ्तार किया।पुलिस का कहना है कि निखिल यादव के बयानों और तकनीकी तथा दस्तावेजी साक्ष्यों की जांच में दिल्ली और मुंबई में दर्ज सात अन्य मामलों में भी उसकी कथित संलिप्तता सामने आई है। ये मामले साइबर नॉर्थ वेस्ट, मॉडल टाउन, सराय रोहिल्ला, सब्जी मंडी और रूप नगर के अलावा मुंबई के शिवड़ी और तारदेव थानों में दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार अब तक सामने आए मामलों में धोखाधड़ी की कुल रकम 30.81 लाख रुपये से अधिक है। यादव ने 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की है और उसके खिलाफ पहले भी दिल्ली तथा मुंबई में चोरी और धोखाधड़ी से जुड़े आठ मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और अन्य संभावित मामलों की जानकारी जुटा रही है। मामले में आगे की जांच जारी है।

दिल्ली में जलभराव पर पहली बार बड़े अधिकारी ने मांगी सार्वजनिक माफी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 25 अगस्त को हुई भारी बारिश के बाद नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में जलभराव से लोगों को हुई परेशानी पर एनडीएमसी के अध्यक्ष मनोज द्विवेदी ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट साझा कर प्रभावित नागरिकों से खेद जताया। प्रशासनिक स्तर पर किसी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा जलभराव को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का यह पहला मामला बताया जा रहा है। मनोज द्विवेदी ने कहा कि आमतौर पर एनडीएमसी क्षेत्र में 15 से 20 मिनट के भीतर पानी निकाल दिया जाता है, लेकिन 25 अगस्त को कम से कम तीन से चार क्षेत्रों में पानी पूरी तरह निकालने में एक घंटे से अधिक समय लगा। उन्होंने इसके लिए नागरिकों से तहे दिल से माफी मांगी और माना कि इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। एनडीएमसी अध्यक्ष के अनुसार, दो घंटे से भी कम समय में 72 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई, जो सामान्य परिस्थितियों के मुकाबले काफी अप्रत्याशित थी। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अत्यधिक बारिश को समस्या के लिए केवल बहाने के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए जल निकासी व्यवस्था और संबंधित प्रणालियों को और मजबूत करना होगा। मनोज द्विवेदी ने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि पूरे एनडीएमसी क्षेत्र को जलभराव से मुक्त करने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपाय किए जाएंगे। प्रशासन मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा के साथ उन स्थानों पर विशेष ध्यान देगा, जहां बारिश के बाद पानी निकालने में अधिक समय लगा। उन्होंने नागरिकों से व्यवस्था में सुधार के लिए सुझाव भी मांगे और कहा कि प्रशासन का प्रयास रहेगा कि भविष्य में लोगों को इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने और व्यवस्था में सुधार का भरोसा देने के इस कदम की सामाजिक माध्यमों पर कई लोगों ने सराहना की है।

मुंबई के मशहूर अयूब्स रेस्टोरेंट का खाद्य लाइसेंस निलंबित, गंदगी, मक्खियां और खराब खाद्य सामग्री मिलने पर कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई के फोर्ट इलाके में स्थित मशहूर अयूब्स रेस्टोरेंट का खाद्य लाइसेंस महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने निलंबित कर दिया है। 22 अगस्त को किए गए निरीक्षण के दौरान रेस्टोरेंट में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़ी कई गंभीर कमियां सामने आईं। अधिकारियों के अनुसार, परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं थी और खाद्य पदार्थों को सुरक्षित तरीके से रखने के निर्धारित मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान कच्चे और पके हुए खाद्य पदार्थों को उचित रूप से अलग-अलग नहीं रखा गया था। खाद्य पदार्थ तैयार करने वाले स्थानों पर गंदगी पाई गई। अधिकारियों को खुले और खराब स्थिति में पड़े नाले, जगह-जगह जमा पानी तथा बड़ी संख्या में मक्खियां भी मिलीं। इसके अलावा रेस्टोरेंट में कीट नियंत्रण की व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं पाई गई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अनुसार, खाद्य पदार्थों के रखरखाव में लापरवाही से उनके दूषित होने का खतरा बढ़ जाता है। निरीक्षण के दौरान अंडे और अन्य जल्दी खराब होने वाले खाद्य पदार्थों को उचित तापमान पर नहीं रखे जाने की बात भी सामने आई। विभाग ने आशंका जताई कि ऐसी परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों में हानिकारक सूक्ष्मजीवों की वृद्धि हो सकती है, जिससे भोजन से होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। अधिकारियों ने खाद्य पदार्थों को संभालने वाले कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता से जुड़ी व्यवस्थाओं में भी कमियां पाईं। खाद्य सामग्री की जांच, उनके स्रोत और उनकी आपूर्ति का पता लगाने से संबंधित अभिलेखों में भी आवश्यक जानकारी और व्यवस्था का अभाव पाया गया। निरीक्षण में सामने आई इन कमियों और नियमों के उल्लंघन के बाद महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने अयूब्स का खाद्य लाइसेंस

23 अगस्त से निलंबित कर दिया। विभाग ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई नियमित निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों के आधार पर की गई प्रशासनिक कार्रवाई है। इसका उद्देश्य खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा के निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करना है। अयूब्स मुंबई के फोर्ट क्षेत्र में लंबे समय से लोकप्रिय खाने-पीने के स्थानों में शामिल रहा है। ऐसे में प्रतिष्ठान के खिलाफ हुई कार्रवाई ने खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े किए हैं। खाद्य विभाग का कहना है कि किसी भी प्रतिष्ठान की लोकप्रियता या पुराना संचालन उसे खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन से छूट नहीं देता। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन की ओर से हाल ही में खाद्य सुरक्षा को लेकर व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान होटल, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों सहित कुल 37 स्थानों की जांच की गई। इनमें से 31 प्रतिष्ठानों को नियमों में पाई गई कमियों को दूर करने के लिए सुधार संबंधी नोटिस जारी किए गए। वहीं, गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर चार प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस निलंबित किए गए। विभाग ने कहा है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, साफ-सफाई, भंडारण, कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों की नियमित जांच जारी रहेगी।

रोशनआरा क्लब में 750 आजीवन सदस्यता का मौका, 28 अगस्त से शुरू होगा ऑनलाइन पंजीकरण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के रोशनआरा क्लब में 750 आजीवन सदस्यता के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 28 अगस्त से शुरू होगा। यह पंजीकरण 27 अक्टूबर तक चलेगा। योजना के तहत 400 सदस्यताएं गैर-सरकारी श्रेणी और 350 सदस्यताएं सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी के लिए निर्धारित की गई हैं। गैर-सरकारी श्रेणी में आजीवन सदस्यता के लिए 12.50 लाख रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है, जबकि सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की श्रेणी में सदस्यता शुल्क 4 लाख रुपये होगा। दोनों श्रेणियों के शुल्क पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अलग से लिया जाएगा। इच्छुक आवेदक रोशनआरा क्लब के ऑनलाइन सदस्यता पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। सदस्यता लेने वालों को क्लब में खेल, स्वास्थ्य, मनोरंजन और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध होंगी। क्लब

परिसर में क्रिकेट मैदान और अभ्यास पिच, टेनिस, स्क्वैश, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और पिकलबॉल जैसी खेल सुविधाएं हैं। इसके अलावा स्विमिंग पूल, बच्चों के लिए अलग पूल, बहुउद्देशीय व्यायामशाला और स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा भी उपलब्ध है। योग कक्षाओं के साथ कुछ खेलों में प्रशिक्षित प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण की सुविधा भी दी जाएगी। क्लब के भवन में विश्राम कक्ष, भोजनालय, कैफे, भोजन कक्ष, समारोह स्थल, बच्चों के लिए खेल क्षेत्र, बिलियर्ड्स और ताश कक्ष जैसी सुविधाएं भी मौजूद हैं। इस प्रकार सदस्यता लेने वालों को खेल के साथ-साथ मनोरंजन और सामाजिक गतिविधियों के लिए भी व्यापक सुविधाएं मिलेंगी।

करीब 22 एकड़ में फैला है रोशनआरा क्लब

रोशनआरा क्लब करीब 22 एकड़ में फैले हरियाली से घिरे परिसर में स्थित है। इस क्लब का भारतीय क्रिकेट से भी पुराना संबंध रहा है और इसे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के जन्मस्थल के रूप में जाना जाता है। एक सदी से अधिक पुराने इस क्लब को डीडीए ने 29 सितंबर 2023 को अपने अधीन लिया था। यह सदस्यता योजना उपराज्यपाल टीएस संधू के निर्देश पर शुरू की जा रही है। डीडीए के पास दिल्ली में 18 खेल परिसर, चार छोटे खेल परिसर और तीन सार्वजनिक गोल्फ मैदान भी हैं। रोशनआरा क्लब की नई सदस्यता योजना के माध्यम से अधिक लोगों को इसकी खेल और मनोरंजन सुविधाओं से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

दिल्ली के ली मेरिडियन होटल में 37 वर्षीय व्यक्ति की मौत, चौथी मंजिल से पूल साइड में गिरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के ली मेरिडियन होटल में मंगलवार को 37 वर्षीय दिविज मारिया की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, दिविज ने होटल की चौथी मंजिल से पूल साइड की ओर छलांग लगा दी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को दोपहर करीब 3 बजे के बाद होटल से घटना की सूचना मिली। जानकारी मिलते ही संसद मार्ग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस और अपराध जांच दल ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए तथा घटना से जुड़ी परिस्थितियों की जांच शुरू की। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि दिविज मारिया ने करीब छह महीने पहले गुरुग्राम की एक कंपनी में नौकरी छोड़ दी थी। पुलिस के अनुसार, पिछले कुछ महीनों से उनका अवसाद का उपचार चल रहा था। वह शादीशुदा थे। हालांकि, उन्होंने यह कदम क्यों उठाया, इसकी स्पष्ट वजह अभी सामने नहीं आई है। घटना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग जांच की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस होटल में मौजूद लोगों से पूछताछ करने के साथ ही घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

नांदेड़ में 5 साल की बच्ची से दरिंदगी, 30 वर्षीय युवक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में पांच साल की बच्ची से कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है. पुलिस के मुताबिक सोमवार को सोनखेड़ थाना क्षेत्र में आरोपी ने बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और वारदात को अंजाम दिया. महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में 5 साल की बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म का बेहद गंभीर मामला सामने आया है. यहां पुलिस ने इस मामले में 30 वर्षीय आरोपी को पड़ोसी परभणी जिले से गिरफ्तार किया है. घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) और बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी.पुलिस अधिकारियों के

मुताबिक यह घटना सोमवार को सोनखेड़ पुलिस थाना क्षेत्र में हुई. 5 साल की बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी. इसी दौरान आरोपी कथित तौर पर उसके पास पहुंचा और उसे चॉकलेट देने का लालच दिया. आरोप है कि आरोपी बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया. करीब आधे घंटे बाद बच्ची रोते हुए अपने घर वापस पहुंची. बच्ची की हालत देखकर परिजनों को शक हुआ और उन्होंने उससे जानकारी ली. इसके बाद कथित अपराध का पता चला. परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी. पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए कई टीमें गठित कीं. अधिकारियों ने बताया कि आरोपी घटना के बाद नांदेड़ से निकलकर पड़ोसी परभणी जिले में पहुंच गया था. मंगलवार को पुलिस टीम को उसके पालम तहसील में एक श्मशान घाट के पास झाड़ियों में छिपे होने की जानकारी मिली. इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया. पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले की आगे जांच जारी है. बच्ची को आवश्यक चिकित्सकीय जांच और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है. पुलिस ने कहा है कि मामले में कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी.

मुंबई का माहौल बिगाड़ना चाहते हैं यूपी-बिहार के कुछ नेता, मराठी विवाद पर भड़के मंत्री प्रताप सरनाईक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठी भाषा प्रवीणता अभियान को लेकर चल रहे विवाद के बीच परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ नेताओं पर मुंबई और ठाणे का माहौल खराब करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाषा के नाम पर जानबूझकर विवाद खड़ा किया जा रहा है और लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। प्रताप सरनाईक ने महाराष्ट्र सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अब तक किसी भी टैक्सी या ऑटो-रिक्शा चालक पर 500 रुपये का भी जुर्माना नहीं लगाया गया है। उन्होंने उन दावों को भ्रामक बताया, जिनमें चालकों पर 20 हजार से 25 हजार रुपये तक जुर्माना लगाए जाने की बात कही जा रही है। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य चालकों को मराठी भाषा का विशेषज्ञ बनाना नहीं, बल्कि यात्रियों से सामान्य बातचीत करने में सक्षम बनाना है। मंत्री ने कहा कि जिन चालकों की प्रशिक्षण प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है, वे मुंबई, ठाणे, भिवंडी, नालासोपारा, वसई-विरार और नवी मुंबई में मौजूद प्रशिक्षण केंद्रों पर मराठी सीख सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि मुंबई और ठाणे में स्थिति सामान्य है तथा किसी तरह का तनाव नहीं है। मराठी भाषा प्रवीणता अभियान के तहत गैर-मराठी चालकों के लिए मराठी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान जरूरी किए जाने की खबरों के बाद मुंबई के कुछ हिस्सों में चालकों ने विरोध प्रदर्शन किया था। भारी जुर्माने की अफवाहों के चलते भ्रम की स्थिति पैदा हुई, जिसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी स्पष्टीकरण देना पड़ा। सरनाईक ने बताया कि उत्तर भारतीय समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले उनकी पार्टी के नेता संजय निरूपम, समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी और ऑटो-टैक्सी यूनियन नेता शशांक राव सहित कई लोगों ने उनसे इस मुद्दे पर संपर्क किया था। मंत्री ने कहा कि अब तक किसी राजनीतिक दल या चालक संगठन ने गैर-मराठी चालकों के लिए मराठी के कार्यसाधक ज्ञान की अनिवार्यता का विरोध नहीं किया है। प्रताप सरनाईक ने आरोप लगाया कि उत्तर भारत के कुछ नेता आगामी उत्तर प्रदेश और बिहार विधानसभा चुनावों को देखते हुए मुंबई और ठाणे में क्षेत्रीय तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे वीडियो प्रसारित किए जाने का भी दावा किया, जिनमें ऑटो-रिक्शा को ट्रेनों से उत्तर भारत ले जाते हुए दिखाया गया और पृष्ठभूमि में 'हम तो चले परदेस' जैसे गाने लगाए गए, जबकि उनके अनुसार ये वाहन महाराष्ट्र में ही चल रहे हैं।

डिलीवरी कर्मी का अपहरण कर 90 हजार रुपये लूटे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पिंपरी-चिंचवड़ में गहुंजे स्टेडियम के पास एक डिलीवरी कर्मी को अगवा कर उसके साथ मारपीट और लूट की सनसनीखेज घटना सामने आई है। आरोपियों ने युवक को जबरन ऑटोरिक्शा में बैठाया और सुनसान इलाके में ले जाकर धारदार हथियार से हमला किया। इसके बाद उसके पास मौजूद करीब 90 हजार रुपये नकद लूटकर उसे घायल हालत में छोड़कर फरार हो गए। मामले में अपराध शाखा ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 24 वर्षीय पीड़ित युवक लोढ़ा सोसाइटी में डिलीवरी पूरी करने के बाद मोटरसाइकिल से वापस लौट रहा था। गहुंजे स्टेडियम के पास रास्ते में आरोपियों ने उसे रोक लिया। इसके बाद उसे

जबरन एक ऑटोरिक्शा में बैठाया और मामुर्डी इलाके में स्थित एक श्मशान घाट के पास सुनसान मैदान में ले गए। यह स्थान उस जगह से करीब दो किलोमीटर दूर बताया गया है, जहां से युवक को अगवा किया गया था। पुलिस के मुताबिक, सुनसान स्थान पर आरोपियों ने युवक पर बड़े चाकू जैसे धारदार हथियार से हमला किया। उसके सिर पर हथियार के कुंद हिस्से से भी वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपियों ने उसके पास रखे करीब 90 हजार रुपये लूट लिए और उसे वहीं छोड़कर फरार हो गए। बाद में घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। अपराध शाखा ने कार्रवाई करते हुए मामुर्डी निवासी सूरज शंकर चलवाडी, दीपक दयानंद भांडगे, अविनाश अरुण वानखेड़े, प्रथमेश उर्फ प्रतीक हरिभाऊ कांक, विराज उर्फ सनी युवराज हिरवे और इसाक राजू काजापुरम को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की उम्र 19 से 28 वर्ष के बीच है। पुलिस उपायुक्त रोहिदास पवार के अनुसार, गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। उनके खिलाफ लूट और चोरी जैसे मामलों में कार्रवाई हो चुकी है।

दिल्ली में एच1एन1 का बढ़ता प्रकोप, 24 घंटे में 258 नए मामले; फ्लू के कुल मरीज 3,239 के पार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में एच1एन1 और मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। बीते 24 घंटे में एच1एन1 के रिकॉर्ड 258 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद इस वर्ष दिल्ली में एच1एन1 संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 2,308 हो गई है। 24 अगस्त तक इन्फ्लूएंजा ए और बी के कुल मामले 3,239 पहुंच चुके हैं। दिल्ली से बाहर के मामलों को भी शामिल करने पर यह आंकड़ा 3,960 तक पहुंच गया है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 24 अगस्त को एच3 के नौ और अन्य इन्फ्लूएंजा के 49 नए मामले भी सामने आए। अब एच3 के कुल मामले 154 और अन्य इन्फ्लूएंजा के मामले 517 हो गए हैं। डॉक्टरों के अनुसार तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना, सिरदर्द, शरीर में दर्द और अत्यधिक थकान फ्लू के सामान्य लक्षण हैं। छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

कई अस्पतालों में टेमीफ्लू की उपलब्धता पर सवाल

एच1एन1 के बढ़ते मामलों के बीच इलाज में इस्तेमाल होने वाली एंटीवायरल दवा टेमीफ्लू की उपलब्धता को लेकर भी सवाल उठे हैं। पूर्वी दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में मंगलवार को दवा का स्टॉक उपलब्ध नहीं होने की जानकारी सामने आई। हालांकि, अस्पताल प्रशासन ने स्टॉक खत्म होने की जानकारी से इनकार करते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर दवा तत्काल मंगाई जाएगी। वहीं, संजय गांधी अस्पताल प्रशासन ने दवाओं और जांच से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होने की बात कही है। कुछ जांच किट की कमी होने के बाद उन्हें भी मंगाए जाने की जानकारी दी गई। दूसरी ओर, दिल्ली केमिस्ट एसोसिएशन ने दावा किया कि बाजार में टेमीफ्लू पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने लोगों से घबराने की अपील नहीं की है। उन्होंने कहा कि इस समय फ्लू के मामलों में बढ़ोतरी सामान्य मौसमी रुझान का हिस्सा है और गंभीर मरीजों की संख्या बहुत अधिक नहीं है। देशभर में फ्लू की निगरानी के लिए 23 अस्पतालों को निगरानी केंद्र बनाया गया है, जबकि 73 प्रयोगशालाएं हर सप्ताह संदिग्ध मरीजों के नमूनों की जांच कर रही हैं। स्वाइन फ्लू और मौसमी इन्फ्लूएंजा के बढ़ते मामलों को देखते हुए दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों के लिए विशेष परामर्श जारी किया है। स्कूल प्रशासन को सतर्क रहने, सावधानी बरतने और फ्लू जैसे लक्षण वाले बच्चों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। सभी स्कूलों को 31 अगस्त तक अनुपालन रिपोर्ट भी जमा करनी होगी। मामलों में बढ़ोतरी के बीच दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, एनडीएमसी और दिल्ली छावनी के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन बचाव और जागरूकता में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में अस्पतालों में मरीजों की निगरानी, जांच और उपचार व्यवस्था की समीक्षा की गई। अधिकारियों को फ्लू जैसे लक्षण और गंभीर सांस संबंधी बीमारी वाले मरीजों की निगरानी मजबूत करने, संदिग्ध मरीजों की समय पर जांच और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने तथा एंटीवायरल दवाओं सहित जरूरी चिकित्सा सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली सरकार का कहना है कि केंद्र सरकार की स्वास्थ्य संबंधी सलाह को अस्पतालों और संबंधित विभागों तक पहुंचाया गया है।

हिमाचल में भूकंप, किचन में रखे वर्तन गिरे, सुबह-सुबह लगे झटके लोग घरों से निकले

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल की राजधानी शिमला सहित आस पास के शहरों में आए भूकंप ने लोगों को डरा दिया। घरों की किचन में रखे वर्तन गिरने लगे। जब तक लोग समझ पाते तब तक झटके लगने लगे। लोग डर के चलते घरों से बाहर निकले तब पता चला कि भूकंप के झटके आ रहे हैं। सुबह 5 बजकर 46 मिनट और 50 सेकंड पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 दर्ज की गई। इसका केंद्र शिमला से करीब 66 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण दिशा में, जमीन से 10 किलोमीटर नीचे जुब्बल-कोटखाई की तरफ था। यह झटका लगभग तीन सेकंड तक महसूस किया गया, जिसके दौरान धरती डोलने पर कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, उस समय कई लोग नींद में थे, जिस वजह से उन्हें इसका पता नहीं चल पाया। कुछ नागरिकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से तेज झटका लगने की जानकारी साझा की। शिमला के अलावा सोलन, सिरमौर, बिलासपुर और मंडी के कई अन्य क्षेत्रों में भी भूकंप के झटके अनुभव किए गए। गनीमत यह रही कि इस घटना में फिलहाल किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश भौगोलिक रूप से भूकंप की दृष्टि से बेहद संवेदनशील राज्यों में आता है, जिसमें शिमला और मंडी जैसे जिले जोन-4 और जोन-5 के अंतर्गत आते हैं। सामान्य तौर पर 5.0 से कम तीव्रता वाले भूकंपों से बड़े पैमाने पर नुकसान की संभावना कम होती है। इससे पहले हाल ही में चंबा और कांगड़ा जिलों में भी भूकंप के झटके दर्ज किए जा चुके हैं। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

गोवा कैबिनेट का ऐतिहासिक कदम : गैर-कानूनी धर्मांतरण पर उम्रकैद की सजा का प्रस्ताव

पणजी (एजेंसी)। गोवा कैबिनेट ने गैर कानूनी धर्म परवर्तन निषेध विधेयक 2026 को विधानसभा में पेश करने की मंजूरी दे दी है। यह विधेयक जबरन, दबाव, लालच, धोखाधड़ी या शादी के मकसद से किए गए धर्मांतरण को रोकने के लिए कड़े प्रावधान करता है। प्रस्तावित कानून के तहत इसतरह के मामलों में दोषियों को उम्रकैद तक की सजा, न्यूनतम 50 हजार रुपये का जुर्माना और पीड़ितों को 5 लाख रुपये तक का मुआवजा देना पड़ सकता है। विधेयक प्रावधान करता है कि यदि कोई शादी केवल गैर कानूनी धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से की गई हो, तब उस शादी को अमान्य घोषित किया जा सकता है। धर्मांतरण में शामिल दोषियों को कम से कम तीन साल और अधिकतम 10 साल तक की जेल हो सकती है। यदि धर्मांतरण का शिकार कोई नाबालिग, मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति, महिला या अनुसूचित जनजाति का सदस्य है, तब यह सजा 5 से 14 साल की कैद और 1 लाख रुपये के जुर्मने तक बढ़ सकती है। मुख्य सचिव वी. कंडावेलू ने इस कानून के उद्देश्य पर कहा कि इसका मकसद कमजोर और भोले-भाले लोगों को अनुचित तरीकों से होने वाले धर्मांतरण से बचाना है। प्रस्तावित कानून के अनुसार, स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को कम से कम 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करना होगा, जबकि धर्मांतरण समारोह आयोजित करने वाले व्यक्ति को रस्म से एक महीने पहले जानकारी देनी होगी।

कंगना के पलटवार से सन्न बाबा रामदेव : जवानी पर सवाल उठाना पड़ा भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीति और मनोरंजन की दुनिया में अपने बेबाक बयानों से सुर्खियां बटोरने वाली बीजेपी सांसद कंगना रनौत और योगगुरु बाबा रामदेव के बीच छिड़ा जुबानी जंग अब व्यक्तिगत हमलों में बदल गया है। कंगना के विवादित जनरेशन गटर बयान से शुरू हुआ यह मामला, रामदेव द्वारा उनकी जवानी और अतीत पर सवाल उठाने के बाद तीखे व्यक्तिगत पलटवार में बदल गया। कंगना के करारे जवाब से सन्न हुए रामदेव को आखिरकार यह कहना पड़ा कि वह विवाद को और आगे नहीं बढ़ाना चाहते। दरअसल, जंतर-मंतर पर युवाओं को जनरेशन गटर कहने पर उठे विवाद के बीच, जब बाबा से कंगना के बयान पर सवाल पूछा गया, तब उन्होंने अभिनेत्री-सांसद पर हमला बोल दिया। रामदेव ने कहा था, 'उनका बचपन कैसा था? उनकी जवानी कैसी थी? उनके पिछले काम कैसे थे? मैं इसतरह के लोगों पर बात नहीं करना चाहता। युवाओं को जनरेशन गटर कहना विकृत मानसिकता की निशानी है।' रामदेव के इन्हीं निजी टिप्पणियों पर सांसद कंगना ने तत्काल और तीखा जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में दिवास्वप्न मत देखिए। अफवाहों और गॉसिप के आधार पर ही कुछ भी मान सकते हैं। कम से कम मुझे झूठे या भ्रामक प्रभावकारिता दावों के मामले में सुप्रीम कोर्ट से फटकार नहीं लगी।' कंगना यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने रामदेव को चरित्र पर उपदेश देने से साफ मना किया और दो टूक कहा, 'मुझे कैरेक्टर लेसन मत दीजिए। तुमसे तब बहुत ज्यादा बेहतर है मेरा कैरेक्टर। नो फॉड डिटेक्टेड हियर।' यह पलटवार पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के उस मामले की ओर इशारा था, जहां 2024 में रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को सार्वजनिक माफी मांगनी पड़ी थी।

कोर्ट के फैसले पर भड़के ओवैसी ने कहा- 'हमारा धर्म, हम तय करेंगे'

बोले- जज तय नहीं कर सकते कि इस्लाम में क्या जरूरी है; फैसले को अनुच्छेद 19 और 25 के खिलाफ बताया

हैदराबाद, एजेंसी।
स्कूलों में हिजाब या हेडस्कार्फ पहनने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कोर्ट के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह तय करना न्यायाधीशों का काम नहीं है कि इस्लाम में कौन-सी धार्मिक प्रथा जरूरी है और कौन-सी नहीं। ओवैसी ने इसे धर्म पर हमला बताते हुए कहा, 'यह हमारा धर्म है और हम तय करेंगे कि क्या जरूरी है। जज कौन होते हैं यह तय करने वाले?'

सांसद ओवैसी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले से ही धार्मिक प्रथाओं से जुड़े मामलों पर विचार कर रहा है। ऐसे में उनका कहना था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट को इस मुद्दे पर फैसला नहीं देना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट का आदेश संविधान के अनुच्छेद 19 और 25 के खिलाफ है। ओवैसी ने स्कूल छात्रा की हिजाब पहनने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि यह उसकी पसंद और निजता का मामला है। उन्होंने कहा, 'वह हिजाब अपने सिर पर पहन रही है, न कि अपने दिमाग पर।' उन्होंने दावा किया कि ऐसे फैसलों का मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में मुस्लिम छात्राओं के स्कूल नामांकन को लेकर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि ऐसे कदम उनकी शिक्षा में बाधा डाल सकते हैं।

क्या है इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला?

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 21 अगस्त को एक मुस्लिम छात्रा की याचिका खारिज कर दी थी। दरअसल प्रयागराज के एक निजी स्कूल की छात्रा ने स्कूल की निर्धारित यूनिफॉर्म के साथ सिर पर स्कार्फ पहनने की अनुमति मांगी थी। छात्रा हाई स्कूल पास करने के बाद उसी स्कूल में 11वीं कक्षा में दाखिला लेना चाहती थी। जस्टिस जे.जे. मुनीर और जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की पीठ ने कहा कि किसी छात्र को शिक्षण संस्थान द्वारा निर्धारित ड्रेस कोड में अपनी पसंद के अनुसार बदलाव करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने यह दलील भी स्वीकार नहीं की कि सिर पर स्कार्फ पहनना इस्लाम की अनिवार्य धार्मिक प्रथा है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस मुद्दे पर जिन मामलों में विभिन्न हाईकोर्ट ने विचार किया है, उनमें यह राय सामने आई है कि महिलाओं के लिए सिर पर स्कार्फ पहनना इस्लामी आस्था का ऐसा अनिवार्य हिस्सा नहीं है, जिसके बिना धार्मिक आस्था खतरे में पड़ जाए।

कर्नाटक : मंत्री नागेंद्र ने 89 करोड़ रुपये के कथित घोटाले पर इस्तीफे की पेशकश की

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित 89 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले के आरोपों के बीच, राज्य के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री बी.नागेंद्र ने अपने पद से इस्तीफे की पेशकश की है। विपक्षी भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) ने मामले को लेकर डीके शिवकुमार सरकार पर भारी दबाव बनाया हुआ था। विपक्षी भाजपा ने नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग को लेकर विधानसभा सत्र के दौरान लगातार विरोध प्रदर्शन किए, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने फ्रीडम पार्क से विधानसभा का घेराव करने का भी प्रयास किया, जिसके बाद विपक्ष के नेता आर. अशोक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया गया। विपक्ष का आरोप था कि कथित घोटाले की नैतिक जिम्मेदारी लेकर नागेंद्र को तत्काल पद से हटना चाहिए। भाजपा ने तर्क दिया कि करीब 89 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच के दौरान संबंधित मंत्री का पद पर बने रहना उचित नहीं है। लगातार विरोध प्रदर्शनों, विधानसभा में हंगामे और बढ़ते राजनीतिक दबाव के कारण ही नागेंद्र ने यह फैसला लिया। नागेंद्र की इस्तीफे की पेशकश को विपक्ष के निरंतर दबाव का परिणाम माना जा रहा है। हालांकि, उनका इस्तीफा स्वीकार करने का अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेतृत्व पर निर्भर है। विधानसभा सत्र भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन वाल्मीकि निगम के कथित घोटाले को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव अभी भी जारी है।

लोकसभा स्पीकर ने टीएमसी से 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी।
तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में 20 बागी सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका दायर की थी। इस मामले में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन सांसदों को नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब मांगा है। यह घटनाक्रम तब हुई जब सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को टीएमसी की अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला लेने में हो रही देरी को चुनौती देने वाली अभिषेक बनर्जी की याचिका पर उन 20 सांसदों से जवाब मांगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने सांसदों को नोटिस जारी किया और स्पीकर के पास लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द विचार करने को कहा है। लोकसभा स्पीकर और सेक्रेटरी जनरल की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत टीएमसी द्वारा दायर अयोग्यता याचिकाओं पर उन 20 सांसदों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

इस दलील पर प्रतिक्रिया देते हुए जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि सवाल नोटिस जारी करने का नहीं है, सवाल एक तय समय-सीमा के अंदर कार्यवाही पूरी करने का है। टीएमसी ने आरोप लगाया है कि इन 20 सांसदों ने पार्टी छोड़ दी और बाद में नेशनलिस्ट सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया में शामिल हो गए। अभिषेक बनर्जी का तर्क है कि उनके इस आचरण के कारण संविधान के दलबदल-रोधी प्रावधानों के तहत उन्हें अयोग्य ठहराया जा सकता है।

पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी अमेरिका को की थी लीक

पूर्व सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने पिछले साल हुए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि इस ऑपरेशन से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान की ओर से अमेरिका को लीक की गई होगी। पूर्व सीडीएस ने स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को लेकर पूरी तरह द्विपक्षीय बातचीत हुई थी और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं थी। ऐसे में उन्होंने इस बात पर गहरी हैरानी जताई कि भारत की आधिकारिक घोषणा से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान कैसे कर दिया।

पूर्व सीडीएस ने बताया कि गत वर्ष 29 अप्रैल को आतंकवादी ठिकानों को सटीक निशाना बनाने का अहम फैसला लिया गया था और इस पूरी प्रक्रिया के दौरान सेना पर किसी भी प्रकार का कोई राजनीतिक दबाव नहीं था। संघर्ष विराम की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) के बीच आपसी सहमति से समय तय किया गया था। फोन पर बातचीत के बाद शाम पांच बजे का समय निर्धारित हुआ था, जिससे यह पूरी तरह स्पष्ट है कि सीजफायर केवल दो सैन्य अधिकारियों के बीच की आपसी समझ का परिणाम था। जब उनसे यह सवाल किया गया कि यह गोपनीय जानकारी अमेरिका तक कैसे पहुंची, तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह सूचना भारतीय पक्ष की तरफ से बिल्कुल लीक नहीं की गई थी। उन्होंने अंदेशा जताया कि यह जानकारी निश्चित तौर पर दूसरे पक्ष यानी पाकिस्तान की तरफ से ही लीक हुई होगी। इसके अलावा, पूर्व सीडीएस ने किराना हिल्स पर किए गए हमलों की अटकलों पर भी विराम लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों वाले क्षेत्र किराना हिल्स को निशाना नहीं बनाया गया था। उन्होंने समझाया कि हमलों से पहले सरगोधा क्षेत्र में कई ड्रोन भेजे गए थे, जिनका मुख्य उद्देश्य वहां के रडार का पता लगाना था। हवा में लंबे समय तक मंडराने के बाद यदि इन ड्रोनों को कोई लक्षित स्थान नहीं मिलता है, तो वे नीचे उतरकर टकरा जाते हैं। संभवतः इसी प्रक्रिया के दौरान कोई ड्रोन किराना पहाड़ियों से टकरा गया होगा, जिसे पाकिस्तानी मीडिया ने गलत तरीके से प्रचारित किया था।

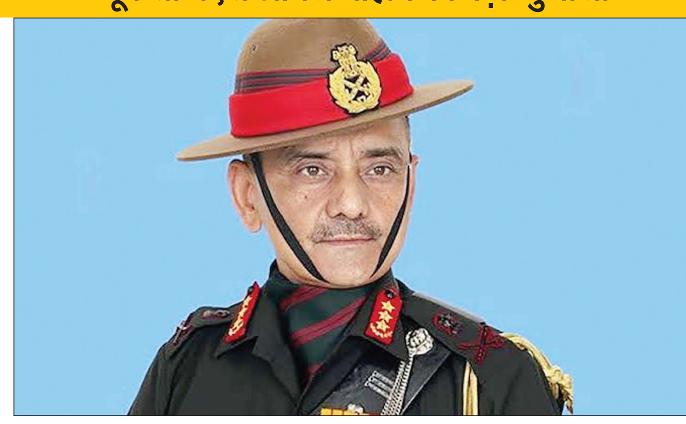

5 सितंबर को इंडिया गेट से पुलिस मुख्यालय तक मार्च का ऐलान

सीजेपी के नेताओं ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी।
जेन-जी से जुड़े एक हालिया कान्क्लेव में कॉकरोच जनता पार्टी के तीनों मुख्य चेहरे अभिजीत दीपक, आशुतोष रांका और सौरव दास शामिल हुए। इस दौरान जब अभिजीत दीपक से सवाल किया गया कि क्या वे दिल्ली केवल बवाल मचाने आते हैं और उन्होंने फिर से मार्च का ऐलान क्यों किया है, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें यह कदम मजबूरी में उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग एक महीना बीत जाने के बाद भी सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। उनका मुख्य उद्देश्य उन बच्चों के परिजनों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिलाना है जिन्होंने आत्महत्या कर ली है।

दीपके ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार के लिए एक करोड़ रुपये कोई बड़ी रकम नहीं है, क्योंकि सांसद और विधायकों की खरीद-फरोख्त में 50 से 100 करोड़ रुपये आसानी से खर्च कर दिए जाते हैं, लेकिन पीड़ित परिवारों की मदद करने में कंजूसी दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी दूसरी प्रमुख मांग छात्रों पर दर्ज की गई एफआईआर को तुरंत वापस लेने की है, क्योंकि प्रदर्शन करने वाले छात्र अपने शिक्षा से जुड़े अधिकार मांग रहे थे, न कि किसी से वोट। कार्यक्रम के दौरान घोषणा करते हुए दीपके ने बताया कि आगामी 5 सितंबर को इंडिया गेट 1.0 के तहत वे इंडिया गेट से पुलिस मुख्यालय तक शांति मार्च निकालेंगे। उन्होंने बताया कि वे आकांक्षा चतुर्वेदी के परिवार से मिले थे, जिनके पिता को बेटी की मौत के सदमे में पैरालिसिस और हार्ट अटैक आ गया था। उस परिवार ने अपनी बेटी को डॉक्टर बनाने के लिए 15 लाख रुपये का कर्ज लिया था और अब वे गहरे आर्थिक संकट में हैं। चर्चा के दौरान आशुतोष रांका से जयपुर में हुई घटनाओं और सुरक्षा चिंताओं को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी प्रकार की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि वे वोट मांगने नहीं बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था सुधारने की बात कर रहे हैं। राजस्थान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के 80 साल बाद भी यदि राजधानी के पास स्कूल भैंसों के तबेले में चल रहे हैं, तो यह शर्मनाक है। हिंसा के डर से जुड़े सवाल पर अभिजीत दीपक ने तंज कसते हुए कहा कि वे और रांका पहले ही पुलिस या विरोध के दौरान पिट चुके हैं, और अगर जरूरत पड़ी तो वे आगे भी प्रताड़ना झेलने के लिए तैयार हैं। सौरव दास ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश और केंद्र सरकार के रवैये पर बात करते हुए कहा कि मंत्रियों के वादों के बावजूद युवाओं के साथ विश्वासघात हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एफआईआर की सूची मांगने और केंद्र सरकार के वकीलों द्वारा इस पर स्पष्ट प्रतिबद्धता न दिखाने के कारण उन्हें युवाओं के हित में यह बड़ा कदम उठाना पड़ा है।

जनता ने जिस सीएम को नकारा है उन्हें वही पसंद है : पूनावाला

-शहजाद का अभिजीत दीपके पर पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी।
सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके द्वारा कुछ मुख्यमंत्रियों को देश के सर्वश्रेष्ठ नेताओं की सूची में शामिल करने पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी से जुड़े रहे शहजाद पूनावाला ने अभिजीत दीपके और उनकी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर तीखा हमला बोला है। पूनावाला ने कहा है कि दीपके को जिन मुख्यमंत्रियों को अच्छे लगते हैं, उन्हें जनता पहले ही नकार चुकी है। उन्होंने सीजेपी को फ्रॉड पार्टी करार देते हुए दीपके के चुने गए तीन मुख्यमंत्रियों के चयन पर गंभीर सवाल उठाए।

हाल ही में एक कार्यक्रम में अभिजीत दीपके ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) के नेता एमके स्टालिन और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को देश के सबसे अच्छे मुख्यमंत्रियों में शामिल किया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शहजाद पूनावाला ने कहा, ये तीनों ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्हें उनकी जनता ने रिजेक्ट कर दिया है। तो सीजेपी को वो सीएम अच्छे लगते हैं, जिन्हें जनता ने रिजेक्ट कर दिया है। उन्होंने तंज कसा कि कॉकरोच जनता पार्टी में से जनता को हटाकर सिर्फ कॉकरोच पार्टी कर देना चाहिए, क्योंकि जनता का निर्णय कुछ और रहा है। पूनावाला ने अभिजीत दीपके के दावों का खंडन करते हुए तमिलनाडु की अर्थव्यवस्था पर एमके स्टालिन के कार्यकाल को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्टालिन ने तमिलनाडु की नहीं, बल्कि अपने परिवार की अर्थव्यवस्था और अपने बेटे का उदय किया। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि स्टालिन के पांच सालों के कार्यकाल में तमिलनाडु का कर्ज 2021 में 4.86 लाख करोड़ से बढ़कर 9.52 लाख करोड़ हो गया था। पूनावाला ने टिप्पणी की, जितना 60-70 सालों में बढ़ा, उतना पांच सालों में स्टालिन ने बढ़ाया। ये अच्छा कर रहे थे इकोनॉमी को।

केरल के पूर्व सीएम पिनराई विजयन के स्वास्थ्य मॉडल की तारीफ पर भी पूनावाला ने आपत्ति जताई। उन्होंने कोविड की दूसरी लहर का जिक्र करते हुए कहा कि केरल की आबादी साढ़े तीन करोड़ थी, और आंकड़ों के अनुसार वहां 71 हजार मौतें हुईं। इसकी तुलना में, उत्तर प्रदेश की आबादी 24 करोड़ थी और वहां कोविड से जुड़ी मौतें 23 हजार 700 हुईं थीं। पूनावाला ने इसे कुप्रबंधन बताते हुए कहा, छोटा राज्य होने के बावजूद केरल में यूपी से ज्यादा मौतें हुईं। ये था केरल हेल्थ मॉडल।

अन्नपूर्णा योजना पर ममता के सवाल, सुवेंदु ने आंकड़ों के साथ दिया जवाब

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल की राजनीति में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के बीच जुबानी जंग एक बार फिर तेज हो गई है। इस बार विवाद की वजह अन्नपूर्णा योजना को लेकर उठे सवाल हैं। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर योजना के लाभ को लेकर सवाल उठाए, जिसके बाद सुवेंदु अधिकारी ने आंकड़े पेश करते हुए उनके आरोपों का जवाब दिया। दोनों नेताओं के बीच बयानबाजी ने राज्य की राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है।

ममता बनर्जी ने सोमवार दोपहर सोशल मीडिया लाइव के दौरान अन्नपूर्णा योजना को लेकर कई सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि कुछ महिलाओं को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है और आरोप लगाया कि लाभार्थियों के चयन में जाति को आधार बनाया जा रहा है। उन्होंने ऐसे लोगों की जानकारी जुटाने की अपील की, जिन्हें कथित तौर पर योजना का लाभ नहीं मिला है। ममता ने कहा कि वह लोगों के साथ पहले भी खड़ी थीं और आगे भी रहेंगी।

सुवेंदु ने बताए लाभार्थियों के आंकड़े

ममता के आरोपों पर सुवेंदु अधिकारी ने आंकड़े पेश करते हुए कहा कि अन्नपूर्णा योजना के तहत अब तक 1 करोड़ 45 लाख 64 हजार 472 लाभार्थियों को फायदा मिला है। उनके मुताबिक, इनमें करीब 19 लाख 20 हजार मुस्लिम लाभार्थी भी शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि योजना का लाभ देते समय जाति और धर्म को आधार नहीं बनाया जाता।उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों की करीब एक लाख महिलाओं को योजना के तहत लाभ मिलने का भी दावा किया। नंदीग्राम के एक ब्लॉक का उदाहरण देते हुए अधिकारी ने कहा कि वहां दो हिंदू और 52 मुस्लिम परिवारों को आवास के लिए आर्थिक सहायता दी गई। उनके मुताबिक, सरकार का प्रयास है कि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ मिले।

सुवेंदु अधिकारी ने यह भी कहा कि अन्नपूर्णा योजना को लेकर सरकार के पास करीब 4.5 लाख शिकायतें पहुंची हैं। इनमें योजना का लाभ मिलने और लाभ से वंचित रहने, दोनों तरह की शिकायतें शामिल हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि योजना का उद्देश्य सभी पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाना था तो शुरुआत में इसे 25 से 60 वर्ष की आयु सीमा तक क्यों सीमित किया गया। उन्होंने बताया कि शिकायतों के समाधान के लिए एक पोर्टल भी शुरू किया गया है। आंकड़े गिनाने के बाद सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी के सोशल मीडिया लाइव को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ममता दोपहर में सोशल मीडिया पर ही रहती हैं और उन्हें सड़कों पर निकलने की जरूरत नहीं है।उन्होंने ममता की हालिया राजनीतिक गतिविधियों पर भी कटाक्ष किया और बारुईपुर तथा हलीशहर में उनके कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए खेल के उदाहरण दिए।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया। अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड की अप्रत्याशित रूप से अधिक बायबैक की घोषणा के बाद से ही सोने की कीमतें तीन महीने के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गयीं। वैश्विक बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,700 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया। चांदी भी 69 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई है। इस तेजी से निवेशकों का ध्यान एक बार फिर सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन धातुओं की ओर बढ़ा है।

वहीं घरेलू बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में उछाल देखा तेजी रही। एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1,63,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब, जबकि चांदी का भाव 2,45,700 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब कारोबार कर रहा था।

एमसीएक्सा पर सोने के बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध की शुरुआत तेजी के साथ हुई। यह 320 रुपये की बढ़त के साथ 1,63,202 रुपये के भाव पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,62,882 रुपये था। वर्तमान समय में, यह अनुबंध 254 रुपये की तेजी के साथ 1,63,136 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार के दौरान ये 1,63,202 रुपये के उच्च स्तर और 1,62,021 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा।

इसी प्रकार चांदी के वायदा भाव में भी बड़ी तेजी रही। एमसीएक्स पर सितंबर अनुबंध 1,456 रुपये की बड़ी बढ़त साथ 2,45,583 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,44,127 रुपये था। दिन के दौरान इसका उच्चतम स्तर 2,46,180 रुपये और न्यूनतम स्तर 2,45,430 रुपये रहा। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने चांदी के वायदा भाव में सकारात्मक रुख जारी है। सोने का भाव 4,715.70 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने तक 10.90 डॉलर की तेजी के साथ 4,705.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इसका पिछला बंद भाव 4,694.50 डॉलर प्रति औंस था।

ईरान-अमेरिका युद्ध से परेशान एनआरआई भारत में खरीद रहे महंगे मकान

मुंबई, बेंगलूरु और एनसीआर में 1 से 5 करोड़ के अपार्टमेंट करा रहे बुक

नई दिल्ली।

ईरान युद्ध के चलते प्रवासी भारतीय भारत में महंगे मकान खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। रियल एस्टेट कंपनियों के मुताबिक करीब छह महीने से जारी ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में अनिश्चितता के बीच एनआरआई भारत में लक्जरी मकान खरीदने के लिए बातचीत बढ़ा रहे हैं। पूर्वंकरा सीईओ ने कहा कि एनआरआई की दिलचस्पी बढ़ती दिख रही है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में हमारी प्री-सेल्स में एनआरआई की हिस्सेदारी 9 फीसदी थी, जो चौथी तिमाही में बढ़कर 13 फीसदी और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 15 फीसदी तक पहुंच गई है।

खास बात यह है कि एनआरआई की तरफ से आ रही मांग का करीब 87 फीसदी हिस्सा पश्चिम एशिया से है। उन्होंने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में रहने वाले एनआरआई 'आज भारत को निवेश का स्थिर और लंबे समय का ठिकाना मान रहे हैं। इस साल 28 फरवरी को लड़ाई छिड़ने के बाद से जीसीसी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान के हमले होते रहे हैं। रियल एस्टेट डेवलपरों और अधिकारियों का कहना है कि एनआरआई मुंबई, बेंगलूरु और एनसीआर में 1 से 5 करोड़ रुपए के अपार्टमेंट बुक करा रहे हैं। लोढ़ा डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए कंपनी की अर्निंग्स कॉल के दौरान अनुमान लगाया कि यह रुझान पिछले साल से उलटा हो सकता है। उन्होंने कहा कि विदेश में उथल-पुथल के कारण एनआरआई भारत में सुरक्षित ठिकाना तलाशेंगे। हमें उम्मीद है कि आव्रजन से जुड़ी वजहों से अमेरिका में रहने वाले खरीदार भी ऐसा ही करेंगे। पिछले साल भारत से करीब 35,000 करोड़ रुपए का निवेश दुबई के रियल एस्टेट में हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 183, निफ्टी 126 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान एफएमसीजी और ऑटो शेयरों के साथ ही आईटी में भी गिरावट रही जिससे भी बाजार धारणा कमजोर हुई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 183.15 अंक गिरकर 77,472.94 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.80 नीचे आकर 24,207.75 पर बंद हुआ।

आज सुबह सेंसेक्स बढ़त के साथ 77,892.10 पर खुला। वहीं, निफ्टी अपने 7.40 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,341.95 पर खुला। व्यापक बाजार में भी मिश्रित कारोबार देखने को मिला, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में गिरावट रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी दर्ज की गई।

निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी रियल्टी का प्रदर्शन भी खराब रहा।

वहीं, निफ्टी मेटल, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सीमेंट का प्रदर्शन बेहतर रहा। आज कोटक

महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी लाइफ और एसबीआई लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही, जबकि भारती एयरटेल, पावरग्रिड, इंफोसिस, एलएंडटी, नेस्ले इंडिया और श्रीराम फाइनेंस सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती घंटों में ही सेंसेक्स 240 अंक बढ़कर 77,900 के स्तर के करीब पहुंच गया जबकि निफ्टी 24,300 अंक ऊपर आया। दूसरी ओर एशिया-प्रशांत के ज्यादातर बाजार भी बढ़त पर रहे।

अगले दशक में भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ के निवेश की दरकार

नई दिल्ली। देश में आर्थिक उदारीकरण शुरू होने के पांच साल बाद 1996 में अर्थशास्त्री राकेश मोहन ने वित्त मंत्रालय को अहम दस्तावेज सौंपा। इस दस्तावेज ने भारत के अवसंरचना या बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परिभाषा ही बदल दी। मोहन उस समय राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के महानिदेशक हुआ करते थे। भारतीय अवसंरचना रिपोर्ट शीर्षक नाम से मोहन के इस दस्तावेज में वैश्विक रुझानों और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बढ़ाने के भारत की महत्त्वाकांक्षाओं का जिक्र किया गया था। इस दस्तावेज में उस क्षेत्र में निजी क्षेत्र की ज्यादा भागीदारी पर जोर दिया जिसमें सरकार का दबदबा था। इस रिपोर्ट ने उन कई सुधारों का रास्ता भी साफ हो गया जो भारत में आने वाले सालों में अपनाए गए थे।रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि अगले दशक में भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश की दरकार होगी। साथ ही, इसमें कहा गया था कि निजी निवेश की हिस्सेदारी 5 फीसदी से बढ़ाकर 44 फीसदी करने की जरूरत है। इसके बाद के सालों में सरकार को एहसास हुआ कि जर्जर हो रहे अवसंरचना क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलना बहुत जरूरी है।

इसके बाद खासकर पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के दौरान कई बड़ी परियोजनाएं शुरू की गईं जिनके जरिये संपर्क को बढ़ावा मिला। इनमें 'स्वर्णिम चतुर्भुज' परियोजना भी शामिल थी। उस समय के कुछ जानकारों ने इस परियोजना को 16वीं शताब्दी में शेर शाह सूरी द्वारा बनाए गए 'ग्रांड ट्रंक रोड' के बाद अपनी तरह का सबसे बड़ी परियोजना बताया था।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

न्यूयार्क ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। कीमतों में ये गिरावट वैश्विक आपूर्ति मार्ग होर्मुज पर तनाव में कमी से आई है। कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेज गिरावट दर्ज की गई। इससे अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड 2 फीसदी ने फिसलकर 80 डॉलर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब आ गया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड भी लगभग 2.25 फीसदी की गिरावट के साथ ही 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। इस गिरावट के पीछे मुख्य कारण विश्व के प्रमुख तेल आपूर्ति मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होनो है जिससे जहाजों का आवागमन बेहतर हुआ है। ईरान और ओमान के बीच इस प्रमुख् समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही को बेहतर बनाने बातचीत जारी है। , इन देशों के बीच चल रही वार्ताओं से यह उम्मीद जगी है कि आने वाले समय में तेल वाहक जहाजों की आवाजाही आसान हो जाएगी। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों देश एक अस्थायी समुद्री मार्ग स्थापित करने और समुद्र में मौजूद बारूदी सुरंगों को हटाने पर भी विचार कर रहे हैं। इन सकारात्मक घटनाक्रमों ने बाजार में तेल आपूर्ति की कमी के डर को काफी हद तक कम कर दिया है, जिससे निवेशकों का रुख बिकवाली की ओर मुड़ गया है।बुधवार सुबह (भारतीय समयानुसार लगभग 8 बजे), डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा 2 डॉलर यानी 2.43 फीसदी गिरकर 80.36 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

देश में चल रहे कई बड़े प्रोजेक्ट, मजदूरों की कमी से कई काम नहीं हो पा रहे पूरे

कंपनियों को हो रहा घाटा 10 फीसदी घटी कमाई, देरी से बढ़ रही प्रोजेक्ट की लागत,

नई दिल्ली, ।

देश में सड़क, रेलवे, मेट्रो, बिजली और दूसरे बड़े प्रोजेक्ट पर काम जारी है। कंपनियों को नए ऑर्डर भी मिल रहे हैं, लेकिन अब एक नई परेशानी सामने आ रही है। काम तो है, लेकिन उसे पूरा करने के लिए मजदूर नहीं मिल रहे। इसका असर प्रोजेक्ट की रफ्तार से लेकर कंपनियों की कमाई पर पड़ने लगा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में देश की 13 बड़ी लिस्टेड इंफ्रा कंपनियों को मिले नए ऑर्डर पिछले साल के मुकाबले 63 फीसदी बढ़े, लेकिन इसके बावजूद इन कंपनियों की कुल आमदनी पिछले साल के आसपास ही रही और पिछली तिमाही के मुकाबले 10 फीसदी घट गई।

रिपोर्ट के मुताबिक किसी कंपनी को 5,000 या 10,000 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिल जाना और उससे कमाई होना एक बात नहीं है। कंपनी की कमाई तब होती है, जब वह जमीन पर काम करती है। सड़क बनती है, पुल तैयार होता है या रेलवे से जुड़ा काम करती है। इसके लिए मशीनों और इंजीनियरों के साथ बड़ी संख्या में मजदूर चाहिए होते हैं। रिपोर्ट में बताया कि पहली तिमाही में राज्यों के चुनाव के कारण मजदूरों से जुड़ी परेशानी देखने को मिली। इसका असर काम की रफ्तार पर पड़ा यानी कंपनियों के पास ऑर्डर थे, लेकिन मजदूरों की कमी के कारण काम की रफ्तार धीमी रही।

मजदूरों की कमी से कंपनियों के सामने एक और परेशानी खड़ी होती है। जब काम ज्यादा हो और मजदूर कम मिलें तो मजदूरी बढ़ जाती है यानी कंपनी को वही काम कराने के लिए पहले से ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ता है। अगर मजदूर समय पर नहीं मिलते तो प्रोजेक्ट पूरा होने में भी ज्यादा समय लगता है। इसका सीधा असर कंपनी के मुनाफे पर पड़ता है। हालांकि कंपनियों की कमजोर तिमाही के लिए सिर्फ मजदूरों की कमी जिम्मेदार नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के कारण कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने भी कंपनियों का खर्च बढ़ाया है। इसके साथ मजदूरी की लागत भी बढ़ी है। नतीजा 13 कंपनियों का कामकाजी मुनाफे का मार्जिन पिछले साल के मुकाबले करीब 1.10 फीसदी घटकर 10 फीसदी रह गया। वहीं शुद्ध मुनाफे से जुड़ा मार्जिन करीब 1.30 फीसदी घटकर 4 फीसदी रह गया है।

अगर मजदूरों की परेशानी लंबे समय तक रहती है तो इसका असर आम लोगों तक भी पहुंच सकता है। सड़क, पुल, रेलवे लाइन, मेट्रो या दूसरे प्रोजेक्ट को पूरा होने में ज्यादा समय लग सकता है। काम लंबा खिंचा तो उसकी लागत भी बढ़ जाती है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि देश के सभी इंफ्रा प्रोजेक्ट मजदूरों की कमी से अटक जाएंगे। अलग-अलग कंपनी, राज्य और प्रोजेक्ट पर इसका असर अलग हो सकता है।

तमिलनाडु में बच्चों को सोने की अंगूठी- दिग्गज ज्वैलर्स सिर्फ एक पैसे में बनाएंगे

योजना में 22 कैरेट सोने की अंगूठी उपहार में दी जाएगी

चेन्नई, ।

तमिलनाडु सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी 'थाईमामन थंगा मोथिरम थिट्टम' योजना शुरू की है, जिसके तहत राज्य के सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को एक ग्राम, 22 कैरेट सोने की अंगूठी उपहार में दी जाएगी। इस विशाल परियोजना को साकार करने के लिए, दो प्रमुख आभूषण कंपनियों, जोयालुक्कास और कल्याण ज्वेलर्स को लाखों अंगूठियां बनाने का ठेका दिया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि ये दिग्गज ज वैलर्स, जो आमतौर पर ग्राहकों से भारी मेकिंग चार्ज वसूलते हैं, थलापति विजय सरकार से प्रति अंगूठी केवल 1 पैसे का सांकेतिक सेवा शुल्क लेने वाले है। मामा की सोने की अंगूठी योजना' नाम से जानी जाने वाली पहल, राज्य में प्रसव के लिए सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को चुनने के लिए परिवारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। तमिल संस्कृति में नवजात शिशु के आगमन पर मामा द्वारा उपहार देने की परंपरा से प्रेरित यह योजना, मुख्यमंत्री थलपति विजय की पार्टी के चुनावी वादे का हिस्सा है। विजय सरकार ने योजना के लिए प्रति वर्ष 755.83 करोड़ का भारी-भरकम बजट निर्धारित किया है, जो इसकी व्यापक पहुंच और प्रभाव को दिखाता है।यह असाधारण 1 पैसे का सेवा शुल्क केवल मेकिंग चार्ज तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें निर्माण से लेकर अस्पताल तक अंगूठियों के सुरक्षित परिवहन का बीमा, साथ ही 22 कैरेट सोने की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए बीआईएस हॉलमार्किंग का खर्च शामिल है। सोने की बाजार कीमत का भुगतान विजय सरकार अलग से करेगी।

इस ठेका को पाने के लिए कुल 11 आभूषण कंपनियों ने बोली लगाई थी, लेकिन जोयालुक्कास और कल्याण ज्वैलर्स ने सबसे कम, यानी 1 पैसे प्रति अंगूठी की दर पेश की।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.31 पर बंद हुआ आज सुबह रुपया 95.40 पर खुला था। कच्चे तेल में आई गिरावट से भी रुपया मजबूत हुआ है। वहीं गत दिवस रुपया गिरावट पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सरकारी बैंकों के जरिये भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लगातार हस्तक्षेप से रुपये की गिरावट को अधिक बढ़ने से रोकने में मदद मिली। इससे एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी और ईरान को लेकर फिर बढ़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद रुपया सीमित दायरे में रहा।

बीमा सेक्टर में कमीशन से लेकर बेचने तक के बदल सकते हैं नियम, बदलाव की है तैयारी

बीमा सेक्टर में प्रीमियम तो बढ़ रहा है, लेकिन पॉलिसी की संख्या नहीं

नई दिल्ली, ।

लाइफ इंश्योरेंस सेक्टर में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। आईआरडीएआई की नजर अब बीमा कंपनियों के कमीशन, बैंकों के जरिए पॉलिसी बेचने के तरीके और ग्राहकों को सही पॉलिसी देने जैसे मुद्दों पर है। अगर ये बदलाव होते हैं तो इसका असर एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, आईसीआईसीआई प्रोडेंटल लाइफ और एक्सिस मेक्स लाइफ जैसी कंपनियों पर पड़ सकता है। बीमा सेक्टर की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि प्रीमियम तो बढ़ रहा है, लेकिन पॉलिसी की संख्या नहीं।

बता दें वित्त वर्ष 2020 से 2025 के बीच नई पॉलिसी की संख्या हर साल औसतन 1.3 फीसदी घटी। वहीं नई पॉलिसी से मिलने वाला प्रीमियम करीब 8.9 फीसदी सालाना बढ़ा। इस दौरान कंपनियों का कमीशन खर्च भी करीब 14.5 फीसदी सालाना बढ़ा है यानी कंपनियों की ग्रोथ ज्यादा ग्राहक जोड़ने के बजाय महंगी पॉलिसी बेचने से आ रही है। वित्त वर्ष 2025 में लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों ने करीब 60,800 करोड़ रुपए कमीशन दिया। अब इस बात पर चर्चा है कि एजेंट और डिस्ट्रीब्यूटर को मिलने वाले पैसे का तरीका बदला जाए। मतलब कमीशन का कुछ हिस्सा इस बात से जोड़ा जा सकता है कि ग्राहक कितने समय तक पॉलिसी चालू रखता है। इससे सिर्फ पॉलिसी बेचने के बजाय उसे लंबे समय तक जारी रखने पर भी जोर बढ़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक 13वें महीने तक औसतन करीब 73.6 फीसदी पॉलिसी जारी रहती हैं। 37वें महीने तक यह आंकड़ा घटकर करीब 58.5 फीसदी रह जाता है यानी बड़ी संख्या में लोग कुछ साल बाद पॉलिसी छोड़ देते हैं। इसकी वजह महंगा प्रीमियम या ग्राहक की जरूरत के हिसाब से सही पॉलिसी नहीं मिलना हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक बैंकों के जरिए बीमा बेचने के नियमों में बदलाव हुआ तो एसबीआई लाइफ पर ज्यादा नजर रहेगी। कंपनी के करीब 60 फीसदी एपीई का स्रोत उसकी पैरेंट बैंक से जुड़ा है।

वहीं एचडीएफसी लाइफ और एक्सिस मेक्स लाइफ पहले से ऐसे मॉडल पर काम करती हैं, जहां पैरेंट बैंक दूसरी बीमा कंपनियों की पॉलिसी भी बेच सकता है। शुरुआत में नए नियमों से बीमा कंपनियों की बिक्री पर कुछ दबाव पड़ सकता है, लेकिन लंबे समय में ग्राहकों को उनकी जरूरत के हिसाब से बेहतर पॉलिसी मिलने और पॉलिसी बीच में छोड़ने के मामले कम होने से इंडस्ट्री को फायदा हो सकता है। फिलहाल ये बदलाव चर्चा में हैं।

विदेशी यात्रियों की आवाजाही प्रभावित होने के बाद भी भारत में होटलों ने की कमाई

घूमने-फिरने वाली जगहों के होटलों का प्रदर्शन बड़े कारोबारी शहरों के मुकाबले बेहतर रहा

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में तनाव के कारण विदेशी यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हुई, फिर भी भारत में होटल की मांग मजबूत बनी रही। घूमने-फिरने, शादियों और बड़े कारोबारी कार्यक्रमों के लिए होटल की मांग ने सेक्टर को सहारा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में होटल सेक्टर की प्रति उपलब्ध कमरे से होने वाली कमाई करीब 10 फीसदी बढ़ी। कमरे का औसत किराया 6 फीसदी बढ़ा और कमरों की भराव दर करीब 2.33 फीसदी बढ़कर 65 फीसदी पहुंची यानी होटल कंपनियां ज्यादा कमरे चढ़ाने के साथ उनका किराया भी बढ़ाने में कामयाब रहीं। निवेशकों के लिए यही इस सेक्टर की सबसे अहम बात है।

रिपोर्ट के मुताबिक पहली तिमाही में मुंबई और घूमने-फिरने वाली जगहों के होटलों का प्रदर्शन बड़े कारोबारी शहरों के मुकाबले बेहतर रहा। इसके पीछे घरेलू यात्रियों की बड़ी भूमिका रही। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा प्रभावित हुई और विदेशी पर्यटकों की संख्या पर दबाव पड़ा।

अमेरिका ने 'ऑपरेशन इकनॉमिक आउटकास्ट' शुरू किया तो भारत पर भी पड़ेगी मार

भारत का बासमती चावल निर्यात और व्यापार प्रभावित होने का खतरा, व्यापारी परेशान

नई दिल्ली, ।

ईरान से लड़ाई में कोई निर्णायक नतीजा नहीं मिलने के बाद अब ट्रंप प्रशासन ने ईरान की अर्थव्यवस्था को घेरने के लिए जो 'ऑपरेशन इकनॉमिक आउटकास्ट' शुरू किया है, उसकी मार भारत को झेलनी पड़ सकती है। ईरान के साथ पहले ही घटते भारत के व्यापार में अमेरिका के इस कदम से और भी कमी आ सकती है, साथ ही पश्चिम एशिया में मालभाड़े और कच्चे तेल से जुड़े जोखिम बढ़ सकते हैं। ट्रंप प्रशासन ने ईरान पर अपने 'आर्थिक हमले' का पूरा ब्योरा नहीं दिया लेकिन अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसंट ने देशों से तुरंत कदम उठाने को कहा और ईरान के साथ व्यापार करने पर प्रतिबंध की धमकी भी दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेसंट ने कहा कि आने वाले दिनों में नए प्रतिबंधों के ऐलान होंगे, जिनकी जद में एक बड़ा वित्तीय संस्थान भी आ सकता है।

भारत हर साल करीब 50-60 लाख टन बासमती चावल का निर्यात करता है, जिसमें करीब 10 लाख टन चावल ईरान भेजता है। वित्त वर्ष 2026 में भारत से ईरान को कुल 1.3 अरब डॉलर मूल्य का निर्यात हुआ था, जिसमें करीब 60 फीसदी हिस्सा बासमती चावल का था। यहां के बासमती चावल निर्यातकों को डर है कि द्वितीयक प्रतिबंध के कारण ईरान को आपूर्ति और घट सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के प्रमुख चावल निर्यातक ने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट बंद होने और ईरान तक माल पहुंचाने में आ रही दिक्कतों का असर इस साल अप्रैल से ही हमारे बासमती चावल निर्यात पर पड़ रहा है।

आपूर्ति और घटी तो तगड़ी चोट पड़ेगी। अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ के अध्यक्ष ने कहा कि असली संकट तो तब शुरू होगा जब प्रतिबंधों के कारण यूएई ईरान को बेचे गए चावल की कीमत चुकाना बंद कर देगा। उन्होंने कहा कि हमारे ज्यादातर खरीदार यूएई में हैं और अगर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान को हुई आपूर्ति के लिए यूएई के रास्ते होने वाला भुगतान रुका तो समस्या आएगी। कुछ कारोबारियों का मानना है कि ईरान पर प्रतिबंध बार-बार लगते रहे हैं इसलिए निर्यातकों को ईरान तक अपना सामान भेजने के लिए वैकल्पिक रास्ते खोजने होंगे, क्योंकि यह बहुत बड़ा बाजार है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

जुलाई में मॉनसून सुधार से खरीफ बोआई सामान्य के करीब, घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत दिखी

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून में सुधार होने से खरीफ बोआई को सामान्य के करीब लाने में मदद मिली। इससे कृषि क्षेत्र के लिए जोखिम आंशिक रूप से कम हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू अर्थव्यवस्था ने वैश्विक चुनौतियों के प्रति काफी मजबूती दिखाई है, जिसका संकेत घरेलू मांग में उछाल और विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों से मिलता है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मॉनसून जून में सुस्त रहने के बाद जुलाई में काफी सक्रिय दिखा। ऐसे में देश भर के जलाशयों का भंडारण एक दशक के औसत के करीब और पिछले अल नीनो वर्ष 2023 के स्तर से ऊपर रहा। जून के आखिर में बारिश की कमी कुल मिलाकर 38 फीसदी थी जो घटकर जुलाई के अंत तक 13 फीसदी रह गई है।हालांकि यह स्पष्ट किया गया है कि इस रिपोर्ट में बताई गई बातें लेखकों की निजी राय हैं और वे आरबीआई की राय को नहीं दर्शाती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वर्ष खरीफ बोआई की अस्थायी प्रगति 2023 के मुकाबले बेहतर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगस्त से सितंबर के लिए देश भर में मॉनसून की बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में मॉनसून की गतिविधियों में सुधार होने से खरीफ फसलों के रकबे में सुधार हुआ। सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष के लिए खुले बाजार में बिक्री योजना (ओएमएसएस) की भी घोषणा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन और ट्रैक्टर बिक्री समेत कई संकेतकों से घरेलू मांग दमदार बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की वृहद आर्थिक बुनियादी स्थिति दमदार रहने से घरेलू अर्थव्यवस्था को सहारा मिला। पहली तिमाही में दिखी यह रफ्तार जुलाई में भी जारी रही। अधिकतर संकेतक विनिर्माण और सेवा गतिविधियों में तेजी की रफ्तार जारी रहने और वस्तुओं के निर्यात एवं आयात में दो अंकों की वृद्धि को दर्शाते हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि पेट्रोलियम उत्पादों की खपत वृद्धि तीन महीनों की नरमी के बाद सकारात्मक हो गई है। इसी प्रकार औद्योगिक उत्पादन में भी जून में तेज वृद्धि हुई। इसे मुख्य तौर पर विनिर्माण में तेजी से रफ्तार मिली। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य और पेय पदार्थों के कारण जुलाई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि हुई लेकिन कीमती धातुओं को छोड़कर मुख्य मुद्रास्फीति मध्यम बनी रही।

भारत का सबसे खतरनाक जंगल सुंदरबन

विश्व में पायी जाने वाली कई अति दुर्लभ प्रजातियां सिर्फ सुंदरबन में पाई जाती है. पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश तक फैला सुंदरवन देसी-विदेशी सभी पर्यटकों को आकर्षित करता है. यहां की हरी-भरी छटा व मनमोहक लुभावने दृश्य आपको इस स्थान का दीवाना बना देंगे. जी है दोस्तों, आज का हमारा लेख सुंदरबन से संबंधित है आज हम आपको सुंदरबन से जुड़े वे सभी रोचक व दिलचस्प तथ्य बताने जा रहे हैं

बड़ा नदी डेल्टा है। बहुत सी प्रसिद्ध वनस्पतियों और प्रसिद्ध बंगाल टाईगर का निवास स्थान है। यह डेल्टा धीरे धीरे सागर की ओर बढ़ रहा है। कुछ समय पहले कोलकाता सागर तट पर ही स्थित था और सागर का विस्तार राजमहल तथा सिलहट तक था, परन्तु अब यह तट से 15-20 मील (24-32 किलोमीटर) दूर स्थित लगभग 1,80,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। यहाँ बड़ी तादाद

दलदली द्वीप समूह

बंगाल की खाड़ी में हुगली नदी के मुहाने (शरत) से मेघना नदी के मुहाने (बांग्लादेश) तक 260 किमी तक विस्तृत एक व्यापक जंगली एवं लवणीय दलदली क्षेत्र, जो गंगा डेल्टा का निचला हिस्सा बनाता है, यह 100-130 किमी में फैला अंतर्स्थलीय क्षेत्र है। मुहानों के एक संजाल, लहरों वाली नदियों और अनेक नहरों द्वारा कटी हुई खाड़ियों के साथ इस भूक्षेत्र में घने जंगलों से ढके दलदली द्वीप समूह हैं।

सुंदरी का वन

सुंदरबन नाम संभवतः 'सुंदरी का वन' से लिया गया है, जिसका संबंध ईंधन के लिए मूल्यवान लकड़ी उपलब्ध कराने वाले एक विशाल मैंग्रोव वृक्ष से है। समुद्र तट के साथ वन मैंग्रोव वाले दलदलों में परिवर्तित होते है; दक्षिणी क्षेत्र विभिन्न जंगली जानवरों और घड़ियालों से भरा हुआ है और वस्तुतः निर्जन है। यह बंगाल के शेर का आखिरी संरेक्षित क्षेत्र और बाघ संरक्षण परियोजना का स्थल है। कृषि योग्य उत्तरी क्षेत्र में चावल, गन्ना, लकड़ी और सुपारी की खेती होती है।

में सुंदरी पेड़ मिलते हैं जिनके नाम पर ही इन वनों का नाम सुंदरवन पड़ा है। इसके अलावा यहाँ पर देवा, केवड़ा, तर्मजा, आमलोपी और गोरान वृक्षों की ऐसी प्रजातियाँ हैं, जो सुंदरवन में पाई जाती हैं। यहाँ के वनों की एक खास बात यह है कि यहाँ वही पेड़ पनपते या बच सकते हैं, जो मीठे और खारे पानी के मिश्रण में रह सकते हों।

सुंदरवन डेल्टा में नदियाँ

सुंदरवन डेल्टा में भूमि का ढाल अत्यन्त कम होने के कारण यहाँ गंगा

मुहाने पर जमा कर देती है जिससे डेल्टा का आकार बढ़ता जाता है और नदी की कई धाराएँ एवं उपधाराएँ बन जाती हैं। इस प्रकार बनी हुई गंगा की प्रमुख शाखा नदियाँ जालंगी नदी, इच्छामती नदी, भैरव नदी, विद्याधरी नदी और कालिन्दी नदी हैं। नदियों के वक्र गति से बहने के कारण दक्षिणी भाग में कई धनुषाकार झीलें बन गयी हैं। ढाल उत्तर से दक्षिण है, अतः अधिकांश नदियाँ उत्तर से दक्षिण की ओर बहती हैं। ज्वार के समय इन नदियों में ज्वार का पानी भर जाने के कारण इन्हें ज्वारीय नदियाँ भी कहते हैं। डेल्टा के सुदूर दक्षिणी भाग में समुद्र का खारा पानी पहुँचने का कारण यह भाग नीचा, नमकीन एवं दलदली है तथा यहाँ आसानी से पनपने वाले मैंग्रोव जाति के वनों से भरा पड़ा है। यह डेल्टा चावल की कृषि के लिए अधिक विख्यात है। यहाँ विश्व में सबसे अधिक कच्चे जूट का उत्पादन होता है। कटका अभयारण्य सुंदरवन के उन इलाकों में से है जहाँ का रास्ता छोटी-छोटी नहरों से होकर गुजरता है। यहाँ बड़ी तादाद में सुंदरी पेड़ मिलते हैं जिनके नाम पर ही इन वनों का नाम सुंदरवन पड़ा है। इसके अलावा यहाँ पर देवा, केवड़ा, तर्मजा, आमलोपी और गोरान वृक्षों की ऐसी प्रजातियाँ हैं, जो सुंदरवन में पाई जाती हैं। यहाँ के वनों की एक खास बात यह है कि यहाँ वही पेड़ पनपते या बच सकते हैं, जो मीठे और खारे पानी के मिश्रण में रह सकते हों।

वन्यजीवों के लिए जन्नत है सुंदरबन

सुंदरबन ऐसा वनों से घिरा हुआ इलाका जो वन्य जीव को अपने में संजोए हुए हैं. विश्व में पायी जाने वाली कई अति दुर्लभ प्रजातियां सिर्फ सुंदरबन में पाई जाती है. पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश तक फैला सुंदरवन देसी-विदेशी सभी पर्यटकों को आकर्षित करता है. यहां की हरी-भरी छटा व मनमोहक लुभावने दृश्य आपको इस स्थान का दीवाना बना देंगे.

जी है दोस्तों, आज का हमारा लेख सुंदरबन से संबंधित है आज हम आपको सुंदरबन से जुड़े वे सभी रोचक व दिलचस्प तथ्य बताने जा रहे हैं जो अपने आप से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगे. तो चलिए जानते हैं

- सुंदरवन का यह नाम इस जंगली इलाके में भारी संख्या में मिलने वाले सुन्दरी पेड़ो से लिया गया है और साथ ही बंगाली भाषा के शब्द शुंदोर का प्रयोग करके इसका नाम सुंदरवन रखा गया. आम भाषा में लोग इस वन को सुंदरबन या सुंदरवन के नाम से जानते है.
- क्या आप जानते है सुंदरवन का इतिहास 200-300 ईस्वी के आसपास का माना जाता है और इसके प्रमाण बागमरा फारेस्ट ब्लाक में मिले अवशेषों से पता चलता है.
- सुंदरवन कुल 10,000 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ एक विस्तृत हरा-भरा जंगली इलाका है. जिसमे से 6000 वर्ग किमी बांग्लादेश में व भारत के हिस्से में 4110 वर्ग किमी आता है.
- क्या आप जानते है सुंदरवन को बंगाल टाइगर का घर भी कहा जाता है उदाहरण के तोर पर 2015 के आंकड़ो के अनुसार सुंदरवन में 180 टाइगर है जिसमे से 106 बांग्लादेश की सीमा में और 74 भारत की सीमा में रहते है.
- सुंदरवन को यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया है.
- आपको जानकर हैरानी होगी सुंदरवन में भारत का सबसे बड़ा फिशरी बोर्ड है जहा सुंदरवन डेवलपमेंट बोर्ड 50 हेक्टेयर के इलाके में फिशरी प्रोजेक्ट चलाता है.
- सुंदरवन में विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा पाया जाता हैउदाहरण के तोर पर गंगा और ब्रह्मपुत्र दोनों नदियों के एकीकरण से बने इस डेल्टा को बंगाल डेल्टा या ग्रीन डेल्टा भी कहते है.
- सुंदरवन का सर्वाधिक हरबरा होने का कारण यहाँ सर्वाधिक होने वाली वर्षा है. इसी कारण इस स्थान को वर्षावन भी खा जाता है.
- क्या आप जानते है सुंदरवन के विशाल डेल्टा में 5-6 द्वीप नही बल्कि 54 छोटे छोटे द्वीपों का समूह है.
- अगर आपको फोटोग्राफी का क्रेज है तो सुंदरवन फोटोग्राफी की चाह रखने वालो के लिए स्वर्ग समान है. क्योंकि इस सुंदर घने जंगल के दृश्यों के साथ ही यहाँ के वन्य जीव आपकी फोटोग्राफी में चार चाँद लगा देंगे.

सुंदरबन और उसकी जैव विविधता

भारतीय प्राणी-विज्ञान सर्वेक्षण ने पहली बार सुंदरबन में पाए जाने वाले जीव-जन्तुओं की विविधता का और उन पर मंडरा रहे खतरों का एक संपूर्ण संग्रह प्रकाशित किया है। उसके अनुसार इस नाजुक द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र में 2,626 जीव-जंतु रहते हैं।

'सुंदरबन जैव विविधता के प्राणी समूह' शीर्षक से प्रकाशित इस संग्रह में सुंदरबन की जैव विविधता पर पहली समेकित और अद्यतित जानकारी दी गई है। यह संग्रह अपने आप में एक विश्वकोश जैसी है। इसमें 2,600 प्रजातियों का उल्लेख किया गया है, जिनमें कुछ मैंग्रोव पारिस्थितिकी की दृष्टि से नई हैं और जलवायु परिवर्तन के खतरों से संकट में जी रहे हैं। सुंदरबन के बारे में अब तक 4,260 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ही जाना जाता था, परंतु इस संग्रह में इसके पूरे 9,630 वर्ग किलोमीटर के दायरे को कवर किया गया है।

सुंदरबन

सुंदरबन पश्चिम बंगाल के उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिले के 19 विकासखण्डों में फैला हुआ है। यह भारत और बांग्लादेश दोनों में फैला हुआ दलदलीय वन क्षेत्र है। यह यहाँ पाए जाने वाले सुन्दरी नामक वृक्षों के कारण प्रसिद्ध है। भारतीय क्षेत्र में स्थित सुंदरबन यूनेस्को (ढगक्ट्टएग) की विश्व धरोहर स्थल का हिस्सा है। यह 9,630 वर्ग किलोमीटर में फैला गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा का हिस्सा है। इस क्षेत्र में 104 द्वीप हैं। यहाँ जीव-जंतुओं की लगभग 2,487 प्रजातियाँ हैं।

यहाँ पाए जाने वाले कुछ विशिष्ट जीव-जंतु एवं उनकी विशेषताएँ

यहाँ पाए जाने वाले प्रसिद्ध बाघ (रॉयल बंगाल टाइगर) यहाँ के जलीय परिस्थितियों के अनुकूल हो गए हैं। वे तैर भी सकते हैं। यहाँ पाए जाने वाले कुछ जीवों में एशियाई छोटे पंख वाले ऊदबिलाव, गंगा की डॉल्फिन, भूरे और दलदली नेवले और जंगली रीसस बंदर प्रमुख हैं।

यहाँ पक्षियों की 356 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें ऑस्प्रे, ब्राह्मिनी चील और श्वेत पेट वाली समुद्री बाज प्रमुख हैं। इसके अलावा गुलाबी सिर वाला तोता, फ्लाईकेचर, वार्बलर्स और किंगफिशर भी पाए जाते हैं।

कछुए व अन्य जीव

यहाँ कछुओं की 11 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें प्रसिद्ध ऑलिव रिडले कछुआ, हॉस्कबिल समुद्री कछुए और टेरापिन नदी कछुआ प्रमुख हैं। टेरापिन नदी कछुआ मीठे पानी में रहने वाला एक संकटापन्न जीव है। इसके अलावा यहाँ मगरमच्छ, मॉनिटर लेजर्ड्स, सांपों की 30 प्रजातियाँ एवं कार्टिलैगिनस मछलीयाँ पाई जाती हैं। किंग कोबरा आईयूसीएनकी सुभेद्य सूची में शामिल है। यहाँ के मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियों की लगभग 350 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें से कार्टिलैगिनस मछलीयाँ, जिनमें अस्थियों के बजाय उपास्थि का कंकाल होता है, 103% तक हैं। सुंदरबन की समृद्धि का एक और संकेत यहाँ पाए जाने वाले 753 कीट की प्रजातियों से है। इनमें से 210 तितलियाँ और पतंगे हैं। इसके अलावा केकड़े, चिंराट और झींगे की 334 प्रजातियाँ भी मौजूद हैं।

समस्या

सुन्दरबन का दलदलीय इलाका मानवीय आवासों के बढ़ते दायरे एवं प्राकृतिक खतरों से जूझ रहा है, जिसके कारण यहाँ स्तनपायी जीवों की संख्या घट रही है। गैंडा, दलदलीय हिरण, भोंकने वाले हिरण, हॉग हिरण और जल में रहने वाला एशियाई जंगली भैंसा अब सुंदरबन में नहीं पाए जाते हैं।

कारुआना ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल में जीत हासिल की

पहले क्लासिकल गेम के बाद 6-0 की बढ़त

नईदिल्ली, एजेंसी। सेंट लुइस में खेले जा रहे ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 के खिताबी मुकाबले में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना ने भारत के आर प्रज्ञानानंदा को हरा दिया। कारुआना ने फाइनल के पहले क्लासिकल गेम में प्रज्ञानानंदा को शिकस्त दी। इस जीत से अमेरिका के कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले में प्रज्ञानानंदा लंबे समय तक बराबरी पर थे, लेकिन 28वीं चाल में हुई गलती के बाद कारुआना ने गेम अपने नाम कर लिया। वहीं तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो का पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा और दोनों का स्कोर 3-3 है।

बायर्न म्यूनिख ने ड्रिसेन और एबरल का अनुबंध जून 2029 तक बढ़ाया

बर्लिन, एजेंसी । बायर्न म्यूनिख ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी जान-क्रिश्चियन ड्रिसेन और स्पोर्टिंग बोर्ड मेंबर मैक्स एबरल का अनुबंध जून 2029 तक बढ़ा दिया है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फैसले को बायर्न के सुपरवाइजरी बोर्ड ने मंगलवार को एक बैठक में मंजूरी दी। मंजूरी मिलने के बाद ड्रिसेन और एबरल का 2027 में समाप्त होने वाला कार्यकाल 2 साल बढ़ गया। ड्रिसेन 2013 में

मुख्य वित्तीय अधिकारी के तौर पर बायर्न में शामिल हुए थे और एक साल बाद उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने थे। वह मई 2023 से सीईओ के तौर पर काम कर रहे हैं। अनुबंध बढ़ाए जाने के बाद ड्रिसेन ने कहा, 'मैं सुपरवाइजरी बोर्ड को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देता हूं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते रहना चाहते हैं कि एफसी बायर्न शीर्ष क्लब बना रहे जिस पर हम सभी को गर्व है। यही हमें प्रेरित करता है। हमने अभी भी बहुत योजनाएं बनाई हैं।' 52 साल के एबरल, बोरूसिया मोनचेंग्लाडबैक और आर्बी लीपजिग में प्रबंधन में काम करने के बाद मार्च 2024 में स्पोर्टिंग बोर्ड मेंबर के तौर पर बायर्न लौटे। वह छह साल की उम्र में बायर्न में शामिल हुए, यूथ सिस्टम में आगे बढ़े और बाद में क्लब के लिए अपना पेशेवर डेब्यू किया। एबरल ने कहा, 'जब से मैं यूथ टीमों में था, तब से एफसी बायर्न मेरे दिल के करीब रहा है। सुपरवाइजरी बोर्ड का भरोसा एक कीमती निशानी है और मैं इससे बहुत खुश हूं।' सुपरवाइजरी बोर्ड के चेयरमैन हर्बर्ट हैनर ने कहा कि स्थिरता जरूरी है, स्थिरता ताकत देती है। हमें क्लब को सबसे ऊंचे स्तर पर लगातार विकसित करने के लिए हमें दोनों की जरूरत है। बायर्न यूरोप के शीर्ष क्लबों में अपनी जगह बनाए रखना चाहता है। हैनर ने कहा, ड्रेसेन, एबरल और मार्केटिंग और सेल्स एग्जीक्यूटिव रूवेन कैस्पर का मैनेजमेंट बोर्ड क्लब को पिच पर और पिच के बाहर आगे बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में था। जुलाई 2024 से बायर्न के मैनेजमेंट बोर्ड में तीन सदस्य हैं। इस स्ट्रक्चर का मकसद समन्वय बनाते हुए जल्दी फैसले लेने में मदद करना है।

विमेंस एशिया कप

पहली बार खेल रही इंडोनेशिया ने किया टीम का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला एशिया कप 2026 का आयोजन 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होना है। इंडोनेशिया की महिला टीम ने पहली बार टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक 2 दिन पहले इंडोनेशिया ने अपनी टीम का भी ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट के लिए टीम का ऐलान करने वाली इंडोनेशिया आखिरी टीम है। टीम युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। अनुभवी कप्तान नंदा सकारिनी टीम का नेतृत्व करेंगी, जबकि वेलिक के साथ मिलकर बेहतरीन बॉलिंग ग्रुप में शामिल होंगी। टीम में आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2023 की स्टार खिलाड़ी वेसिका रत्ना देवी, पुत्री सुवानदेवी और सांग मेयरपिरानी शामिल हैं। देसी वुलंडारी, ली कियाओ और नी काडेक एरियानी भी टीम का हिस्सा हैं। इंडोनेशियाई टीम का क्वालीफिकेशन कैंपेन बहुत अच्छा रहा, वे थाईलैंड से हारने से पहले सेमीफाइनल तक पहुंचीं, और तीसरे स्थान के प्ले-ऑफ में हांगकांग, चीन से हार गईं। टीम ने जून में एसीसी विमेंस प्रीमियर कप के जरिए क्वालीफाई किया था। पूरे इवेंट में टीम के लिए सिर्फ 11 सदस्य खेले थे। सकारिनी क्वालीफाइंग में टीम की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं। इंडोनेशिया एशिया कप में ग्रुप बी का हिस्सा है। इस ग्रुप की अन्य तीन टीमें बांग्लादेश, श्रीलंका और यूएई हैं। एशिया कप कैंपेन में इंडोनेशिया का पहला मैच 31 अगस्त को बांग्लादेश के खिलाफ है, इसके बाद वे 2 सितंबर को श्रीलंका और 4 सितंबर को यूएई का सामना करेंगे। पहली हार टूर्नामेंट में उतरी इंडोनेशिया के प्रदर्शन पर क्रिकेट फैंस की नजर रहेगी। महिला एशिया कप के लिए इंडोनेशिया की टीमः नंदा सकारिनी (कप्तान), काडेक विंडा प्रास्तिनी, रहमावती पंगेस्टुटी, वेसिका रत्ना देवी, राडा रानी, ??देसी वुलंडारी, पुत्री सुवांडेवी, किसी सलीसा कासे, सांग मेप्रियानी, नी काडेक एरियानी, डेर्नी बांगी, दारा अगुंग लक्ष्मी, ली कियाओ, मारिया कोराजोन वोम्बाकी, सोफिया वेलिक।

एंटीगुआ ने बारबाडोस ट्राइडेंट्स को 30 रन से हराया, जोसुआ जेम्स रहे प्लेयर ऑफ द मैच

एंटीगुआ, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 का 16वां मुकाबला सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्सल और बारबाडोस ट्राइडेंट्स के बीच खेला गया। एंटीगुआ ने बारबुडा को 30 रन से हरा दिया। बारबाडोस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। एंटीगुआ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 155 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा 56 रन कप्तान मोईन अली ने बनाए। 37 गेंदों पर खेली गई इस नाबाद पारी में मोईन ने 4 छक्के और 3 चौके लगाए। इसके अलावा, करिमा गोरे ने 27 और आमिर जंगू ने 26 रन बनाए। शमार स्प्रिंगर ने नाबाद 19 रन बनाए। बारबाडोस की तरफ से मुजीब उर रहमान ने 4 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए।

ब्राजील के खिलाफ मैच से पहले विश्वकप खेलने वाली इस टीम से होगा भारत का सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के खिलाफ मुकाबले से पहले भारतीय फुटबॉल टीम 26 सितंबर को 2026 फीफा विश्व कप में खेल चुकी पनामा से भिड़ेगी। पनामा फीफा रैंकिंग में 44वें स्थान पर है। यह मुकाबला खालिद जमील की टीम के लिए बड़ी चुनौती होने के साथ ब्राजील और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबलों की तैयारी का अहम मौका होगा। भारतीय फुटबॉल टीम को ब्राजील के खिलाफ बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले एक और बड़ी चुनौती मिल गई है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को बताया कि भारत 26 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में पनामा की मेजबानी करेगा।

हालांकि, मैच किस मैदान पर खेला जाएगा, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। इस मुकाबले की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पनामा 2026 फीफा विश्व कप में हिस्सा ले चुका है। ऐसे में ब्राजील से भिड़ने से ठीक पहले भारतीय टीम को एक और विश्व कप टीम के खिलाफ खुद को परखने का मौका मिलेगा।

फीफा रैंकिंग में 44वें नंबर पर है पनामा – पनामा इस समय फीफा की ताजा रैंकिंग में 44वें स्थान पर है। यानी वह दुनिया की शीर्ष-50 टीमों में शामिल है। भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला इसलिए भी अहम होगा क्योंकि खालिद जमील की टीम को मजबूत अंतरराष्ट्रीय विपक्ष के खिलाफ अपनी तैयारी और स्तर को परखने का मौका मिलेगा।

विश्व कप टीमों के खिलाफ लगातार मुकाबले

पनामा के खिलाफ मुकाबला भारत के लिए विश्व कप में खेलने वाली टीमों के खिलाफ प्रस्तावित चार मैचों की शुरुआत करेगा। इसके बाद भारतीय टीम 3 अक्टूबर को ब्राजील से भिड़ेगी। नवंबर में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी दो मुकाबले खेलने हैं। दोनों टीमें 12 और 15 नवंबर को आमने-सामने होंगी। इस तरह भारतीय टीम को इस अवधि में उन टीमों के खिलाफ खेलने का शानदार मौका मिलेगा, जो 2026 विश्व कप का हिस्सा रही हैं।

बीबीएल में ड्राफ्ट सिस्टम खत्म, अब खिलाड़ियों को होगा और फायदा

सिडनी, एजेंसी। बिग बैश लीग (बीबीएल) अनुबंध से जुड़ी रोक गुरुवार से हटने के बाद इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई और विदेशी खिलाड़ियों को अधिक राशि मिलेगी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन के साथ महीनों की बातचीत और क्लबों से मिले फीडबैक के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आखिरकार डब्ल्यूबीबीएल सीजन शुरू होने से छह सप्ताह पहले अनुबंध से जुड़े नए नियम घोषित कर दिए। नए नियमों के तहत विदेशी खिलाड़ियों के लिए ड्राफ्टा व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है और बड़े घरेलू खिलाड़ियों को ज्यादा पैसे देने के मकसद से जरूरी बड़े घरेलू खिलाड़ियों की संख्या कम कर दी गई है। क्लबों को विदेशी खिलाड़ियों को साइन न करने का विकल्प भी दिया गया है। यह रोक गुरुवार सुबह नौ बजे हट जाएगी और इससे बेन स्टोक्स और फिन एलन जैसे खिलाड़ियों के लिए बीबीएल क्लबों के साथ सीधे रिकॉर्ड अनुबंध साइन करने का रास्ता खुल जाएगा। साथ ही मेलबर्न रेनेगेड्स छोड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया के लेग-स्पिनर एडम जम्पा को भी आखिरकार कोई क्लब मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के टी-20 विकेटकीपर जॉश इंग्लिश को भी सैद्धांतिक रूप से फायदा हो सकता है, क्योंकि पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ उनका अनुबंध समाप्त हो गया है, हालांकि, टेस्ट ड्यूटी की वजह से हो सकता है कि वह आने वाले बीबीएल के किसी भी हिस्से के लिए उपलब्ध न हों, जिससे आने वाले सीजन के लिए बड़ा कॉन्ट्रैक्ट पाने की उनकी संभावना बेहद कम हो जाती है। ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े बीबीएल खिलाड़ी और कई क्लब लंबे समय से विदेशी खिलाड़ियों के लिए बने 'ड्राफ्ट' सिस्टम से परेशान थे। इस सिस्टम की वजह से कई बार कम मशहूर विदेशी खिलाड़ियों को ड्राफ्ट के नियमों के कारण सबसे अच्छे लोकल खिलाड़ियों से कहीं ज्यादा पैसे मिल जाते थे। डब्ल्यूबीबीएल में भी यही नियम लागू होंगे। विदेशी खिलाड़ियों के लिए कोई न्यूनतम संख्या तय नहीं होगी, 15 खिलाड़ियों की टीम में तीन 'मार्की' खिलाड़ी होंगे जिनका वेतन अधिक होगा। बीबीएल के बॉस एलिस्टर डॉब्सन ने बताया, 'खिलाड़ियों का बाजार लगातार बदल रहा है और बीबीएल और डब्ल्यूबीबीएल जरूरत के हिसाब से बदलाव करने के लिए हमेशा तैयार रहे हैं। क्लबों के पास अलग-अलग खिलाड़ियों की वैल्यू और उनके घरेलू या विदेशी होने के आधार पर अपना आकलन करने की आजादी होना जरूरी है, और आखिरकार बात यही है कि क्लबों को अपनी टीम को लेकर आजादी मिले। इसके बावजूद हमें उम्मीद है कि हमारी लीग में बेहतरीन विदेशी खिलाड़ी आएंगे क्योंकि वे हर टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है: रोजर फेडरर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर का आर्थर ऐश स्टेडियम में एक यादगार एग्जिबिशन नाइट के दौरान हीरो जैसा स्वागत किया गया। दुनिया के सबसे बड़े टेनिस स्टेडियम में घुसते ही तालियों से स्वागत किया गया। इस अवसर पर 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा कि न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। फेडरर ने कहा, 'न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है। मेरे पास इस कोर्ट, यहां के फैंस, शहर की अविश्वसनीय यादें हैं। 2004, 2005 में – यहीं से सब कुछ शुरू हुआ, यहां की जीतों के साथ न्यूयॉर्क के लिए मेरा प्यार।' फेडरर ने कहा, 'मुझे पहले दिन से ही इस शहर और इस कोर्ट से प्यार हो गया था।' पूर्व खिलाड़ी ने 2004-2008 तक लगातार पांच यूएस ओपन जीते और टूर्नामेंट और शहर के साथ अपने खास कनेक्शन के बारे में बात की।

स्विस खिलाड़ी ने आर्थर ऐश स्टेडियम के सेंटर कोर्ट पर अपनी पहली मौजूदगी को याद किया, जो 2001 में अगासी के खिलाफ थी। फेडरर वह मुकाबला सीधे सेटों में हार गए थे। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि सेंटर कोर्ट पर मेरा पहला मुकाबला आंद्रे के खिलाफ 2001 में था। उन्होंने मुझे 6-1, 6-2, 6-4 से हराया। मेरे पास कोई शॉट नहीं था। मैं ऐसा था, 'ठीक है, इतना आसान नहीं है, इतना तेज नहीं है, रोजर'। स्टेडियम के वीडियो बोर्ड पर एक्टर मैथ्यू मैककोनाघी का नैरेट किया हुआ एक हाइप वीडियो दिखाया गया, और फैशन आइकन एना विंटोर ने रॉडिक के खिलाफ फेडरर के एकल मैच से पहले सिक्का उछाला। सेरेना विलियम्स, फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे, कैस्पर रूड और एलेक्जेंड्रा एला समेत कई मौजूदा और पुराने टेनिस स्टार भी मौजूद थे। फेडरर की यूएस ओपन में वापसी उनके पोस्ट-प्लेइंग करियर में एक और बड़ी उपलब्धि से कुछ दिन पहले हुई है। इस महीने की शुरुआत में अपना 45वां जन्मदिन मनाने वाले स्विस खिलाड़ी को शनिवार, 29 अगस्त को इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा। आंद्रे अगासी ने कहा, 'यह कितना कूल है कि यह बंदा इस साल हॉल ऑफ फेम में जा रहा है? बहुत बढ़िया, रोजर। मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे कहना होगा – मुझे लगता है कि मैं पहला इंसान था जिसे पता चला कि वह हॉल ऑफ फेम में जाने वाला है। जब उसने अपना 19वां स्लैम जीता, तो मुझे लगा, 'हां, वह कर सकता है'। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि 20वां गैर-जरूरी (हंसते हुए) था। फिर भी, मैं सच में बहुत उत्साहित हूं क्योंकि इससे बाकी सभी लोग जो मुश्किल से अंदर जाने का तरीका ढूंढ पाए हैं, अपने बारे में बहुत बेहतर महसूस करते हैं। रॉडिक ने भी फेडरर के साथ अपनी दोस्ती को याद करते हुए कहा, 'हमने बहुत खेला और उसने मुझे बहुत हराया। लेकिन हम हमेशा अपने करियर के बीच में दोस्ती बनाए रखने में कामयाब रहे और यह अब तक चली है और उम्मीद है कि हमेशा रहेगी। फेडरर ने 2022 में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया था। आखिरी बार फेडरर ने 2019 में यूएस ओपन खेला था।

कोलंबो टेस्ट में छा गए सोनल दिनूषा, जड़ा ऐतिहासिक शतक

बनाया सनत जयसूर्या- महेला जयवर्धने वाला महारिकॉर्ड

कोलंबो, एजेंसी। भारत के खिलाफ श्रीलंका के युवा बल्लेबाज सोनल दिनूषा का शानदार प्रदर्शन जारी है. 25 साल के दिनूषा ने कोलंबो टेस्ट की दूसरी पारी में शतक जड़कर कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए. दिनूषा ने इस मुकाबले में 103 रनों की पारी खेली. उनकी पारी की बदौलत श्रीलंका ने 290 रनों का स्कोर बनाया, हालांकि दिनूषा अपनी टीम को फॉलोऑन से नहीं बचा सके, जिसके लिए श्रीलंका को 304 रनों का स्कोर बनाना था. भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 503-9 रन बनाकर घोषित की. कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में सोनल दिनूषा ने एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों की जमकर खबर ली. चौथे दिन यानी बुधवार (26 अगस्त) को दिनूषा ने 147 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया. यह इस सीरीज में दिनूषा का दूसरा शतक है. इससे पहले गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में उन्होंने एक पारी में 100 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में 84 रन जड़े थे. अब कोलंबो में शतक के साथ उनका मौजूदा सीरीज में स्कोर 100, 84 और 103 हो गया है.

जयसूर्या और जयवर्द्धने वाले क्लब में एंट्री – सोनल दिनूषा अब भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट मैचों में शतक लगाने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाजों की खास सूची में शामिल हो गए हैं. इस सूची में सनथ जयसूर्या और महेला जयवर्द्धने जैसे दिग्गज भी मौजूद हैं. 25 साल के सोनल भारतीय ऑफ स्पनिर सारांश जैन की गेंद पर आउट हुए, उनको केएल राहुल ने आउट किया.

भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट में शतक लगाने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाज

- अरविंद डी सिल्वा – 3 बार
- कुमार संगकारा – 3 बार
- सनथ जयसूर्या – 2 बार
- महेला जयवर्धने – 2 बार
- थरंगा परानाविताना – 2 बार
- एंजेलो मैथ्यूज – 2 बार
- सोनल दिनूषा – 2 बार

प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर पूरा किया शतक दिनूषा

दिनूषा ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया. गेंद छोटी और ऑफ स्टंप के बाहर थी, जिस पर उन्होंने शानदार पुल शॉट खेला. गेंद हवा में जरूर गई, लेकिन आसानी से इनफील्ड को पार करते हुए बाउंड्री के बाहर पहुंच गई. शतक पूरा होने के बाद दिनूषा ने बल्ले को चूमा, हेलमेट उतारा और दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया. खास बात यह रही कि इस सीरीज में उनकी यह एक और लगभग बेदाग पारी रही. दोनों टीमों में देवदा पडिकल ने उनसे ज्यादा रन बनाए हैं, लेकिन दिनूषा की बल्लेबाजी पर नियंत्रण ने उन्हें इस सीरीज के सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों में शामिल कर दिया है.

भारत के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में कई शतक

- 2 – एवर्टन वीक्स (वेस्टइंडीज, 1948)
- 2 – गारफील्ड सोबर्स (वेस्टइंडीज, 1958)
- 2 – ज़हीर अब्बास (पाकिस्तान, 1978)
- 2 – दुलीप मेंडिस (श्रीलंका, 1982)
- 2 – रॉबिन स्मिथ (इंग्लैंड, 1990)
- 2 – गैरी कर्स्टन (साउथ अफ्रीका, 1996)
- 2 – जेसी राइडर (न्यूजीलैंड, 2009)
- 2 – सोनल दिनुषा (श्रीलंका, 2026)

श्रीलंका फॉलोऑन के बाद भारत से 16 रन आगे, स्कोर-229/6: पसिंदु ने 92 रन बनाए; सुथार को दो विकेट, बारिश से मैच बाधित

भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट में फॉलोऑन खेल रही श्रीलंका ने दूसरी पारी में 229/6 रन बनाए हैं। टीम ने भारत की पहली पारी के स्कोर से 16 रन की बढ़त हासिल कर ली है। सोनल दिनूषा 7 और केशरा नुवनथा 3 रन पर नाबाद हैं। चौथे दिन बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। पसिंदु सोरियाबंडारा 92 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मानव सुथार ने पवेलियन भेजा। सुथार ने कप्तान धनंजय डी सिल्वा को भी 23 रन पर आउट किया। इससे पहले निरोशन डिकवेला 6 रन पर सारांश जैन, कमिंदु मेंडिस 55 रन पर प्रसिद्ध कृष्णा, कमिल मिशारा 32 रन पर रवींद्र जडेजा और लाहिरू उदारा 3 रन पर मोहम्मद सिराज की बॉल पर आउट हुए।

‘धुरंधर 2’ के साथ क्लैश पर यश का बड़ा बयान
‘टॉक्सिक’ के पोस्टपोन पर भी बोले एक्टर

साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों अपनी फिल्म ‘टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स’ को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज को लेकर पहले रणवीर सिंह की ‘धुरंधर: द रिवेंज’ के साथ क्लैश की बात सामने आई थी। अब यश ने इस पूरे मामले पर अपनी राय दी है।

फिल्म हुई बार-बार पोस्टपोन

फिल्म ‘टॉक्सिक’ पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन मिडिल ईस्ट में बनी अनिश्चितता के चलते इसकी रिलीज 4 जून कर दी गई। इसके बाद फिल्म की रिलीज फिर टाल दी गई। अब हाल ही में इंडिया टीवी के शो ‘आप की अदालत’ में यश ने फिल्म की रिलीज टालने और बॉक्स ऑफिस क्लैश को लेकर खुलकर बात की।

100-200 करोड़ खोने का डर नहीं

यश ने साफ कहा कि फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला इस डर से नहीं लिया गया कि बॉक्स ऑफिस पर 100 या 200 करोड़ रुपये का नुकसान हो जाएगा। उनके लिए यह फैसला पैसे या अहंकार का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का था। यश ने कहा कि अगर वह सिर्फ अपनी इमेज बचाने या किसी को कुछ साबित करने के लिए फिल्म को उसी तारीख पर रिलीज करते, तो वह असली अहंकार होता। उनके लिए सबसे जरूरी यह था कि वह दर्शकों से किया हुआ अपना वादा पूरा कर पा रहे हैं या नहीं। एक्टर ने कहा कि उनका सबसे बड़ा डर फिल्म को लेकर था। अगर उन्हें लगता है कि वह दर्शकों को वह फिल्म नहीं दे पा रहे हैं, जिसका उन्होंने वादा किया था, तो वह पीछे हटने के बजाय आगे बढ़ना पसंद करेंगे।

कभी जानबूझकर किसी फिल्म से क्लैश नहीं किया

बॉक्स ऑफिस क्लैश को लेकर यश ने यह भी साफ किया कि उन्होंने कभी जानबूझकर किसी दूसरी फिल्म के साथ अपनी फिल्म का क्लैश नहीं किया। उन्होंने कहा, ‘जो भी क्लैश आप बोल रहे हैं, उसमें मैं सीधे जाकर कभी क्लैश में नहीं आया। मेरी डेट पहले अनाउंस होती है और उसके बाद अगर कोई फिल्म आती है, तो वो क्लैश हो जाता है।’ यश ने यह भी कहा कि उन्हें जिंदगी में कुछ खोने का डर नहीं है। उन्होंने कहा, जिंदगी में मुझे खोने का कुछ है ही नहीं, तो मुझे डर है ही नहीं।’

बॉक्स ऑफिस पर 100 या 200 करोड़ रुपये के नुकसान की बात पर भी यश ने इसे ज्यादा बड़ी चिंता नहीं माना। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बिल्कुल शून्य से की थी। आज उनके पास जो कुछ भी है, वह उनके लिए एक एक्स्ट्रा चीज है। फिल्म ‘टॉक्सिक’ में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पुलकित सम्राट को पहचानना हुआ मुश्किल इस वजह से घटा ढाई किलो वजन

पुलकित सम्राट ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पुलकित इतने बदले हुए नजर आए कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया। इस स्टोरी के जरिए पुलकित ने फैंस को बताया कि वो इ दिनों बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। जानिए पुलकित ने और क्या कहा?

स्टोरी में क्या बोले पुलकित

एक्टर ने बताया कि वो बीते कुछ दिनों से मलेरिया से पीड़ित हैं। अभिनेता ने बताया कि इस बीमारी की वजह से उनका वजन कम हो गया है। पुलकित ने तस्वीर शेयर कर जानकारी दी कि बीते कुछ दिनों में उनका ढाई किलो वजन कम हो गया। हालांकि, अभिनेता ने पॉजिटिविटी पर बात करते हुए कहा कि वह अपना वजन फिर से बैलेंस कर लेंगे। इसके साथ ही पुलकित ने एक तस्वीर भी साझा की जिसमें वह बेहद कमजोर नजर आ रहे हैं। कुछ समय पहले इंटरव्यू में पुलकित ने सलमान खान को लेकर जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि अपनी पहली फिल्म की रिलीज के वक्त हर नए कलाकार की तरह वह भी घबराए हुए थे, लेकिन तब सलमान खान की बातों ने स्टारडम के प्रति उनका नजरिया बदल दिया था।

पुलकित का वर्कफ्रंट

पुलकित को आखिरी बार नेटफिलक्स सीरीज ‘ग्लोरी’ में देखा गया था। करण अंशुमन और कनिष्क वर्मा के निर्देशन में बनी इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में दिव्येंदु और सुविंदर विक्की भी अहम भूमिकाओं में थे। सीरीज को क्रिटिक्स और दर्शकों, दोनों से ही अच्छे रिव्यू मिले। दूसरी तरफ उनकी आखिरी फिल्म ‘राहु -केतु’ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

टॉक्सिक के किरदार नादिया को कियारा ने बताया मुश्किल

यश की फिल्म ‘टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स’ में कियारा आडवाणी ने नादिया का किरदार निभाया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर अपने किरदार से जुड़े अनुभव साझा किए हैं।

कियारा के लिए फिल्म ‘टॉक्सिक’ उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म है। इस फिल्म में नादिया का किरदार निभाने और उसकी मांग पर कियारा ने काफी कुछ लगा। एक्ट्रेस ने लिखा फिल्में हमें उस दुनिया में ले जाने का एक खूबसूरत तरीका होती हैं जिनमें हम असलियत में नहीं जा सकते। हर नया किरदार, हर नया सेट, हर चुनौती आपको कुछ ऐसा सिखाती है। आपकी क्षमताओं के बारे में बताती है। इस किरदार ने मुझे अपरिचित और मुश्किल चीजों के साथ भी सहज होना सिखाया। नया किरदार आपको नए कौशल, नए रोमांच और उस जुनून के लिए जो आपको बार-बार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मेरे लिए ग्रोथ का मतलब हमेशा उस काम के लिए हामी भरना है जिसे करने से आपको थोड़ा डर लगे। यह किरदार नई स्किल्स, नए एडवेंचर्स और उस जुनून के नाम, जो आपको बार-बार नई चीजों में डूबने के लिए तैयार रखता है।

फिल्म ‘टॉक्सिक’ के वक्त प्रेगनेंट थीं कियारा

फिल्म से जुड़े एक इवेंट में अभिनेता यश ने कियारा की खूब तारीफ की थी। उन्होंने कहा, ‘मेरा यह सोचना है कि कियारा एक बेहद पेशेवर अभिनेत्री हैं। जब वह इस फिल्म के लिए कास्ट हुई थीं तो मैं काफी चिंतित था, क्योंकि यह फिल्म काफी चुनौतीपूर्ण है पर कियारा ने जिस तरह फिल्म के लिए खुद को समर्पित किया है। वह देखना बेहद शानदार रहा।

कब रिलीज होगी ‘टॉक्सिक’

फिल्म ‘टॉक्सिक’ में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे ग्लोबली कई भाषाओं में रिलीज किया जा रहा है।

रोमांच बढ़ाएगी ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’, हत्या की गुत्थी सुलझाती दिखेंगी निमिषा सजयन

सोमवार को अभिनेता बरुन सोबती की अगली फिल्म ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’ की रिलीज डेट मेकर्स ने जारी की। यह एक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा पर आधारित है। फिल्म एक हत्या के केस और उसकी तहकीकात से जुड़ी है। इसे ‘पाताल लोक’ के मेकर्स ने ही बनाया है।

क्या है ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’ की कहानी?

फिल्म ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’ में मुख्य किरदार बबीता सिंह नाम की एक एसआई का है, जिसके पास एक हत्या का केस आता है। इस दौरान उसका सामना कई रहस्यों और खतरों से होता है। फिल्म की कहानी एसआई के जीवन की मुश्किलों पर बात करती है। इस पूरे सफर में वह खुद की खोज भी करती है। फिल्म ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’ 28 अगस्त से प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन अंबीएका पंडित ने और लेखन अमिता व्यास ने किया है। एएसआई बबीता सिंह उर्फ बेबी का रोल निमिषा सजयन ने निभाया है। वहीं बरुण सोबती और अंशुमान पुष्कर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अभिनेत्री होने पर शर्मिंदा किया जाता था, अनुपमा ने खोले एक्स के राज

इन दिनों अनुपमा परमेश्वरन अपने व्यक्तिगत जीवन के लेकर चर्चाओं में हैं। अपने पुराने रिलेशनशिप और उससे जुड़े दर्द के बारे में अब वह खुलकर सामने आ रही हैं। उन्होंने अपने तकलीफ भरे रिश्ते के बारे में काफी कुछ बताया। जानें क्या कहा एक्ट्रेस ने...
बीते कई दिनों से एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन ने ध्यान वर्मा के यूट्यूब चैनल पर रिश्ते को लेकर कई खुलासा किये हैं। उन्होंने बताया कि किस तरह उनके पार्टनर ने रिलेशनशिप के दौरान उनका उत्पीड़न किया। अनुपमा ने बताया एक समय मैं ग्यारह बच्चे पैदा करने का सपना देखती थी। मगर इस रिश्ते के बाद अब मैं बच्चे ही नहीं चाहतीं। मेरे बॉयफ्रेंड ने मेरे आत्मविश्वास और पेशेवर उपलब्धियों के लेकर कई बार मुझे बहुत बुरा महसूस करवाया। इस रिश्ते ने मेरे निजी जीवन और करियर दोनों में लिए गए मेरे कई फैसलों को प्रभावित किया। मुझे कई बार एक महिला होने और यहां तक कि मेरे एक्टर होने पर भी शर्मिंदा महसूस कराया गया।
अपनी बातचीत में आगे अनुपमा परमेश्वरन ने कहा, ‘ पीरियड्स का पहला दिन हो, पांचवां दिन हो, दसवां दिन हो, पंद्रहवां दिन हो, बीसवां दिन हो, पच्चीसवां दिन हो, कोई भी दिन हो। अगर आप किसी व्यक्ति से उसकी गलती के बारे में पूछें, तो वो कहेगा- ‘अरे, आपको पीएमएस हो रहा है, आपका पीरियड अभी आना बाकी है।’ उसके ऐसा कहने पर मुझे बहुत शर्म आती थी। मुझे औरत होने पर बहुत बुरा लगता था। मुझे अपनी सारी उपलब्धियों पर ही बुरा लगने लगा था।’
’परधा’ इवेंट में रोने की वजह बताई
अगस्त 2025 में अनुपमा डायरेक्टर के साथ अपनी फिल्म ‘परधा’ का प्रमोशन कर रही थीं। प्रेस के साथ सवाल-जवाब के दौरान वह अचानक भावुक हो गईं और रोने लगीं। उनकी टीम ने उन्हें शांत कराया और पानी दिया। जब पत्रकार उनसे बार-बार पूछने लगे कि वह इतनी भावुक क्यों हो रही हैं? तो अनुपमा ने बात को टालते हुए कहा था कि महिला-केंद्रित फिल्म को शूट करना और उसका प्रमोशन करना आसान नहीं था। अब हाल ही में उस घटना को याद करते हुए अनुपमा ने कहा, ‘हालात कितने भी मुश्किल हों पर मैं मैं ऐसी नहीं हूं कि स्टेज पर ही रोने लगूं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मुझे वो सबसे बुरी बातें कही गईं, जो कोई महिला सुनना नहीं चाहती। जिस इंसान को मेरी रक्षा करनी चाहिए थी, वही मुझे अंदर से तोड़ रहा था।’

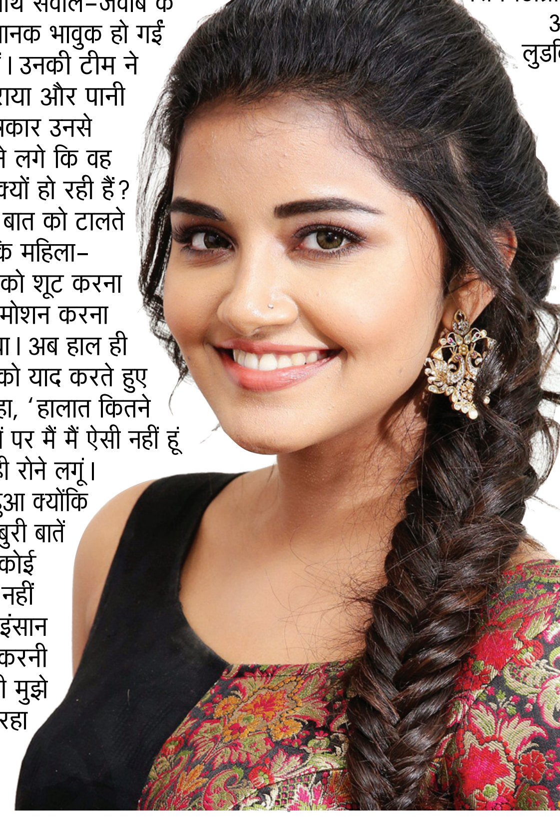

एटली ने द ओडिसी को बताया ज़बरदस्त एपिक फिल्म, कहानी, विजुअल्स और संगीत की जमकर तारीफ

फिल्ममेकर एटली ने ‘द ओडिसी’ की जमकर तारीफ करते हुए इसे एक ऐसा सिनेमाई अनुभव बताया है, जो सामान्य फिल्मों से कहीं आगे जाता है। एटली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक इमोशनल नोट शेयर करते हुए क्रिस्टोफर नोलन की कहानी कहने की शैली, फिल्म के विजुअल्स, सिनेमैटोग्राफी और लुडविग गोरानसन के संगीत की प्रशंसा की है।
अपने अनुभव को साझा करते हुए एटली ने अपनी पोस्ट में लिखा है, ‘कुछ फिल्में आप देखते हैं। कुछ फिल्मों की आप तारीफ करते हैं। और फिर, बहुत कम ऐसी फिल्में होती हैं जो आपको पूरी तरह किसी दूसरी जगह ले जाती हैं। ‘द ओडिसी’ ने मेरे साथ यही किया।’ उन्होंने नोलन की कहानी को ‘अद्भुत’ बताते हुए यह भी लिखा है कि फिल्म के विजुअल्स अपनी अलग भाषा बोलते हैं और कैमरा भी कहानी सुनाने वाले एक किरदार की तरह महसूस होता है। इसी के साथ लुडविग गोरानसन के संगीत की तारीफ में लिखा है कि यह संगीत सिर्फ फिल्म के साथ चलता नहीं है, बल्कि आपकी धड़कनों में उतर जाता है।
एटली ने आगे यह भी लिखा है कि फिल्म में ऐसा एड्रेनालिन और इमर्सिव प्रभाव है, जैसा उन्होंने थिएटर में बहुत कम महसूस किया है। उन्होंने लिखा कि सबसे ज्यादा उनके साथ जो चीज रह गई, वह बेहद व्यक्तिगत थी, जब दर्शक पूरी तरह फिल्म के अनुभव में डूब जाता है, ‘तभी एक सच्ची एपिक फिल्म बनती है। उन्होंने लिखा है, ‘फिल्म को अपने चारों ओर घेरकर, अपने ऊपर हावी होने दें।

संक्षिप्त समाचार

फिजी के मंदिरों में गूंज रहे भजन, सदियों की भारतीय परंपरा पर प्रवासियों को गर्व, विदेशी भी ले रहे प्रेरणा

सुवा, एजेंसी। भारत से हजारों किमी दूर प्रशांत महासागर के एक छोटे से द्वीप-राष्ट्र फिजी में भारतीय संस्कृति और हिंदू परंपराएं आज भी उतनी ही जीवंत हैं जितनी 19वीं सदी में गिरमिटिया मजदूरों के साथ वहां पहुंची थीं। श्रावण माह में यहां के मंदिर और सामुदायिक भवन में भक्ति-गीतों से सराबोर रहे। अगस्त में भजन जैमिंग 2026 कार्यक्रम युवाओं के लिए खास उत्साह का केंद्र रहा। यहां के राम मंदिर में अभी से रामलीला की तैयारियां भी की जाने लगी हैं। घरों में रामायण बजती है। सदियों की भारतीय परंपरा पर प्रवासियों को बेहद गर्व है और विदेशी भी परंपराओं के पालन की प्रेरणा ले रहे हैं। यहां के प्रमुख अखबार फिजी सन ने के मुताबिक, भजन जैमिंग कार्यक्रम में फिजी स्थित भारतीय-मूल के युवाओं ने पारंपरिक भजनों को समकालीन संगीत अंदाज में पेश किया। कार्यक्रम में बंदिश ग्रुप, सुकून ग्रुप और हनुमान चालीसा परिवार जैसी स्थानीय भजन-मंडलियों के साथ-साथ यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ पैसिफिक के भारतीय छात्र संगठन ने भी प्रस्तुति दी। फिजी में बॉलीवुड मुख्य रूप से फिल्म शूटिंग, रेडियो शो, कंसर्ट्स और स्थानीय इंडो-फिजीयन समुदाय की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है।

समृद्ध महासागर का हिस्सा- मिस्र के रेगिस्तान में कभी तैरती थीं विशाल शार्क मछलियां, क्रमिक रूप से हुआ विकास

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। मिस्र का रेगिस्तान करोड़ों साल पहले (लगभग 14.5 से 6.6 करोड़ वर्ष पूर्व) एक विशाल और समृद्ध महासागर का हिस्सा था। हाल ही में वैज्ञानिकों ने मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में स्थित अबू-तरतूर पठार पर शार्क के प्राचीन जीवाश्म और दांतों की खोज की है, जो इस बात का प्रमाण देते हैं कि यह सूखा क्षेत्र कभी समुद्री जीवों और विभिन्न प्रजातियों की शार्क का गढ़ था। मिस्र में प्राचीन शार्क के जीवाश्मों की खोज से जु?ी यह रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका %क्रिटेशियस रिसर्च% में प्रकाशित हुई है।मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान की चट्टानों से काहिरा विश्वविद्यालय के जीवाश्म विज्ञानी तारेक यासीन ने सात अलग-अलग शार्क प्रजातियों के दुर्लभ जीवाश्मों और शार्क के दांतों का पता लगाया है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में मिलने वाले दांतों की आकृतियां अलग-अलग हैं। कुछ सुई जैसी नुकीली हैं तो कुछ चौड़ी और आरी के आकार की हैं, जो शिकार के अनुकूल थीं। वैज्ञानिकों के अनुसार, प्राचीन काल में यहां गहरी समुद्री धाराएं चलती थीं जो पानी की सतह पर पोषक तत्व लाती थीं। इससे प्लवक और छोटी मछलियों का विकास हुआ, जिस कारण यह पूरा क्षेत्र शार्क जैसे बड़े शिकारियों के लिए आदर्श स्थान था।

सूडान में 59 हजार मौतों के बाद अमेरिका सख्त, ह्र से पूरे देश में हथियार बैन की मांग; बढ़ेगा दबाव

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। सूडान में जारी युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में नए और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अरब और अफ्रीकी मामलों के वरिष्ठ सलाहकार मासाद बोलोस ने सोमवार को कहा कि प्रतिबंधों के जरिए युद्ध में शामिल दोनों पक्षों पर बातचीत के लिए दबाव बढ़ाया जा सकता है। सूडान में चल रही इस लड़ाई में अब तक कम से कम 59 हजार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 1.3 करोड़ लोग विस्थापित हुए हैं। देश के कई हिस्से अकाल की चपेट में हैं। बोलोस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि सूडानी सेना और प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज को मिल रहा वित्तीय, सैन्य और राजनीतिक समर्थन संघर्ष को लंबा खींच रहा है। उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन मिस्र सूडान की सेना का खुलकर समर्थन करता रहा है। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात पर ह्र विशेषज्ञों और मानवाधिकार संगठनों ने ञ्रस्नस्न को हथियार मुहैया कराने का आरोप लगाया है। इन आरोपों से इनकार करता रहा है। अमेरिका ने सुरक्षा परिषद के सामने एक प्रस्ताव रखा है, जिसमें सूडान के पूरे क्षेत्र में हथियारों पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। मौजूदा प्रतिबंध मुख्य रूप से पश्चिमी दारफुर क्षेत्र तक सीमित है। प्रस्ताव में सूडान में सक्रिय सभी पक्षों पर प्रतिबंध लागू करने और ड्रोन व उनसे जुड़ी तकनीक को भी हथियार प्रतिबंध के दायरे में रखने की बात कही गई है। अमेरिकी प्रस्ताव में सभी देशों से सूडान के युद्धरत पक्षों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सैन्य, वित्तीय और लॉजिस्टिक मदद बंद करने की मांग की गई है। अमेरिका का कहना है कि बाहरी सहायता युद्ध को जारी रखने और शांति प्रयासों को कमजोर करने में भूमिका निभा रही है।

अमेरिका में एआई की वजह से नहीं जाएगी शिक्षकों की नौकरी: शिक्षा मंत्री बोलीं- मशीन नहीं ले सकता इंसान की जगह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी शिक्षा मंत्री लिंडा मैकमोहन ने सोमवार को कहा कि स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाया जाना चाहिए, लेकिन इसके इस्तेमाल के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय और स्पष्ट सीमाएं तय होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ढ्ढ को कभी भी शिक्षकों के विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मैकमोहन ने कहा कि ढ्ढ अब शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा बन चुका है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तकनीक चाहे जितनी विकसित हो जाए, कक्षा में शिक्षक और छात्रों के बीच मानवीय संवाद की जगह नहीं ले सकती।

एआई को अपनाना जरूरी, लेकिन सुरक्षा उपाय भी हों : मैकमोहन ने कहा कि सरकार ने फिलहाल एआई को रेगुलेट करने के बारे में विस्तार से चर्चा नहीं की है, लेकिन वह शिक्षा के क्षेत्र में इस तकनीक को अपनाने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि ढ्ढ आ चुका है और स्कूलों को इससे दूरी बनाने के बजाय इसका सही तरीके से इस्तेमाल करना सीखना होगा। उन्होंने ऑस्टिन, टेक्सास के अल्फा स्कूल का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने वहां ढ्ढ को वास्तविक कक्षा में काम करते हुए देखा है। उनके मुताबिक, इस तकनीक को अपनाने के साथ कुछ नियम और सुरक्षा सीमाएं तय करना भी जरूरी है, ताकि इसका इस्तेमाल छात्रों के हित में हो।

शिक्षक की जगह नहीं ले सकता एआई : अमेरिकी शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि एआई का इस्तेमाल शिक्षक के विकल्प के तौर पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा में शिक्षक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष मानवीय संपर्क बेहद महत्वपूर्ण है। मैकमोहन के मुताबिक, तकनीक बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, लेकिन शिक्षा केवल जानकारी हासिल करने का नाम नहीं है। कक्षा में शिक्षक का मार्गदर्शन, संवाद और बच्चों की व्यक्तिगत जरूरतों को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

कमजोर छात्रों से लेकर तेज छात्रों तक : मैकमोहन ने एआई के संभावित फायदों को गिनाते हुए कहा कि यह बच्चों के लिए एक व्यक्तिगत ट्यूटर की तरह काम कर सकता है। जो छात्र किसी विषय में पीछे रह गए हैं, वे ढ्ढ की मदद से पाठ दोबारा समझ सकते हैं और अपनी गति से अभ्यास कर सकते हैं। वहीं, जो छात्र अपनी कक्षा के स्तर से आगे हैं, उनके लिए ढ्ढ ज्यादा उन्नत सामग्री और चुनौतीपूर्ण पाठ उपलब्ध कराने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर इस तकनीक का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो यह छात्रों के लिए एक बेहद उपयोगी अवसर साबित हो सकती है।

शिक्षा विभाग में बड़े बदलाव की तैयारी : मैकमोहन ने ट्रंप प्रशासन की शिक्षा विभाग में बड़े बदलाव की योजना पर भी बात की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शिक्षा व्यवस्था में एक बड़े बदलाव के पक्ष में हैं और चाहते हैं कि कई जिम्मेदारियां संघीय सरकार से वापस राज्यों को दी जाएं। मैकमोहन के मुताबिक, ट्रंप का मानना है कि दशकों तक भारी खर्च के बावजूद अमेरिकी छात्रों के परीक्षा परिणाम लगातार कमजोर हुए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर उनसे कहा था कि देश अपने बच्चों के लिए अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर पाया है और अब इसमें बड़े बदलाव की जरूरत है।

3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च, फिर भी टेस्ट स्कोर में गिरावट : मैकमोहन ने कहा कि अमेरिकी शिक्षा विभाग 1980 में अस्तित्व में आया और तब से शिक्षा पर 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च किए जा चुके हैं। इसके बावजूद छात्रों के टेस्ट स्कोर में लगातार गिरावट देखने को मिली है। उन्होंने इसी आधार पर तर्क दिया कि मौजूदा संघीय शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। उनका कहना है कि शिक्षा से जुड़ी ज्यादा जिम्मेदारियां राज्यों को सौंपने से स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने और स्कूलों की जरूरत के मुताबिक नीतियां बनाने में मदद मिल सकती है। मैकमोहन ने कहा कि शिक्षा विभाग को पूरी तरह खत्म करने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होगी। इसलिए प्रशासन फिलहाल यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि विभाग की कुछ जिम्मेदारियां दूसरी संघीय एजेंसियां ज्यादा प्रभावी ढंग से संभाल सकती हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन विभिन्न विभागों के बीच अंतर-एजेंसी समझौते कर रहा है और कुछ कार्यक्रमों तथा जिम्मेदारियों को दूसरी एजेंसियों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मैकमोहन के अनुसार, इस प्रक्रिया का उद्देश्य कांग्रेस के सामने यह साबित करना है कि शिक्षा से जुड़े कुछ काम शिक्षा विभाग के बाहर भी प्रभावी तरीके से किए जा सकते हैं।

राज्यों को ज्यादा अधिकार देने की तैयारी : मैकमोहन ने कहा कि शिक्षा को राज्यों के स्तर पर वापस ले जाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उनका तर्क है कि स्थानीय और राज्य सरकारें अपने छात्रों की जरूरतों को संघीय सरकार की तुलना में ज्यादा बेहतर तरीके से समझ सकती हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग को मुख्य रूप से कांग्रेस द्वारा स्वीकृत धनराशि को आगे पहुंचाने वाली संस्था के रूप में भी वर्णित किया। उनके मुताबिक, विभाग के कई कार्यक्रम ऐसे हैं जो शिक्षा विभाग के गठन से पहले दूसरी संघीय एजेंसियों के माध्यम से संचालित होते थे।

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से राहत-पोस्टल बैलेट से मतदान संबंधी आदेश को मिली मंजूरी, मध्यावधि चुनाव पर क्या असर

वाशिंगटन, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के डाक मतपत्र से मतदान को प्रतिबंधित करने वाले कार्यकारी आदेश को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ कर दिया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उनका प्रशासन आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले इसे कितना लागू कर पाएगा। इस निर्णय से अतिरिक्त अदालती चुनौतियों की संभावना बनी हुई है, जो ट्रंप के आदेश को और धीमा कर सकती हैं। अमेरिकी डाक विभाग ने पिछले सप्ताह आदेश को लागू करने की अपनी योजना बताई थी। दरअसल, कुछ राज्यों में कुछ ही हफ्तों में मतदाताओं को डाक मतपत्र भेजने की प्रक्रिया शुरू होगी, जिससे बड़े बदलाव लागू करने के लिए समय कम है। ट्रंप लंबे समय से डाक मतपत्र मतदान को धोखाधड़ी का जरिया बताते रहे हैं, हालांकि इसके विपरीत मजबूत सबूत मौजूद हैं। उन्होंने स्वयं भी इस मतदान पद्धति का उपयोग किया है। न्याय विभाग ने उच्च न्यायालय से मध्यावधि चुनावों से पहले परिवर्तनों को लागू करने की अनुमति देने के लिए एक आपातकालीन अपील दायर की थी। ट्रंप के कार्यकारी आदेश पर मार्च में हस्ताक्षर किए गए थे। यह उनके प्रशासन से योग्य मतदाताओं की सूची बनाने और अमेरिकी डाक विभाग को केवल उन सूचियों में शामिल लोगों को डाक मतपत्र वितरित करने का आदेश देता है।

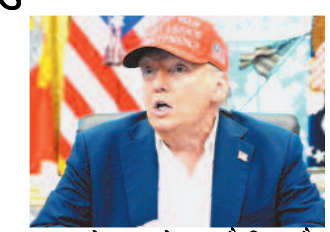

आदेश को चुनौती और अदालती निर्णय : 23 राज्यों और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के डेमोक्रेटिक अधिकारियों ने इस आदेश को रोकने के लिए मुकदमा दायर किया था। उन्होंने तर्क दिया कि संविधान राज्यों और कांग्रेस को चुनाव कराने की शक्ति देता है। ट्रंप के बदलावों से अराजकता और पक्षपातपूर्ण दुरुपयोग हो सकता है। राज्यों के वकीलों ने लिखा, इस गिरावट के चुनावों के इतने करीब ऐसे परिवर्तनकारी बदलावों को प्रभावी होने के परिणाम अत्यधिक होंगे।% मैसाचुसेट्स में एक न्यायाधीश ने उन राज्यों में मध्यावधि चुनावों के लिए योजना को रोक दिया था। एक अपील अदालत ने उनके फैसले को बरकरार रखा। बाद में उन्होंने इसे देशव्यापी रूप से रोकने का दूसरा आदेश दिया। ट्रंप प्रशासन ने जुलाई के अंत में प्रक्रियात्मक आधार पर सुप्रीम कोर्ट में अपील की। उन्होंने तर्क दिया कि राज्यों ने बहुत जल्दी मुकदमा दायर किया था। उन्होंने वाशिंगटन से आए एक अन्य फैसले का भी हवाला दिया, जहां एक न्यायाधीश ने ट्रंप के आदेश को आगे बढ़ने की अनुमति दी थी।

ईरान में युद्ध और महंगाई के बीच युवाओं का सुकून भी छिना, दर्जनों कैफे सील, क्या चाहती है हुकूमत

लैली निकूनाजार/येगाने तोरबाती, तेहरान, एजेंसी। युद्ध के साये, आसमान छूती महंगाई और रोजगार के घटते अवसरों के बीच ईरान की युवा पीढ़ी के पास सामान्य जिंदगी जीने का सिर्फ एक ही सस्ता जरिया बचा था-शाम के वक्त दोस्तों के साथ किसी कॉफी शॉप में बैठकर थोड़ा वक्त सुकून से काटना। लेकिन फुटपाथ में कुर्सियों पर पसरे युवा, सिगरेट का धुआं, बेपरवाह गपशप और कभी-कभार छिपाकर बीयर पीने (जिसकी सजा देश में कोड़े हैं), वाले ये दृश्य कट्टरपंथी हुकूमत को खामोश बगावत नजर आने लगे। नतीजा, पुलिस-प्रशासन कैफे बंद कराने लगा।

राजधानी तेहरान समेत देश के कई शहरों में हाल में दर्जनों कैफे, रेस्टोरेंट और बुटीक सील किए?गए?हैं। वैसे तो वजह यही बताई गई कि अनिवार्य हिजाब कानून और इस्लामी मूल्यों की अनदेखी हो रही है। लेकिन तेहरान के कैफे मालिक आमिर का कहना है कि यह हुकूमत की बेचैनी और युद्ध से थके समाज को नियंत्रित करने की कोशिश है। आमिर कहते हैं, हम खुद को यही तसल्ली देते हैं कि यह सिर्फ एक लहर है। ईरान के कॉफी शॉप कल्चर पर किताब लिखने वाली हालेह मीर मीरी के अनुसार, इसमें युवा जिंदगी जीने के वैकल्पिक रास्ते तलाशते हैं। तेहरान की आर्टिस्ट मोना कहती हैं, कैफे छोटे होने से लोग फुटपाथ पर खड़े होकर बातें करने लगते हैं। पुलिस को लगता है कि यह प्रदर्शन की तैयारी है। ईरान में कैफे के आसपास इस तरह युवाओं की भीड़ जुटने को सरकार संभावित प्रदर्शन से जोड़कर देख रही है। यही नहीं, सार्वजनिक जगह पर हावी होने की कोशिश में भी सरकार कड़े कदम उठा रही है। क्योंकि युद्ध की अनिश्चितता के बीच हुकूमत अपने समर्थन में रैलियां निकाल रही है। ऐसे माहौल में कैफे का यह आजाद माहौल सरकारी नैरेटिव को सीधी चुनौती देता है। ईरान में इन दिनों एक पुराना सामाजिक और सांस्कृतिक टकराव फिर से भड़क उठा है। ईरान की राजधानी तेहरान और ऐतिहासिक शहर शिराज की सड़कों पर आजकल एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है।

ट्रंप का बड़ा खुलासा- दो हफ्ते में अमेरिका आएंगे शी जिनपिंग, व्हाइट हाउस में बन रहा 'चीन जैसा' ग्रेट हॉल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को खुलासा किया है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग करीब दो हफ्ते में अमेरिका आएंगे। ट्रंप ने यह घोषणा व्हाइट हाउस के पास निर्माणाधीन नए बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स का जिक्र करते हुए की। उन्होंने परियोजना की तुलना चीन के 'ग्रेट हॉल' से की और साथ ही नए हेलीपोर्ट को भी वर्षों से लंबित जरूरत बताया। हालांकि, शी की यात्रा को लेकर अभी चीन या व्हाइट हाउस की ओर से आधिकारिक कार्यक्रम और अन्य विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। ट्रंप ने यह जानकारी व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित 'बैक-टू-स्कूल' कार्यक्रम की शुरुआत के दौरान दी। हालांकि, उन्होंने शी जिनपिंग के साथ होने वाली बातचीत की तारीख, कार्यक्रम और यात्रा से जुड़ी अन्य

जानकारियां साझा नहीं कीं। ट्रंप ने कहा,राष्ट्रपति शी दो हफ्ते में आ रहे हैं। मैं दो महीने पहले चीन गया था और हमने चीन का 'ग्रेट हॉल' देखा था। अब अमेरिका में भी हमारा अपना 'ग्रेट हॉल' होगा। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है, बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है।÷

ट्रंप ने व्हाइट हाउस परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों से इस प्रस्तावित कॉम्प्लेक्स को जोड़ते हुए बताया कि परियोजना में एक भव्य बॉलरूम के साथ-साथ एक मिलिट्री कॉम्प्लेक्स भी शामिल होगा। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, हम वहां एक मिलिट्री कॉम्प्लेक्स और एक बॉलरूम बना रहे हैं, जो दुनिया में अपनी तरह का सबसे बेहतरीन होगा। शिक्षा पर अपनी बात रखने के बाद राष्ट्रपति एक बार फिर निर्माण कार्य की चर्चा पर लौट आए। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद छात्रों और उनके परिवारों को अपने साथ निर्माण स्थल देखने के लिए आमंत्रित किया। ट्रंप ने कहा, आप ठीक बगल में व्हाइट हाउस के पास बन रही शानदार इमारत देखेंगे। वही बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स होगा। यह अद्भुत है। उन्होंने बताया कि प्रशासन व्हाइट हाउस में एक नया हेलीपोर्ट भी बना रहा है। ट्रंप के मुताबिक, पहले हेलीकॉप्टरों को घास पर उतरना पड़ता था, जिससे गीले मौसम में परेशानी और सुरक्षा संबंधी जोखिम पैदा होते थे। ट्रंप ने कहा, हम एक सुंदर हेलीपोर्ट बना रहे हैं, जिसकी मांग कई वर्षों से की जा रही थी। हेलीकॉप्टर को गीली घास पर उतरना पड़ता था, जो खराब और खतरनाक था।%रोज गार्डन में जुटे बच्चों को निर्माण कार्य दिखाने को लेकर ट्रंप खासे उत्साहित नजर आए। उन्होंने निर्माण स्थल से आने वाली आवाजों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें निर्माण कार्य की आवाज पसंद है। ट्रंप ने कहा, मुझे निर्माण कार्य की आवाज बहुत पसंद है। जब मैं बाहर वह शोर-शराबा सुनता हूं।

चीन में भारतीय फैशन का जलवा, कुर्ते से साड़ी तक का बढ़ा क्रेज; क्यों पसंद आ रहा देसी अंदाज

शंघाई/बीजिंग, एजेंसी। पश्चिमी देशों और रूस में भारतीय एथनिक फैशन की पहचान बनने के बाद अब चीन जैसे पड़ोसी देश में भी भारतीय पहनावे का नया क्रेज देखा जा रहा है। बीजिंग से शंघाई तक चीनी युवा सलवार-कुर्ती और इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन आउटफिट्स पहनकर सड़कों पर निकल रहे हैं तो महिलाओं को भी साड़ी में देखा जा रहा है। लोग पलिनन के लंबे-छोटे कुर्तों को डेनिम जींस, ट्राउजर और वाइट स्नीकर्स के साथ पेयर करके मिनिमलिस्टिक लुक अपना रहे हैं। चीन के उमस भरे मौसम में सांस लेने योग्य भारतीय कॉटन, खादी और चंदेरी फैब्रिक की भारी मांग है। श्याओहांगशू (रेड बुक) ट्रेंड्स डाटा के मुताबिक, शंघाई के प्रसिद्ध अंफु रोड और उहांग रोड जैसे स्ट्रीट-फैशन हब्स पर कुर्ता-डेनिम लुक छाया हुआ है। शैनक्सी

साउथ रोड के मल्टी-ब्रांड बुटीक में भी भारतीय फैब्रिक हावी है। वहीं, बीजिंग के सानलीतुन स्ट्रीट जोन और ताइगू ली एवेन्यू पर युवा कुर्तों को डेनिम व स्नीकर्स के साथ स्टाइल कर रहे हैं। चीनी अखबार चायना डेली की रिपोर्ट के मुताबिक, फैशन शो और बीटूबी मीट्स में लेबलहुड की संस्थापक ताशा लियू ने इस फ्यूजन ट्रेंड को बढ़ावा दिया, जिसके बाद ताओबाओ और श्याओहांगशू के सेलर नेटवर्क ने भारी मात्रा में बल्क ऑर्डर्स प्रोसेस किए हैं।

फैशन शो और बीटूबी मीट्स के दौरान चीनी रिटेलर्स ने भारतीय टेक्सटाइल और फ्यूजन वियर के लिए 12 लाख डॉलर (10 करोड़ रुपये) के शुरुआती सप्लाई ऑर्डर्स दिए हैं, जो बहुत बड़ी रकम है। 6 माह के दौरान चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स (ताओबाओ व टीमाल) पर इंडियन स्टाइल एथनिक कुर्ती और मसाला चाय मिक्स की बिक्री 45त्न तक बढ़ गई है।

चीन के मेट्रो शहरों (शंघाई, बीजिंग और चेंगदू) में इन दिनों भारतीय लाइफस्टाइल और एथनिक फैशन का एक अनोखा उभार देखने को मिल रहा है। चीन के सबसे बड़े लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म श्याओहांगशू पर भारतीय पहनावे, इंडो-फ्यूजन स्टाइलिंग और आयुर्वेदिक हर्बल प्रोडक्ट्स के ट्रेंड्स की बाढ़ आ गई है। खास तौर पर साड़ियों का भी चलन खूब देखने को मिल रहा है।

रेड कार्पेट और फैशन शो में लंबी कतारें = शंघाई के अंतरराष्ट्रीय फैशन कॉरिडोर में ईस्ट-मीट्स-वेस्ट फ्यूजन शो और बीजिंग कल्चरल एक्सपो हुआ, जिसमें भारतीय एथनिक व इंडो-वेस्टर्न डिजाइनों का प्रदर्शन हुआ। चीनी फैशन इन्फ्लुएंसर ली जियाओयान शंघाई की प्रसिद्ध स्टाइलिस्ट चेन वेई ने भारतीय चंदेरी, बनारसी और ब्लॉक-प्रिंट सिल्क के साथ आधुनिक कट-आउट्स का प्रयोग कर रेड कार्पेट पर धूम मचाई। इस 3 दिनी शो में 15,000 से अधिक दर्शक व खरीदार मौजूद रहे।

खतरनाक ड्राइविंग के वीडियो पर सख्ती; टिकटॉक समेत इन प्लेटफॉर्म को सरकार की चेतावनी, क्या कहा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की सरकार ने सोमवार को टिकटॉक और दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों से कहा कि वे खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने वाले वीडियो हटाएं। सरकार ने इन वीडियो को वायरल होने से रोकने को कहा है। यह कदम एक सड़क हादसे में दो पुलिस अधिकारियों और पांच युवकों की मौत के बाद उठाया गया है। हादसे के समय एक कार सड़क की गलत दिशा में जा रही थी। शनिवार को अधिकारी मैथ्यू ब्लेड्स और टॉम क्लॉ की मौत हो गई। उत्तर-पूर्वी इंग्लैंड में एक वोक्सवैगन कार सड़क पर गलत दिशा में जा रही थी। इसी दौरान वह पुलिस अधिकारियों की गाड़ी से टकरा गई। कार में सवार पांच लोगों की भी मौके पर मौत हो गई। इनमें तीन लड़के थे। उनकी उम्र 17 और 18 साल थी। दो अन्य पुरुष थे। दोनों की उम्र 23 साल थी।

खतरनाक ड्राइविंग के वीडियो क्यों चिंता बढ़ा रहे हैं : यह हादसा ऐसे समय हुआ है, जब सोशल मीडिया में उन वायरल वीडियो को लेकर चिंता बढ़ी है, जिनमें लोग खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाते दिख रहे हैं। ऐसे वीडियो खुद गाड़ी चलाने वाले लोग पोस्ट करते हैं। कई बार गाड़ी में बैठे दूसरे लोग भी इन्हें सोशल मीडिया पर डालते हैं। ब्रिटिश मीडिया की खबरों के मुताबिक, शनिवार को वोक्सवैगन कार में मारे गए लोगों में से एक ने पहले भी ऐसा वीडियो पोस्ट किया था। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ल्यूक पोलार्ड ने कहा कि सरकार ने टिकटॉक और ऐसी दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों से ऐसे खराब कंटेंट को हटाने और अपनी कार्रवाई तेज करने को कहा है। उन्होंने बीबीसी से कहा, हमने उन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से बात की है, जहां सड़कों पर इस तरह के खतरनाक व्यवहार का जश्न मनाने वाला कंटेंट डाला जा रहा है। हमने उनसे ऐसा कंटेंट हटाने को कहा है।

पोलार्ड ने आगे कहा, इन कंपनियों ने कुछ नियमों का विरोध करते हुए कहा था कि वे खुद अपने प्लेटफॉर्म की निगरानी कर सकती हैं। अब यह दिखाने का सही मौका है कि वे ऐसा कर सकती हैं। सड़कों पर खतरनाक व्यवहार को बढ़ावा देने वाला कंटेंट हटाया जाए।

प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम के कार्यालय ने कहा कि वीडियो और मनोरंजन के लिए खतरनाक ड्राइविंग को बढ़ावा देना बेहद शर्मनाक है। कार्यालय ने कहा कि जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए ब्रिटेन के मीडिया नियामक को सरकार का पूरा समर्थन है। टिकटॉक ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, कंपनी ने कहा कि उसकी नीतियों के तहत ऐसे कंटेंट पर सख्त रोक है, जिससे किसी व्यक्ति को गंभीर शारीरिक नुकसान हो सकता है। पुलिस ने बताया कि जिस कार से यह जानलेवा हादसा हुआ, उस पर नकली नंबर प्लेट लगी थी। इसका इस्तेमाल पुलिस से बचने के लिए किया गया था। पुलिस ने कहा कि हादसे से पहले संदिग्ध आपराधिक गतिविधियों के मामले में सोमवार को 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें हथियार रखने का मामला भी शामिल है। एक अलग मामले में, आयरलैंड के काउंटी किल्डेयर में पिछले हफ्ते चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। उनकी कार को राजमार्ग पर गलत दिशा में जा रही दूसरी कार ने टक्कर मार दी।

हेगसेथ बोले- जरूरत पड़ी तो ईरान पर मिसाइल से हमला; सख्ती पर इस्राइली पीएम नेतन्याहू क्या बोले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आर्थिक और सैन्य दबाव को एक साथ तेज कर दिया है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने होर्मुज जलडमरूमध्य समेत ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखा है, जबकि ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट के जरिए ईरान के तेल, वित्तीय नेटवर्क और प्रतिबंधों से बचने वाले तंत्र को निशाना बनाने की घोषणा की है। दूसरी ओर, ईरान ने संकट से निपटने का भरोसा जताया है और इस्राइल ने अमेरिकी कदमों का समर्थन किया है। इससे तेहरान पर आर्थिक दबाव के साथ संभावित सैन्य टकराव का जोखिम भी बढ़ गया है। ऐसे में अमेरिका की रणनीति साफ तौर पर दो मोर्चों पर आगे बढ़ती दिखाई दे रही है एक तरफ आर्थिक घेराबंदी और दूसरी तरफ सैन्य कार्रवाई का खुला विकल्प।

होर्मुज में भी सैन्य कार्रवाई से इनकार नहीं : विस्कॉन्सिन के ओशकोश दौरे के दौरान हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना को बिल्कुल खत्म नहीं कर रहा है। उनसे जब पूछा गया कि क्या फिलहाल सैन्य हमलों का विकल्प रोक दिया गया है, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसा नहीं है। हेगसेथ के मुताबिक, अगर ईरान अमेरिकी सेना से टकराता है या ऐसी कार्रवाई करता है जिसे वॉशिंगटन सीमा पार करना मानता है, तो अमेरिका जरूरी कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल आर्थिक दबाव ईरान को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर होर्मुज जलडमरूमध्य या ईरान के आसपास किसी भी इलाके में सैन्य कार्रवाई की जा सकती है।

अमेरिका का दावा-होर्मुज पर मजबूत पकड़ : हेगसेथ ने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और वहां से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा करने की क्षमता रखती है। उनके अनुसार, ईरान की अर्थव्यवस्था लगातार दबाव में है और तेहरान यह भी समझता है कि जलडमरूमध्य में

अमेरिकी सैन्य क्षमता उसके मुकाबले काफी मजबूत है। उन्होंने कहा कि ईरान के पास इस क्षेत्र से व्यापार और तेल की आवाजाही को प्रभावित करने की कुछ क्षमता जरूर है, लेकिन अमेरिका के पास समुद्री मार्ग को सुरक्षित रखने की बेहतर क्षमता मौजूद है। उनका दावा है कि इसी वजह से तेल का प्रवाह जारी रखा जा सकता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ईरान के दबाव को सीमित किया जा सकता है।

ईरानी नौसेना और मिसाइल क्षमता को नुकसान का दावा : हेगसेथ ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई से ईरान की नौसेना, रडार और मिसाइल प्रणालियों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि ईरान के पास अब भी कुछ सैन्य क्षमताएं मौजूद हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री के मुताबिक, ईरान की मौजूदा सैन्य क्षमता पहले जैसी नहीं रह गई है। इसी आधार पर वॉशिंगटन का मानना है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है और तेल की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति को जारी रख सकता है।

आर्थिक दबाव के साथ परमाणु वार्ता का लक्ष्य : हेगसेथ ने कहा कि लगातार बढ़ता आर्थिक दबाव ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की मेज पर लौटने के लिए मजबूर कर सकता है। अमेरिकी रणनीति का मकसद तेहरान की आर्थिक क्षमता को इतना कमजोर करना है कि उसके सामने बातचीत के अलावा विकल्प सीमित रह जाएं। उन्होंने कहा कि आर्थिक दबाव और सैन्य विकल्प दोनों एक-दूसरे के समानांतर चल रहे हैं। वॉशिंगटन फिलहाल आर्थिक हथियार को प्राथमिकता दे रहा है, लेकिन परिस्थितियां बिगड़ने पर सैन्य कार्रवाई की संभावना खुली रखी गई है।

ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट से ईरान की वित्तीय घेराबंदी : अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सोमवार को ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट शुरू करने की घोषणा की। उनके मुताबिक, इस अभियान का लक्ष्य दुनियाभर में ईरान के वित्तीय संपर्कों को तोड़ना और उन सभी आय स्रोतों पर कार्रवाई करना है जो ईरानी सरकार तथा इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आर्थिक मदद पहुंचाते हैं। अमेरिका ने इस अभियान के तहत करीब 60 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंधों का नया दौर शुरू किया है। इनमें ईरान की सैन्य गतिविधियों, खरीद नेटवर्क और पेट्रोलियम तथा पेट्रोकेमिकल कारोबार से कथित रूप से जुड़े लोग और संस्थाएं शामिल हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.